ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुडा समेत अन्य घोटालों के बारे में सदन में जवाब दें मुख्यमंत्री: विजयेन्द्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 16 जुलाई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-197

संविधान की नाफरमानी पर उतरा मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड

सुप्रीम कोर्ट का फैसला नामंजूर

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने नामंजूर कर दिया है। वहीं देवबंद के उलेमा भी बोर्ड के समर्थन में उतर आए हैं। बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को मुस्लिम पर्सनल लॉ और मौलिक अधिकारों के खिलाफ बताते हुए पूरी तरह नामंजूर कर दिया है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले और उत्तराखंड में प्रस्तावित समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी के खिलाफ कानूनी जंग लड़ने की घोषणा की है। रविवार को हुई बोर्ड की बैठक में सभी 51 सदस्य मौजूद थे। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का रवैया सीधे-सीधे संविधान की नाफरमानी है। इस पर संविधान-रक्षक राहुल गांधी, उनके पिछलग्गू अखिलेश यादव और विपक्षी गठबंधन के दूसरे नेताओं की चुप्पी स्पष्ट संदेश देती है कि वे संविधान के कितने भारी रक्षक हैं। अब सुप्रीम कोर्ट को और भारत सरकार को यह तय करना है कि देश में संविधान और कानून का राज रहेगा या सब अपना-अपना जेबी कानून लेकर देश में अराजकता फैलाएंगे।

मुस्लिम महिलाओं को भी गुजारा भत्ता लेने का हक है, इसे ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड मानने को तैयार नहीं है। बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को भी ठेंगा दिखाने का असंवैधानिक ऐलान कर दिया है। यह संविधान और शीर्ष न्यायपीठ का अपमान है। ऑल इंडिया पर्सनल लॉ बोर्ड ने कहा है कि मुस्लिम महिलाओं से संबंधित सुप्रीम कोर्ट का आदेश वह नहीं मानेगा और उस आदेश को चुनौती देगा। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में मुस्लिम तलाकशुदा महिलाओं को इद्दत की अवधि के बाद भी गुजारा भत्ता मांगने की अनुमति दी थी। यहां तक कि पर्सनल लॉ बोर्ड ने उत्तराखंड में लागू समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को भी चुनौती देने की घोषणा की है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने कहा है कि सभी धर्मों में महिलाओं से संबंधित कानून एक समान होने चाहिए।

देश में संविधान और कानून का राज रहेगा या चलेगा जेबी कानून?

मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता मौलानाओं को बर्दाश्त नहीं है

सुप्रीम कोर्ट के फैसले और यूसीसी के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगे

सभी धर्मों में महिलाओं से जुड़े कानून समान होने चाहिए: आयोग

रविवार को ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की कार्यसमिति की बैठक में इन दोनों मुद्दों पर खास तौर पर विचार किया गया और यह तय किया गया कि महिलाओं को लेकर किया गया सुप्रीम कोर्ट का फैसला उन्हें अमान्य है। बोर्ड के प्रवक्ता सैयद कासिम रसूल इलियास ने बताया कि बैठक में आठ प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इसमें पास पहला प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट का फैसला ही है। इलियास ने कहा, पहला प्रस्ताव हाल ही में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बारे में था। यह फैसला शरिया कानून से टकराता है। इस्लाम में शादी को पवित्र बंधन माना जाता है। इस्लाम तलाक को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को महिलाओं के हित में बताया जा रहा है, लेकिन शादी के नजरिए से यह फैसला महिलाओं के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। सैयद कासिम रसूल इलियास ने कहा, अगर तलाक के बाद भी पुरुष को गुजारा भत्ता देना है तो वह तलाक क्यों देगा? और अगर रिश्ते में कड़वाहट आ गई है तो इसका खामियाजा किसे भुगतना पड़ेगा? हम कानूनी समिति से सलाह-मशविरा करके इस फैसले को वापस लेने के बारे में विचार-विमर्श करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने 10 जुलाई को फैसला सुनाया था कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 मुस्लिम विवाहित महिलाओं सहित सभी विवाहित महिलाओं पर लागू होती है और वे इन प्रावधानों के तहत अपने पतियों से भरण-पोषण का दावा कर सकती हैं। इसको लेकर मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम 1986 इस धर्मनिरपेक्ष कानून पर लागू नहीं होगा।

यूसीसी को लेकर कासिम इलियास ने कहा कि उनकी कानूनी टीम इसको लेकर काम कर रही है। उन्होंने कहा, विविधता हमारे देश की पहचान है, जिसे हमारे संविधान ने सुरक्षित रखा है। यूसीसी इस विविधता को खत्म करने का प्रयास करती है। यूसीसी न केवल संविधान के खिलाफ है, बल्कि हमारी धार्मिक स्वतंत्रता के भी खिलाफ है। उधर, मुस्लिम महिलाओं के भरण-पोषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा कि महिलाओं के लिए सभी धर्मों को कानून समान होने चाहिए। शर्मा ने कहा, महिलाओं के अधिकार सार्वभौमिक होने चाहिए, धर्म के आधार पर निर्धारित नहीं होने चाहिए। महिलाओं से संबंधित सभी धर्मों के कानून भी समान होने चाहिए। उन्होंने कहा, हिंदू विवाह अधिनियम के तहत तलाक के बाद आपको गुजारा भत्ता मिलता है तो मुस्लिम महिला को यह क्यों नहीं मिलना चाहिए? मैं सुप्रीम कोर्ट द्वारा कही गई बात का स्वागत करती हूं। आयोग प्रमुख ने कहा कि यह निर्णय इस सिद्धांत को पुष्ट करता है कि किसी भी महिला को कानून के तहत समर्थन और सुरक्षा के बिना नहीं छोड़ा जाना चाहिए।

▶10 पर

भोजशाला के सर्वेक्षण का काम पूरा, रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश

हिंदू देवी देवताओं की 94 टूटी प्रतिमाएं मिलीं

स्तंभों पर ब्रम्हा, गणेश, नरसिंह और भैरव की आकृतियां मिलीं

कई पौराणिक शिलालेख मिले, इनमें कई रचनाएं लिखी हुई हैं

इंदौर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित भोजशाला के सर्वेक्षण की रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश कर दी गई है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने अपनी सर्वे रिपोर्ट मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में जमा कर दी। रिपोर्ट में सर्वे में मिली सभी संरचनाओं की जानकारी दी गई है। सर्वे के दौरान मिली मूर्तियों, सिक्कों और चिन्हों के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई है। एएसआई के सर्वे में चांदी, तांबे, अल्युमिनियम और स्टील के 31 सिक्के पाए गए हैं। यह सिक्के अलग-अलग ऐतिहासिक समय के हैं। सिक्कों के अलावा 94 वास्तुशिल्प मिले हैं। इनमें मूर्तियां, मूर्तियों के खंडित हिस्से और पत्थरों पर उकेरी प्रतिमाएं शामिल हैं। यहां 94 से ज्यादा क्षतिग्रस्त मूर्तियां बरामद की गई हैं।

सर्वे में यह भी पाया गया है कि यहां के स्तम्भों पर देवी-देवताओं की मूर्तियां उकेरी गई थीं। इन पर बने हुए देवता सशस्त्र थे। बताया गया कि इन छवियों में ब्रम्हा, गणेश, नरसिंह और भैरव के साथ ही पशुओं की आकृतियां भी हैं।

इनमें कुछ मानव आकृतियां भी हैं। इसके अलावा इस परिसर के एक हिस्से में भित्तिचित्रों में मानव और सिंह समेत कई पशुओं के मुख वाली आकृतियां भी हैं। एक हिस्से में यह विकृत की गई थीं जबकि कुछ जगह यह सुरक्षित थीं। यहां कई शिलालेख भी मिले हैं। इनमें कई रचनाएं लिखी हुई हैं। इन रचनाओं से भोजशाला के पौराणिक स्वरूप की जानकारी मिलती है।

सर्वे में मिले एक शिलालेख से पता चला है कि यहां परमार वंश के राजा नरवर्मन का शासन था। इससे इंगित होता है कि यहां मुस्लिमों के शासन से पहले हिंदू शासक शासन कर रहे थे। यहां से मिले अन्य कई शिलालेख और चिन्ह को रिपोर्ट में जगह दी गई है। यह रिपोर्ट 2000 पेज की है। ▶10 पर

सर्वे के खिलाफ याचिका पर सुनवाई होगी

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के धार जिले स्थित भोजशाला के वैज्ञानिक सर्वेक्षण के खिलाफ याचिका पर शीर्ष अदालत में सुनवाई की जाएगी। अदालत ने इस मामले पर सुनवाई के लिए सहमति जताई है। इस मध्य युग की भोजशाला पर हिंदू और मुस्लिम, दोनों ही समुदाय अपना दावा करते हैं। शीर्ष अदालत में न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एसवीएन भाटी ने इस मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। इससे पहले शीर्ष अदालत में हिंदू याचिकाकर्ताओं की तरफ से वकील के रूप में विष्णु शंकर जैन पेश हुए थे। उन्होंने अदालत को बताया था कि एएसआई ने इस मामले में अपनी रिपोर्ट जमा कर दी है। उन्होंने अदालत को यह भी बताया कि हिंदू पक्ष ने इस लंबित मामले में अपना जवाब भी दाखिल कर दिया है। इस मामले में सात अप्रैल, वर्ष 2003 में एएसआई ने एक व्यवस्था तैयार की थी। इसके तहत भोजशाला परिसर में मंगलवार को हिंदू पूजा कर सकते हैं। इसके अलावा शुक्रवार को मुस्लिम यहां नमाज अता कर सकते हैं।

KARNATAKA INNERWEAR ASSOCIATION ®

3 DAY B-2-B EXPO

BODYCARE WOMEN'S INNERWEAR PRESENTS The Inner Story — India's Largest Innerwear Trade Show — CHAPTER 3

INAUGURATION ON TUESDAY 16.7.2024 9AM

Entry for TRADE VISITORS Only

16-17-18 JULY 2024 | 10 AM - 09 PM

CHIEFGUEST Shri Shivanand S Patil
Hon. Minister of Textiles and Sugarcane Development, Government of Karnataka

GUEST OF HONOR
Shri Parikshit Mohanpuria, IRSEE — Additional Divisional Railway Manager (A)
Shri Sanjay Dawar — Founder & Director, Bodycare Creations Pvt Ltd.
Shri Mahendra H Singhi — Member-ZRUCC, South Western Railway, Hubballi

Gayathri Vihar Sagar, Gate No. 04, Palace Ground, Bengaluru

OFFICE BEARERS
N DILIP KUMAR JAIN — President
ASHVIN SEMLANI — Vice President
MAHAVEER CHAND MEHTA — Vice President
RAVINDRA BAMBOLI — Secretary
PRAKASH H JAIN — Treasurer
SHANKY M JAIN — Jt. Secretary
JINENDRA KUMAR — Jt. Secretary
VINOD CHOUHAN — Jt. Treasurer
RAMESH CHAND JAIN — I.P.P

MANAGING COMMITTEE
RAJESH CHOPRA — Fair Co-ordinator
GOURAV SHARMA
MAHENDRA JAIN
MAHIPAL T JAIN
MOOLSINGH RAJPUROHIT
MANISH A JAIN
MADHURAM KHADAV

OUR SPONSORS
BODYCARE | MACHO SPORTO | AARAM FEED | Prithvi INNER WEARS | BLOSSOM | GROVERSONS Paris Beauty

PARTICIPATING BRANDS
zoiro | aramfit | VIP | INFINIA | TWIN BIRDS | PINNACLE | SCAN | ollo | intimacy | C9 | Minelli | MACROMAN | RIZA | TRYLO | RAJNI | Wilhin | Lady Care | Lango | piccion | everyday | KYANDO | FASO | V.I.P | Skindew | Kokhila | Prisma | COLORS | RAJUL | alisha | VON BEAUTY | TECNOSPORT | SHYYGL | DOLLAR | FORCE NXT | ANAND | MYBRA | sunberi | Lovable | SIMEX | B&B comfort | Good Luck | SKIN COOL LINGERIE | Cotton Opera | Angelina | SK Dreams | Sarwoday | oneS | Select | ROXOR | tigie | Comix | RAAGAM | UATHAYAM
And many more...

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

कविता में विविधता लाने का बड़ा काम कर रहा शब्द : मदन कश्यप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रथम अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान से सम्मानित मूर्धन्य कवि मदन कश्यप ने रविवार को शब्द की मासिक रचना गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि हिंदी कविता आज दो तरह की चुनौतियों का सामना कर रही है। पहली चुनौती व्यावसायिक मंचीय कविता की है, जहां लोकप्रियता बहुत है किंतु कविता नहीं और दूसरी चुनौती गंभीर काव्य गोष्ठियों की है, जहां कविता तो होती है किंतु श्रोता नहीं। बेंगलूरु की शब्द संस्था इन दोनों चुनौतियों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए अपने साथ इंजीनियर, डॉक्टर आदि दूसरे पेशेवरों को जोड़कर हिंदी के क्षेत्र का जिस तरह से विस्तार कर रही है तथा सृजन में विविधता लाने का प्रयास कर रही है, वह मुझे बहुत महत्वपूर्ण लगता है। आप सभी की रचनाओं में जो अनुभव की विविधता है, उससे हिंदी का क्षितिज विस्तार हो रहा है और यह काम आज भारत के पेशेवर युवाओं का कर्मक्षेत्र बेंगलूरु में ही संभव है। मदन कश्यप ने गोष्ठी में गनीमत है, 'छोटे-छोटे ईश्वर आदि कई कविताएँ भी सुनाईं, जिन्हें श्रोताओं द्वारा काफी पसंद की गई। प्रसिद्ध विद्या कृष्णा की अध्यक्षता में आयोजित रचना गोष्ठी का प्रभावशाली संचालन दीपक सोपोरी ने किया। वैज्ञानिक अशोक कुमार सूर्य की सरस्वती वंदना से आरंभ रचना गोष्ठी में भोपाल से पधारीं मधु सक्सेना की स्त्री मनोभावों को उकेरती कविताएँ प्रभावशाली रहीं। डॉ स्वर्ण ज्योति तथा डॉ उषारानी राव एवं कविता भट्ट की नारी संवेदना पर केंद्रित कविताएं असरकारी थीं। अंजना चांडक की कविता में प्रेम का रूपायन तथा गीता चौबे गूँज की कविता में चनाजोर गरम बेचने वाले का संघर्ष एवं ऋता शेखर मधु की कविता में प्रकृति का चित्रण प्रभावी था। वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर एवं कथालोचक अरविन्द कुमार के काव्य पाठ एवं वरुण सिंह तन्हा की गजल को भी श्रोताओं की खूब दाद मिली। श्रीकांत शर्मा, हंसराज मुणोत, राजेन्द्र गुलेच्छा तथा लोकेश कुमार मिश्र की कविताएँ भी पसंद की गईं। बिंदु रायसोनी और भगवती सक्सेना गौड़ तथा रेशमा ए एल की कविताएँ भी श्रोताओं द्वारा सराही गईं। संचालक दीपक सोपोरी एवं गोष्ठी अध्यक्ष विद्या कृष्णा ने तरन्नुम में यादगार गजलें सुनाईं। शब्द के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने स्वागत वक्तव्य में संस्था की 28 वर्षों की विकास यात्रा के विभिन्न उपलब्धिपूर्ण पड़ाओं की संक्षिप्त चर्चा की। कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत शर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ रचना गोष्ठी संपन्न हुई।

भागवत कथा सुनने मात्र से होता है कल्याण

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सीरवी समाज कर्नाटक वडेर मैसूरु में रविवार को भगवत गीता कथा का आयोजन किया गया। कथावाचक राधापति गोपीनाथ प्रभु ने श्रीमद्भगवत गीता का प्रसंग सुनाया। कथा में बताया गया कि मनुष्य को भगवान से कैसे प्रेम करना चाहिए? मनुष्य जीवन का क्या उद्देश्य होना चाहिए। इसलिए कहते हैं कि भागवत कथा सुनने से मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति होती है। उसे ईश्वर श्रीचरणों में स्थान मिलता है। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। सभी ने भक्तिभाव से कथा श्रवण किया और राधापति गोपीनाथ प्रभु के विचारों को ध्यान से सुना। भगवान् नाम का जप यज्ञ भी किया गया। जिसमें हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे। हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरे, महामंत्र का उच्चारण किया गया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से एक बार फिर साबित हुआ की भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराएँ आज भी लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। भागवत कथा जैसे आयोजन न केवल आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करते है, बल्कि समाज को एकजुट करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस कार्यक्रम में सीरवी समाज वडेर मैसूरु के बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद थे।

सुरेश बाबू को जेडीएस विधायक दल का नेता नियुक्त किया गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चिकनायकनहल्ली निर्वाचन क्षेत्र के विधायक सुरेश बाबू को जेडीएस विधायक दल का नेता नियुक्त किया गया है। विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर ने घोषणा की कि उन्हें जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी की सिफारिश के आधार पर जेडीएस विधायक दल के नेता के रूप में नियुक्त किया गया है। कुरुबा समुदाय से आने वाले सुरेश बाबू तुमकुरु जिले के चिकनायकनहल्ली निर्वाचन क्षेत्र से चौथी बार विधायक चुने गए हैं। इससे पहले एच.डी. कुमारस्वामी जेडीएस विधायक दल के नेता के तौर पर काम कर रहे थे। भले ही आधिकारिक तौर पर भाजपा विपक्षी पार्टी थी, लेकिन जद (एस) के कुमारस्वामी की चर्चाओं और बयानों को अधिक महत्व मिला। बदले हुए राजनीतिक हालात में भाजपा-जेडीएस गठबंधन की राजनीति चल रही है, कुमारस्वामी लोकसभा चुनाव में मांड्या सीट से सांसद चुने गए और केंद्र सरकार में भारी उद्योग और इस्पात मंत्री के पद पर कार्यरत हैं। सुरेश बाबू को कुमारस्वामी के विधायक पद से इस्तीफे के बाद रिक्त हुए जद(एस) विधायक दल का नेता नियुक्त किया गया है।

कुमारस्वामी हिट एंड रन में हैं एक्सपर्ट

मीडिया या विधानसभा में बहस का सामना करने दें: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी 'हिट एंड रन एक्सपर्ट' हैं। उन्होंने जेडीएस नेता को मीडिया में बहस का सामना करने या राज्य विधानसभा में उनके द्वारा लगाए गए आरोपों पर अपनी पार्टी के विधायकों से बहस करने के लिए कहने की चुनौती दी। सोमवार को विधान सौधा के पास मीडियाकर्मियों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि जेडीएस नेता आरोप लगाकर और उन्हें साबित करने के लिए आगे न बढ़कर सड़कों पर हिट एंड रन की राजनीति के विशेषज्ञ हैं। कुमारस्वामी के इस आरोप पर मीडियाकर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए कि कचरा निपटान निविदाओं में 15,000 करोड़ रुपये की रिश्वत ली गई है, बेंगलूरु विकास मंत्री ने जेडीएस नेता को खुली बहस का सामना करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा, कुमारस्वामी हताश हैं, और जेडीएस नेता पर कचरा निपटान ट्रकों से पैसे बनाने में शामिल होने का आरोप लगाया। शिवकुमार ने कहा उन्हें (कुमारस्वामी को) अपनी पार्टी के विधायकों या अपने भाई एच डी रेवन्ना से कहना चाहिए कि वे विधानसभा में दस्तावेज पेश करके इस मुद्दे को उठाएं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों ने उन्हें (डीकेएस) या उनके परिवार के किसी भी सदस्य को भ्रष्टाचार का राजा नहीं कहा है। अगर 'कुमारस्वामी सार्वजनिक बहस के लिए तैयार हैं' तो वह सभी विवरण का खुलासा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा मैं सभी दस्तावेज पेश करने और यह साबित करने के लिए तैयार हूं कि किसने क्या किया है। विपक्षी भाजपा द्वारा विधानसभा के बाहर कांग्रेस सरकार के कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन की धमकी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा उन्हें विधानसभा में आकर अपनी बात कहने दीजिए। हम उन्हें मुंहतोड़ जवाब देंगे। हम भाजपा के कुकृत्यों और घोटालों के बारे में भी जानते हैं और सभी विवरण देंगे। शिवकुमार ने दावा किया कि सत्ता में रहने के दौरान भाजपा मुडा घोटाले और कई अन्य भ्रष्टाचार सौदों के लिए जिम्मेदार थी। उन्होंने कहा भाजपा शासन के दौरान कई घोटाले और भ्रष्ट कार्य हुए। हम प्रशासन को साफ कर रहे हैं और एक स्वच्छ और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन दे रहे हैं। उन्होंने किसी भी मुद्दे पर बहस का सामना करने की पेशकश की। भाजपा के इस आरोप पर कि राज्य उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश के साथ मुडा घोटाले में सरकार द्वारा आदेशित न्यायिक जांच कुछ नहीं बल्कि दिखावा है, उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रशासन के हित में निर्णय लिया है और विपक्ष के निर्देशों के अनुसार काम नहीं कर सकती।

डेंगू के इलाज के लिए अधिक दरें वसूलने वाले अस्पतालों के खिलाफ होगी कार्रवाई: गुंडूराव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव ने चेतावनी दी है कि अगर निजी अस्पताल डेंगू के मामलों के लिए ऊंची दरें वसूलेंगे तो उन पर बेरहमी से मुकदमा चलाया जाएगा। भाजपा सदस्य धनंजय सरजी की ओर से डीएस अरुण द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने निजी अस्पतालों के लिए दरें तय करते हुए एक सर्कुलर जारी किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इससे अधिक पैसा जनता से लिया गया तो कानूनी कार्रवाई तय है। डेंगू मामले को सरकार ने काफी गंभीरता से लिया है। हमने पहले ही मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और जिला कलेक्टर के साथ कोविड मॉडल पर इसे नियंत्रित करने के लिए बैठक की है। उन्होंने यह भी बताया कि एक टास्क फोर्स का भी गठन किया गया है। यदि दो से अधिक डेंगू के मामले पाए जाते हैं तो उसे हॉटस्पॉट घोषित कर दिया जाएगा। साथ ही इस क्षेत्र में अधिक से अधिक डेंगू जांच कराने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने पहले ही काम को अंजाम तक पहुंचा दिया है। दो या तीन से ज्यादा डेंगू के मामले सामने आने पर क्लीनिक खोलने की सलाह दी गई है। दिनेश गुंडूराव ने कहा कि हम सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज कर रहे हैं। डेंगू के मामले कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में सबसे ज्यादा हैं। उत्तर भारत में ये मामले कम हैं। बरसात का मौसम होने के कारण अधिक दिखाई दे रहे हैं। जनता को सितंबर तक सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। हम स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, शहरी विकास, राजस्व, शिक्षा, ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग के माध्यम से नियंत्रण की कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने अनुरोध किया कि विधायकों और अन्य जन प्रतिनिधियों को सरकार के साथ मिल कर काम करना चाहिए।

बस किराया बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं : मंत्री रामलिंगारेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मंत्री रामलिंगारेड्डी ने स्पष्ट किया है कि बस किराया बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। उत्तर-पूर्व परिवहन निगम के अध्यक्ष राजू कागे ने कहा है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि के बाद, परिवहन कंपनियों को नुकसान हो रहा है। जिसके बाद मंत्री इस बयान से असहमत हुए कि किराया संशोधित किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उन्होंने अध्यक्ष के तौर पर अपनी राय व्यक्त की। लेकिन एक मंत्री के तौर पर मेरे सामने कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे प्रस्ताव आएंगे तो वह उस पर गौर करेंगे। इसके जरिए मंत्री ने बस किराया बढ़ाने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। पेट्रोल-डीजल पर सेल्स टैक्स बढ़ने के बाद ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि ट्रांसपोर्ट कंपनियों को घाटा हो रहा है। इसी मौके पर बोलते हुए मंत्री रामलिंगारेड्डी ने कहा कि मुडा घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की कोई भूमिका नहीं है। भाजपा जिस घोटाले की बात कह रही है वो 2021 में हुआ। तब बीएस येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे। उस समय मुडा अध्यक्ष भी भाजपा नेता थे। सिद्धरामैया ने अपनी जमीन का मुआवजा मांगा है। अगर भाजपा ने नियमों के बाहर जाकर साइटें दी हैं तो ये उनकी अपनी गलती है। उन्होंने कहा कि इसके लिए हमारी सरकार जिम्मेदार नहीं है। कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कदम उठा रही है। किसी भी आरोप की जांच की जा रही है। एसआईटी को वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। मुडा घोटाले की न्यायिक जांच के आदेश दे दिये गये हैं। पिछली भाजपा सरकार के दौरान पीएसआई, इंजीनियरिंग, केईबी पदों की भर्ती में घोटाले हुए थे। बिटकॉइन, 40 फीसदी कमीशन समेत कई घोटाले हुए। भाजपा ने इसे जांच के लिए नहीं सौंपा। हमारी सरकार पारदर्शी है। उन्होंने कहा कि हम किसी भी आरोप की जांच कर रहे हैं। 40 प्रतिशत घोटाले का कोई सबूत नहीं है।

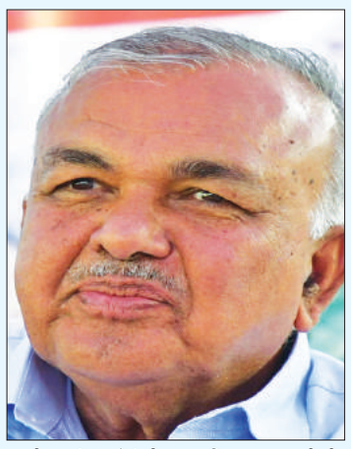

योग गुरु भंवरलाल आर्य हुए सम्मानित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

योग गुरु भंवरलाल आर्य को योग के क्षेत्र में उनकी निस्वार्थ सेवा के लिए श्री सिद्धारूढ़ मठ हुब्बल्ली द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

आर्य को मठ के कैलाश मंडप में श्री सिद्धारूढ़ स्वामीजी की एक भव्य प्रतिमा और विशेष पूजा प्रसाद से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री सिद्धारूढ़ मठ के धर्मदर्शी और विश्व वेदांत परिषद के अध्यक्ष श्यामानंद पुजेरी ने भंवरलाल आर्य की योग सेवा के बारे में बताया। श्री सिद्धारूढ़ मठ, हुब्बल्ली के साथ-साथ राज्य के सैकड़ों मठों में भी विराट योग शिविरों का आयोजन किया है। उन्होंने न केवल कर्नाटक में, बल्कि पूरे भारत और विदेशों में योग का प्रसार किया है। वह प्रतिदिन लाखों साधकों को निःशुल्क ऑनलाइन योग सिखा रहे हैं। इस अवसर पर श्री सिद्धारुढ़ मठ के चेयरमैन बसवराज कल्याण शेट्टर, बालू मगजीकोंडी, वरिष्ठ योग शिक्षक राजशेखर, विजयलक्ष्मी आदि उपस्थित थे।

दायित्व बोध ग्रहण समारोह का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद एचबीएसटी हनुमंतनगर के दायित्व बोध ग्रहण समारोह का आयोजन साध्वी सिद्धप्रभा जी के पावन सानिध्य में पवन मांडोत के विजयनगर स्थित निवास स्थान पर हुआ। साध्वीजी द्वारा नमस्कार महामंत्र के द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत हुई। विजय स्वर-संगम विजयनगर के सदस्यों द्वारा मंगलाचरण किया गया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन अभातेयुप राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत द्वारा किया गया।

बाद में पवन मांडोत ने नव निर्वाचित अध्यक्ष कमलेश झाबक को अध्यक्ष पद की शपथ दिलायी। उसके बाद अध्यक्ष कमलेश झाबक ने अपने पदाधिकारीगण उपाध्यक्ष प्रथम राहुल मेहता, उपाध्यक्ष द्वितीय देवेन्द्र आंचलिया, मंत्री संदीप चौधरी, सहमंत्री प्रथम नवरतन बोल्या, सहमंत्री द्वितीय रक्षित लोढा, कोषाध्यक्ष धवल बोल्या, संगठन मंत्री संदीप बाबेल एवं कार्यकारिणी सदस्यों की घोषणा करते हुए उन्हें शपथ दिलायी। टीपीएफ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हिम्मत मांडोत, विजयनगर सभाध्यक्ष मंगल कोचर, यसवंतपुर सभाध्यक्ष सुरेश बरडिया, परामर्शक राजेन्द्र बैद, तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने नव निर्वाचित अध्यक्ष को आगामी कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं सम्प्रेषित की।

साध्वी सिद्धप्रभा जी ने युवाओं को प्रेरणा देते हुए फरमाया की युवाओं को गुरु इंगित की आराधना करनी चाहिए। बेंगलूरु की युवाशक्ति रास्ते की विहार सेवा में सदैव तत्पर रहती है। हमारे हिरियूर से लेकर बेंगलूरु प्रवेश तक विहार सेवा में युवाओं की अच्छी सहभागिता रही। इस अवसर पर अभातेयुप साथीगण, परामर्शक प्रकाश बोल्या, बालचंद चावत, महावीर बोल्या, संस्थापक अध्यक्ष रतन कटारिया, पूर्व अध्यक्ष गौतम खाब्या, पवन बोथरा, धर्मेश कोठारी, महावीर चावत सहित अच्छी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन राकेश पोखरना के किया। आभार सीपीएस राष्ट्रीय प्रशिक्षक अरविंद मांडोत ने ज्ञापित किया।

मुडा समेत अन्य घोटालों के बारे में सदन में जवाब दें मुख्यमंत्री: विजयेन्द्र

मुडा घोटाले की जांच सीबीआई को सौंपे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने मांग की कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को हजारों करोड़ रुपये के मुडा घोटाले और दलितों का पैसा लूटने वाले महर्षि वाल्मीकि विकास निगम के घोटाले के बारे में सदन में जवाब देना चाहिए। विजयेंद्र और विपक्ष के नेता आर. अशोक के नेतृत्व में सोमवार को पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि प्रतिमा के पास विरोध प्रदर्शन किया।

इस मौके पर मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुडा घोटाले की जांच किसी सेवानिवृत्त जज से कराया जाना ही काफी नहीं है। विजयेंद्र ने मांग की कि अगर मुख्यमंत्री सचमुच ऐसा चाहते हैं तो उन्हें मुडा घोटाले की जांच सीबीआई को सौंप देनी चाहिए। मुख्यमंत्री का परिवार भागीदार है और हजारों करोड़ की संपत्ति से संबंधित मैसूरु मुडा घोटाला हुआ है। हमने मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग के अलावा मुडा घोटाले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर सदन के बाहर प्रदर्शन भी किया। उन्होंने ऐलान किया कि सदन के अंदर भी संघर्ष जारी रहेगा। सिद्धरामैया दलितों के नाम पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को न्याय देने का दावा करके सत्ता में आए थे। लेकिन, दलितों के विकास के लिए आवंटित पैसे की लूट हुई और उसी पैसे से लोकसभा चुनाव हुआ। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि इससे मुख्यमंत्री और कांग्रेस सरकार की पूंजी उजागर हो गयी है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इन घोटालों की जांच सीबीआई को सौंपी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री उस पद पर बैठने की नैतिकता खो चुके हैं। आपके पूर्व मंत्री नागेन्द्र ईडी हिरासत में हैं। विधायक दद्दल, जो निगम के अध्यक्ष भी हैं, गायब हैं।

विजयेंद्र ने पूछा, अगर ऐसा है तो क्या सीएम को जवाब नहीं देना चाहिए। यह कहते हुए कि अधिकारियों ने वाल्मीकि विकास निगम में घोटाला करने की साजिश रची, उन्होंने आपत्ति जताई कि उपमुख्यमंत्री अपने विधायकों को क्लीन चिट देने की हिम्मत कर रहे हैं। कांग्रेसियों ने कानों में फूल डालकर कहा था कि हम भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देंगे। हालाँकि, उन्होंने आलोचना की कि उनकी पूंजी उजागर हो गई है। अगर मुख्यमंत्री वाकई ईमानदार हैं और मुडा घोटाले की निष्पक्ष जांच करनी है तो इसकी जांच सीबीआई को सौंप देनी चाहिए। साथ ही दोनों घोटालों पर सदन में जवाब दिया जाना चाहिए। हम वाल्मीकि निगम घोटाले को लेकर स्थगन नोटिस पेश कर रहे है। इस पर बहस होनी चाहिए।

घोटाले में सीएम का परिवार शामिल

उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री को जवाब देना चाहिए। मुडा में चाहे जिस भी सरकार में घोटाला हुआ हो, सबको एक साथ रखकर जांच के लिए सीबीआई को सौंप दें। इस घोटाले में सीएम का परिवार शामिल है। एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा जांच पर्याप्त नहीं है। उन्होंने मांग की कि इसकी जांच सीबीआई से कराई जाए। हमने दोनों घोटालों को तार्किक निष्कर्ष तक ले जाने का फैसला किया है। हमारा संघर्ष तब तक जारी रहेगा। यह सरकार नैतिक रूप से मर चुकी है। सत्ता में बने रहने की क्षमता खत्म हो गई है। यदि मुख्यमंत्री में गरिमा है तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

सड़क हादसे में दो की मौत, दो घायल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक मजेदार यात्रा उस वक्त दुखद हो गई जब ट्रक की टक्कर में दो नाबालिग लड़कों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। यह घटना उस वक्त की है जब कार में सवार दो लोग घबराकर बाहर निकल गए और सड़क पार करने लगे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। यह घटना रविवार को होसकोटे के पास सुलीबेले में सैटेलाइट टाउन रिंग रोड पर हुई। मृतकों की पहचान केम्पापुरा निवासी 16 वर्षीय सिद्धार्थ और 17 वर्षीय हर्षवर्धन के रूप में हुई है, जो होसकोटे में एक प्रसिद्ध बिरयानी जॉइंट से देर रात का खाना खाने के बाद अपने दो अन्य दोस्तों के साथ घर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, जब कार के चालक ने एक ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश की, तो कार के पीछे चल रहा एक अन्य वाहन उनकी कार से टकरा गया। चालक ने नियंत्रण खो दिया और सड़क के किनारे लगे बैरियर से जा टकराया। घबराहट में, पिछली सीट पर बैठे सिद्धार्थ और हर्षवर्धन उतर गए और सड़क के दूसरे छोर की ओर भागे। जब दोनों मध्य रेखा पार कर रहे थे, तो देवनहल्ली से होसकोटे की ओर जा रहे एक ट्रक ने उन्हें कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सड़क पर लाइट न होने के कारण ट्रक चालक दोनों को देख नहीं पाया। कार की अगली सीटों पर बैठे और सीट बेल्ट पहने हुए दो अन्य लड़के घायल हो गए। घटनास्थल का दौरा करने वाले बेंगलूरु ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक सी.के. बाबा ने कहा कि ट्रक चालक और कार चला रहे नाबालिग लड़के के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। कार के मालिक पर भी आईएमवी अधिनियम और बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। बाबा ने कहा हमने लड़के के पिता पर भी उसे गाड़ी चलाने की अनुमति देने के लिए मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि दोनों नाबालिग खतरे से बाहर हैं और अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। सुलीबेले पुलिस के अनुसार, रविवार को नाबालिगों में से एक का जन्मदिन था, इसलिए, उन्होंने सड़क यात्रा की योजना बनाई और देर रात बिरयानी खाने के लिए होसकोटे चले गए।

व्हाइट-टैपिंग कार्य के शुभारंभ के दौरान शवकुमार का जूता हुआ चोरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

व्हाइट-टैपिंग कार्य के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार का जूता चोरी हो गया। बीबीएमपी पश्चिमी क्षेत्र के चार क्षेत्रों में सड़कों की व्हाइट-टैपिंग का काम शुरू किया गया।

डीसीएम डीके शिवकुमार, विधायक अश्वथ नारायण, बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने ड्राइव से पहले पूजा में भाग लिया।

सदाशिवनगर में भाशम सर्कल के पास आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान एक शातिर चोर ने डीसीएम डीके शिवकुमार का जूता चुरा लिया।

व्हाइट-टैपिंग कार्य से पहले शिवकुमार ने अपने जूते खोले थे। पूजा के बाद जब वह कार के पास गए तो जूते नहीं थे। कुछ देर ढूंढने के बाद वह कार से अलग जूते पहनकर निकल गए।

डीके शिवकुमार को झटका

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई जांच रद्द करने की याचिका की खारिज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को झटका दिया है। कोर्ट ने शिवकुमार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने ऊपर आय से अधिक संपत्ति के कथित मामले में सीबीआई की ओर से दर्ज केस को रद्द करने की मांग की थी। बताया गया है कि शिवकुमार ने मामले के भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत दर्ज किए जाने पर आपत्ति जताई थी और सुप्रीम कोर्ट से जांच को खत्म करने की मांग की थी। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय से उनकी याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बेला त्रिवेदी और जस्टिस एससी शर्मा की बेंच ने कहा कि वह कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप के लिए तैयार नहीं हैं, इसलिए शिवकुमार की याचिका को खारिज किया जाता है। गौरतलब है कि शिवकुमार ने इससे पहले सीबीआई केस रद्द करवाने के लिए कर्नाटक हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। तब उन्हें उच्च न्यायालय से भी राहत नहीं मिली थी। हाईकोर्ट ने मामले में सीबीआई से तीन महीने के अंदर जांच पूरी कर रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा था। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि डीके शिवकुमार ने 2013 से 2018 के बीच कांग्रेस सरकार में मंत्री रहते हुए अपने ज्ञात आय के स्रोतों से इतर बेतहाशा संपत्ति हासिल कर ली। सीबीआई ने मामले में 3 सितंबर 2020 को केस दर्ज किया था। वहीं, डीके शिवकुमार ने इस मामले को 2021 में चुनौती दी थी।

मैं गायब नहीं हुआ

ईडी ने मुझे नोटिस जारी नहीं किया: आदिवासी बोर्ड प्रमुख

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड (केएमवीएसटीडीसी) के अध्यक्ष बसनगौड़ा दद्दल सोमवार को बेंगलूरु में राज्य विधानसभा में उपस्थित हुए। सूत्रों ने आरोप लगाया था कि बोर्ड में अनियमितताओं के सिलसिले में ईडी द्वारा हिरासत में लेने की तैयारी के दौरान दद्दल कथित तौर पर लापता हो गए। मीडिया द्वारा संपर्क किए जाने के बाद कांग्रेस विधायक दद्दल ने स्पष्ट किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुझे पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए कोई नोटिस जारी नहीं किया है। दो दिन पहले, विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष उपस्थित होने के बाद, मैं अपने पैतृक स्थान चला गया। मैं गायब नहीं हुआ था। मीडिया से बात करने के बाद दद्दल विधानसभा सत्र में भाग लेने चले गए। सूत्रों ने पुष्टि की है कि दद्दल ने विधान सौधा में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात की और बंद कमरे में संक्षिप्त चर्चा की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने सोमवार को आरोप लगाया था कि दद्दल फरार है। उन्होंने मुख्यमंत्री और सरकार से मांग की थी कि दद्दल को ढूंढकर उसे सौंप दिया जाए। ईडी ने इस मामले में पूर्व मंत्री नागेंद्र को गिरफ्तार किया है और उनसे पूछताछ कर रही है। सूत्रों के अनुसार, ईडी ने दद्दल द्वारा आदिवासी बोर्ड से कथित रूप से गबन किए गए धन को रियल एस्टेट में निवेश करने के बारे में पर्याप्त सबूत जुटाए हैं। सूत्रों ने बताया कि ईडी दद्दल को गिरफ्तार कर सकती है और संपत्ति के संबंध में उनके बेटे को भी नोटिस जारी करेगी। इससे पहले दद्दल के बारे में कहा जा रहा था कि वे पश्चिम बंगाल या हैदराबाद भाग गए हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फरार दद्दल का पता लगाने के लिए जाल बिछा दिया है। निगम के धन के अवैध हस्तांतरण के मामले में बसनगौड़ा दद्दल शुक्रवार को एसआईटी के सामने पेश हुए।

एसआईटी अधिकारियों ने सोमवार को दोबारा पूछताछ के लिए आने का निर्देश दिया था। फिर वह गायब हो गए। ईडी के अधिकारियों ने उनके विधानसभा क्षेत्र और बेंगलूरु के येलहंका में उनके आवास और कार्यालय की तलाशी ली, लेकिन वह नहीं मिले। ऐसा संदेह है कि वह हैदराबाद गए और वहां से वह पश्चिम बंगाल चए गए। ईडी उन्हें गिरफ्तार करने के लिए इसी रास्ते पर चल रही है। मंगलवार और बुधवार को ईडी के अधिकारियों ने दद्दल के यलहंका और रायचूर स्थित आवास पर छापेमारी की और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किये। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड (केएमवीएसटीडीसी) में करोड़ों रुपये के घोटाले के सिलसिले में शनिवार को एक विशेष अदालत ने पूर्व राज्य मंत्री बी. नागेंद्र को 18 जुलाई तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया था।

दक्षिण कन्नड़, उडुपी में बारिश में वृद्धि

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ और उडुपी के तटीय जिलों में एक सप्ताह से भारी बारिश हो रही है, जिससे इस साल बारिश में कमी टल गई है। फिलहाल, दोनों जिलों में इस अवधि में सामान्य से 1 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। 30 जून को केरल में पहुंचा मानसून 2 जून को कर्नाटक पहुंचा, लेकिन जून में दो से तीन सप्ताह तक कमजोर रहा।

हालांकि, जुलाई की शुरुआत से ही बारिश में तेजी आई है, जिससे दोनों जिलों में लगातार बारिश हो रही है। अभी तक, दक्षिण कन्नड़ में सामान्य 1440 मिमी में से 1309 मिमी बारिश हुई है, जो 9 प्रतिशत की कमी को दर्शाता है।

उडुपी जिले में सामान्य 1705 मिमी के मुकाबले 1737 मिमी बारिश हुई है, जो 2 प्रतिशत अधिक है। उत्तर कन्नड़ में सामान्य 1098 मिमी की तुलना में 1168 मिमी बारिश हुई है, जो 6 प्रतिशत अधिक है। कुल मिलाकर, तटीय जिलों में सामान्य 1302 मिमी की तुलना में 1313 मिमी बारिश हुई है, जो 1 प्रतिशत अधिशेष दर्शाता है। आईएमडी के अनुसार, कई और दिनों तक भारी बारिश जारी रहने की उम्मीद है। आईएमडी ने इस साल सामान्य से अधिक मानसून बारिश की भविष्यवाणी की है।

कांग्रेस सरकार ने दलितों का नाम लेकर जीत हासिल की और उनका पैसा लूटा: आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि राज्य के इतिहास में दलितों का 187 करोड़ रुपये लूटा गया है। दलितों का वोट लेने वाली कांग्रेस ने उनका पैसा लूट लिया। यह सरकार नैतिक रूप से मर चुकी है। उन्होंने मांग की कि अगर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया में जरा भी शालीनता है तो उन्हें तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। हम 187 करोड़ लूटने वाली कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के लिए सदन के अंदर लड़ाई लड़ेंगे। सीएम खुद को बचाने के लिए सेवानिवृत्त जजों से न्यायिक जांच करा रहे हैं। आरोपी होने पर न्यायिक जांच और येदियुरप्पा होंगे तो एसआईटी जांच? विधायक अश्वथ नारायण ने कहा कि सिद्धरामैया सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त है और मुडा घोटाले से बचने के लिए सीएम सिद्धरामैया ने एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश को नियुक्त किया है। मामले को सीबीआई को सौंप दिया जाना चाहिए था। सीएम को इस्तीफा दे देना चाहिए। कांग्रेस में कोई नैतिकता नहीं है, यहां तक कि आलाकमान नेता ने भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने कहा कि हम इस मामले को सदन में उठाएंगे और इस पर चर्चा करेंगे।

विधायकों के आगमन, प्रस्थान का समय और उपस्थिति की अवधि रिकॉर्ड करेंगे कैमरे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक विधानसभा में अब चेहरे की पहचान करने वाली तकनीक वाले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-सक्षम कैमरे लगाए गए हैं, जो सदस्यों के आगमन और प्रस्थान के समय के साथ-साथ सदन में उनकी उपस्थिति की अवधि को भी रिकॉर्ड करेंगे। केजीएफ कांग्रेस विधायक रूपकला शशिधर मानसून सत्र के लिए विधानसभा में आगमन पर कैमरों द्वारा रिकॉर्ड की जाने वाली पहली विधायक थीं, जो शुरू हुई नई प्रणाली के चालू होने के साथ ही शुरू हो गई। बाहर निकलते हुए कैद होने वाले पहले विधायक कांग्रेस के टिपटुर के शदाक्षरी थे। अध्यक्ष यू टी खादर ने कहा कि विधानसभा में कोरम की घंटी बजने और अध्यक्ष द्वारा प्रशंसा में उनके नाम पढ़े जाने से पहले आने वाले विधायकों को पहचानने की

प्रथा है। अध्यक्ष ने कहा अरगा ज्ञानेंद्र, बसंगौड़ा पाटिल यतनाल (भाजपा) जैसे कुछ वरिष्ठ विधायकों और कुछ वरिष्ठ मंत्रियों ने अनुरोध किया था कि कुछ विधायक, थोड़ा देर से आने के बावजूद, शाम छह या आठ बजे तक कार्यवाही में बैठें, लेकिन किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया और यह अन्याय है। उन्होंने कहा इसलिए, पहली बार हमने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कैमरे लगाए हैं, जो इस बात पर ध्यान देंगे कि कोई सदस्य किस समय आता है और जाता है, और वह विधानसभा में कितने समय तक मौजूद रहता है। इस बारे में जानकारी दिन के अंत तक विधानसभा सचिव के सिस्टम में आ जाती है। डेटा उपलब्ध होगा। अधिकारियों के अनुसार, यह पहल विधायकों की उपस्थिति और सत्र के दौरान उनकी भागीदारी को बेहतर बनाने के प्रयास का हिस्सा है। इस बीच, विधानसभा भवन के पश्चिमी प्रवेश द्वार पर लोहे की ग्रिल वाले गेट की जगह एक बड़ा और नक्काशीदार भव्य शीशम का दरवाजा लगाया गया है। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने संविधान की प्रस्तावना वाली पट्टिका के साथ किया। अध्यक्ष ने कहा हमारे विधान सौधा भवन के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रतिनिधिमंडल और पर्यटक विधान सौधा में आते हैं। इसे अंदर और बाहर दोनों तरफ से अच्छा और सम्मानजनक बनाना हमारा कर्तव्य है। यह पहला चरण है, अभी और काम करना है, मैं आपके (सदस्यों) सुझाव चाहता हूँ। सिद्धरामैया, विपक्ष के नेता आर अशोक और अन्य विधायकों ने इस पहल के लिए अध्यक्ष की सराहना की।

साध्वी धर्म प्रभा का हनुमंत नगर जैन स्थानक में हुआ चार्तुमासिक प्रवेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण दिव्य ज्योति महासती धर्म प्रभा जी, मधुर व्याख्यानी साध्वी स्नेह प्रभा जी का सोमवार को जैन लाइफ जलसा अपार्टमेंट गवीपुरम एक्सटेंशन से विशाल भव्य शोभायात्रा के साथ प्रातः 9 बजे मंगल प्रस्थान कर श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंत नगर जैन स्थानक में चातुर्मास हेतु वर्षावास प्रवेश हुआ।

जलसा अपार्टमेंट से परम पूज्य महासती मंडल विशाल जनसमूह के बीच श्री जैन भवन के सामने प्रातः 10 बजे चातुर्मास मंगल प्रवेश किया। साध्वी धर्म प्रभा जी के मंगलाचरण से कार्यक्रम की मंगल शुरूआत हुई। सर्वप्रथम महिला मंडल हनुमंत नगर की सदस्याओं ने स्वागत गीत पेश किया। हनुमंत नगर बहु मंडल ने सुन्दर स्वागत गीतिका की प्रस्तुति दी। हनुमंत नगर संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने स्वागत भाषण दिया। हनुमंत नगर संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने मधुर शब्दों से

परम पूज्य महासती मंडल धर्म - स्नेह के साथ सभा में उपस्थित सभी विशिष्ट अतिथियों एवं धर्म श्रद्धालुओं का भावभीना स्वागत किया। साध्वी धर्म प्रभा जी ने इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की तिथि का विशेष महत्व है। जहां आज बेंगलूरु एवं बाहर के क्षेत्रों में परम पूज्य संत, सती मण्डल ने अपने अपने क्षेत्रों में चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश किया। आखा तीज की तरह आज की यह तिथि भी स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त है। हनुमंत नगर संघ, ट्रस्ट के पदाधिकारीयों ने अतिथियों का स्वागत सम्मान किया। पारस मल कटारिया, प्रभा खाबिया, महावीर चंद सिसोदिया, सुरेन्द्र मेहता, देवीलाल पितलिया, अशोक धोका, सरला दुगड़, शीतल रांका, धनपत धारीवाल आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष कल्याण सिंह भूरड़, हुकमीचंद कांकरिया, समाजसेवी रणजीत मल कानूगा, आदर्श कालेज के अध्यक्ष पदमराज मेहता, समाज सेवी अशोक रांका, तकतराज बाफना, चेन्नई से पदमराज लालवाणी, विल्लीवाक्कम से चंद्रप्रकाश लोढ़ा, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू बाई, रतनी बाई मेहता आदि लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संघ सचिव सुरेश कुमार धोका ने किया।

कर्नाटक सरकार विधानसभा के मानसून सत्र में अग्निपरीक्षा का सामना कर रही है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक सरकार विधानसभा के मानसून सत्र के सोमवार को शुरू होने के साथ ही अग्निपरीक्षा का सामना कर रही है। विपक्षी भाजपा ने सुबह राज्य विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग की। विपक्ष ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में कथित तौर पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से जुड़ी अनियमितताओं की जांच के लिए एकल सदस्यीय आयोग की नियुक्ति को भी खारिज कर दिया। विधानमंडल के दोनों सदनों में सत्र

अराजकता में तब्दील होने की संभावना है, क्योंकि सीएम का कहना है कि उन्हें इसलिए निशाना बनाया जा रहा है, क्योंकि वे पिछड़े वर्ग से आते हैं और दो बार सीएम पद पर पहुंच चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि आरोप और विरोध राजनीतिक प्रकृति के हैं। सूत्रों ने बताया कि सीएम के खेमे ने सदन में भाजपा और जेडी(एस) पार्टी नेताओं के हमलों से निपटने के लिए एक योजना तैयार की है। दूसरी ओर, भाजपा और जेडी(एस) पूरे सत्र के दौरान सीएम के खिलाफ जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सीएम सिद्धरामैया ने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में कभी भी अपने और अपने परिवार के खिलाफ भ्रष्टाचार के इतने गंभीर आरोपों का सामना नहीं किया है। लोकसभा चुनावों में जीत से उत्साहित बीजेपी-जेडी(एस) गठबंधन ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर हमला करने की रणनीति बनाई है। 16वीं विधानसभा का मानसून सत्र 26 जुलाई तक चलेगा।

आग से घर जलकर खाक, पति की मौत

पत्नी गंभीर रूप से घायल

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के अंबालापडी मुख्य मार्ग पर स्थित एक मकान में सोमवार को आग लग गई, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। यह मकान शेट्टी बार एंड रेस्टोरेंट के मालिक का है। बार मालिक रामानंद (52) की आग में मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी अश्विनी गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अग्निशमन सेवा कर्मियों और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बच्चों को बचाया। ऐसा माना जा रहा है कि घर में लगे एसी में विस्फोट होने से आग लग गई।

बजट में रेल को प्राथमिकता पर रखने की योजना

रेलवे को मिल सकते हैं नए आर्थिक कॉरिडोर

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)।
आम बजट में 3 से 4 नए इकनॉमिक कॉरिडोर का ऐलान हो सकता है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के तहत कोल और मिनरल के लिए अलग कॉरिडोर बनाने का ऐलान हो सकता है। वहीं, देश में पहली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन चलाने की घोषणा इस बजट में हो सकती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को लोकसभा में मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करेंगी। इसे लेकर सभी तरह की तैयारियों को आखिरी रूप दिया जा रहा है। आम बजट में भारतीय रेलवे और आम यात्रियों के लिए क्या कुछ खास होगा। यात्रियों को क्या नई सुविधाएं मिलेगी इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

आम बजट में 3 से 4 नए इकनॉमिक कॉरिडोर का ऐलान हो सकता है। डेडिकेटेड फ्रेट

कॉरिडोर के तहत कोल और मिनरल के लिए अलग कॉरिडोर बनाने का ऐलान हो सकता है। वहीं, देश में पहली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन चलाने की घोषणा इस बजट में हो सकती है। इसके अलावा बुलेट ट्रेन के नए रूट्स का ऐलान किया जा सकता है। स्टेशन पुनर्विकास और गति शक्ति मिशन को भी प्राथमिकता मिल सकती है।

वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। रेल दुर्घटनाओं को देखते हुए बजट में ऑटोमेटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम कवच के लिए निर्धारित राशि में बढ़ोतरी की जा सकती है।

रेलवे के जानकारों का कहना है कि बीते दिनों कई छोटी-बड़ी रेल दुर्घटना हुई हैं। इसे देखते हुए सरकार को इस बजट में यात्री सुविधाओं के साथ-साथ सुरक्षा पर फोकस बढ़ाना चाहिए। सरकार ने अंतरिम बजट 2023 में एनर्जी, मिनरल और सीमेंट कॉरिडोर बनाने का ऐलान किया था। अब सरकार को इसे प्राथमिकता के आधार पर शामिल कर इस पर तेजी से काम करना चाहिए। ये तीनों कॉरिडोर के समय से पूरा होने से भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। अगर सरकार कार्गो ट्रांसपोर्टेशन मार्केट में रेलवे की 30 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी चाहती है, तो उसे इकनॉमिक कॉरिडोर पर फोकस बढ़ाना होगा।

जानकारों का कहना है कि रेलवे को फ्रेट बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए न सिर्फ क्षमता विकसित करनी होगी, बल्कि कई बड़े बदलाव भी करने होंगे। रेलवे को कार्गो मार्केट की जरूरतों के मुताबिक खुद को बदलना होगा। अभी रेलवे खुद को रेल सेवाओं का सप्लायर मानता है। भविष्य में इसे कस्टमाइज्ड लॉजिस्टिक सॉल्यूशन ऑफर करने होंगे। इससे फ्रेट में उसे अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी। वहीं, सरकार को रेल-रोड कनेक्टिविटी, ऑटोमेशन, ब्लॉकचेन, क्लाउड कंप्यूटिंग, एआई और रोबोटिक्स सहित बेहतर टेक्नोलॉजी पर पूंजीगत खर्च बढ़ाना चाहिए।

अरविंद केजरीवाल के खिलाफ ईडी की जांच पूरी

घोटाले का सरगना है केजरीवाल

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)।
दिल्ली शराब घोटाला मामले में आम आदमी पार्टी और उसके नेता अपनी संलिप्ता नकार रहे हैं, लेकिन जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दावा किया है कि आम आदमी पार्टी के साथ-साथ अरविंद केजरीवाल के खिलाफ जांच पूरी हो गई है और भ्रष्टाचार के पूरे सबूत कोर्ट में पेश कर दिए गए हैं।

ईडी अब 1100 करोड़ की अपराध आय के बराबर सम्पत्तियां कुर्क करने की तैयारी में है। जांच एजेंसी ने अब तक 244 करोड़ रुपए की सम्पत्ति कुर्क की है।

ईडी के शीर्ष सूत्रों का कहना है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आपा, यानि क्रमशः आरोपी संख्या 37 और 38 के संबंध में ईडी की जांच पूरी हो गई है। अदालत ने ईडी की जांच टीम द्वारा दाखिल सभी आठ आरोप पत्रों का संज्ञान लिया है और अधिकांश आरोपियों को जमानत देने से इन्कार कर दिया है। ईडी अब अपराध की शेष राशि का पता लगाने और उसे जब्त करने की प्रक्रिया में है। ईडी अब इस मामले में तेजी से सुनवाई के लिए प्रयास करेगा, क्योंकि उसके

शराब घोटाले में 1100 करोड़ की सम्पत्ति जब्त होगी

244 करोड़ की सम्पत्ति पहले जब्त कर चुका है ईडी

पास 40 आरोपियों के खिलाफ हजारों पन्नों में दस्तावेजी सबूत हैं और इसके साथ ही सैकड़ों गवाहों के बयान भी हैं।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोर्ट में दाखिल की गई चार्जशीट में शराब घोटाला मामले का सरगना सिर्फ दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को बनाया है। ईडी ने दिल्ली सीएम पर लगे आरोपों की पुष्टि के लिए ओंगोल से तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के सांसद मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी, उनके बेटे राघव मगुंटा और व्यवसायी पी सरथ रेड्डी के बयानों का इस्तेमाल किया। इसके अलावा ईडी ने आरोप पत्र में दावा किया है कि केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और पार्टी के पूर्व मीडिया प्रभारी विजय नायर ने गोवा और पंजाब में चुनावी फंडिंग के लिए 100 करोड़ रुपए की रिश्वत की मांग की थी।

22 जुलाई तक बढ़ी मनीष सिसोदिया की हिरासत

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। सीबीआई और ईडी की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने दिल्ली सरकार के उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 22 जुलाई तक बढ़ा दी है। न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया।

अदालत ने 30 अप्रैल को दिल्ली आबकारी नीति घोटाले के संबंध में सीबीआई और ईडी द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और धन शोधन के मामलों में सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने सीबीआई और ईडी के साथ-साथ सिसोदिया की ओर से पेश हुए वकील की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था।

शेयर मार्केट

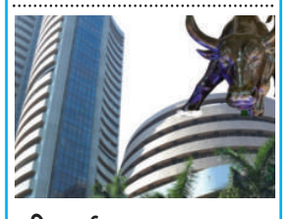

बीएसई : 80,664.86
+145.52 +0.18% ↑
एनएसई :24,586.70
84.55 (0.35%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29⁰
न्यूनतम : 20⁰

आत्म-मंथन से ज्यादा पर-चिंतन पर केंद्रित रहे भाजपा नेता

गुणगान और चमचागीरी के साथ सम्पन्न हुई बैठक

लखनऊ, 15 जुलाई (एजेंसियां)।
लोकसभा चुनाव में अप्रत्याशित हार को लेकर भाजपा में हो रही समीक्षा बैठकों में भी एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने का काम ही हो रहा है। लखनऊ में हुई भाजपा कार्यसमिति की बैठक में आत्ममंथन से ज्यादा, दूसरों पर चिंतन होता अधिक दिखाई पड़ा। भाजपा कार्यसमिति सवालों से कन्नी काटते दिखी। स्वागत, भाषण, उपलब्धियों के गुणगान और चमचागीरी के साथ बैठक का समापन हुआ।

भाजपा कार्यसमिति की बैठक को लेकर उम्मीद थी कि बैठक में लोकसभा चुनाव में प्रदेश में हुई पराजय के कारणों पर खुले दिल और दिमाग से मंथन होगा। उन सवालों पर बात होगी जिनके कारण प्रदेश में भाजपा कम से कम लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पहले नंबर से दूसरे पर जाती दिखी है। उन कारणों पर ईमानदारी से चर्चा होगी जिनके कारण उत्तर प्रदेश में भाजपा को अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। पराजय की समीक्षा बैठक की रिपोर्टों से निकले निष्कर्षों पर चर्चा होगी और भविष्य के लिए कोई ठोस कार्ययोजना उभरेगी जो भाजपा के जनाधार

पराजय की वजह से जुड़े सवालों से कन्नी काट गए नेता

को फिर 2014, 2017, 2019 और 2022 की स्थिति में पहुंचाने की कार्यकर्ताओं की आकांक्षाओं को परवान देती दिखे।

लेकिन, कार्यसमिति की बैठक में शीर्ष नेता सारे मौलिक सवालों से कन्नी काटते दिखे। आंकड़ों के मकड़जाल से हार पर परदा डालने की कोशिश होती रही। उपलब्धियों के बखान से घिसे-पिटे शब्दों में हमेशा की तरह कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाने का आह्वान दिखा। वैसे भी एक दिवसीय कार्यसमिति की बैठक में बहुत विस्तार से चर्चा होने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। वह भी तब मंच पर अतिथियों की लंबी लाइन हो और वक्ता भी कई।

उद्घाटन से लेकर राजनीतिक प्रस्ताव पारित होने और समापन तक के कार्यक्रमों में उसी पुरानी बात को बार-बार दोहराया गया जो लोकसभा चुनाव नतीजे आने के बाद भाजपा नेताओं से लेकर राजनीतिक विश्लेषक कहते रहे हैं। वह यह कि विपक्ष के संविधान बदलने, आरक्षण समाप्त करने और महिलाओं के ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

अमरनाथ यात्रा: 16 दिनों में सवा तीन लाख श्रद्धालुओं का रिकॉर्ड

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 15 जुलाई।

इस बार पहले ही हफ्ते में वार्षिक अमरनाथ यात्रा का प्रतीक हिमलिंग के पिघल जाने के बावजूद श्रद्धालुओं की संख्या दिनोंदिन बढ़ने लगी है। 16 दिनों में सवा तीन लाख से अधिक ने पवित्र गुफा में बनने वाले हिमलिंग के दर्शन कर लिए थे। इस बीच इस यात्रा की प्रतीक छड़ी मुबारक की विशेष पूजा के कार्यक्रम को भी जारी कर दिया गया था।

यात्रा की प्रतीक छड़ी मुबारक की विशेष पूजा कार्यक्रम जारी करते हुए महंत दीपेंद्र गिरी ने बताया कि अमरनाथ यात्रा के लिए भूमि पूजन, नवग्रह पूजन और ध्वजारोहण 21 जुलाई को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में लिद्दर नदी किनारे होगा। इसके साथ ही धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अमरेश्वर धाम की तीर्थयात्रा आरंभ होगी। अलबत्ता, अमरेश्वर धाम के लिए पवित्र छड़ी मुबारक सात अगस्त को अपने विश्रामस्थल दशनामी अखाड़ा से प्रस्थान करेगी।

छड़ी मुबारक को 4 अगस्त को दशनामी अखाड़ा श्रीनगर में छड़ी पूजन करने के बाद, महंत दीपेंद्र गिरि जी पवित्र छड़ी को स्वामी अमरनाथ जी के पवित्र तीर्थस्थल पर ले जाएंगे, जहां वे 19 अगस्त को श्रावण-पूर्णिमा के शुभ अवसर पर पूजन और दर्शन करेंगे।

इसके बाद वे क्रमशः 14 और 15 अगस्त को पहलगाम, 16 अगस्त को चंदनवाड़ी, 17 अगस्त को शेषनाग और 18 अगस्त को पंचतरणी में रात्रि विश्राम करेंगे। सरकार को भेजे गए ऐतिहासिक शंकराचार्य मंदिर और 5 अगस्त को शारिका भवानी मंदिर ले जाया जाएगा, जिसके बाद 7 अगस्त 2024 को श्री अमरेश्वर मंदिर दशनामी अखाड़ा श्रीनगर में छड़ी स्थापना की रस्में निभाई जाएंगी। 9 अगस्त को नाग-पंचमी के शुभ अवसर पर पत्र में महंत दीपेंद्र गिरि जी ने सदियों पुरानी परंपराओं को बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध करने और छड़ी मुबारक की आवाजाही को तय कार्यक्रम के अनुसार सुनिश्चित करने तथा पवित्र छड़ी के साथ आने वाले साधुओं और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए सभी उचित निवारक उपाय करने का आग्रह किया है।

महंत दीपेंद्र गिरि जी ने छड़ी मुबारक में शामिल होने के इच्छुक साधुओं और नागरिक समाज के सदस्यों को पंजीकरण कराने की सलाह दी है और कहा है कि केवल वैध यात्रा परमिट वाले पंजीकृत साधुओं व तीर्थयात्रियों को ही तीर्थयात्रा के दौरान छड़ी मुबारक के साथ जाने की अनुमति दी जाएगी। महादेव गिर दशनामी अखाड़ा ट्रस्ट, श्रीनगर ने स्वामी अमरनाथ जी की वार्षिक तीर्थयात्रा के लिए देशभर से आने वाले साधुओं के लिए अखाड़ा भवन, बुद्धशाह चौक, श्रीनगर में उनके भोजन और आरामदायक ठहरने के लिए पिछले वर्षों की तरह सभी व्यवस्थाएं की हैं।

संसद की सुरक्षा में चूक का प्रकरण

आरोपियों के खिलाफ यूएपीए के तहत चलेगा केस

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)।

संसद सुरक्षा चूक मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सोमवार को कोर्ट में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस मामले में अब आरोपियों को दो अगस्त को कोर्ट में पेश किया जाएगा और सुनवाई होगी। इस मामले में दिल्ली के राज्यपाल वीके सक्सेना ने सभी आरोपियों के खिलाफ यूएपीए के तहत केस चलाने की मंजूरी दी है। अब पुलिस ने पटियाला हाउस कोर्ट में आरोप पत्र दायर कर दिया है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सात जून को इस मामले में गिरफ्तार सभी छह आरोपियों मनोरंजन डी, ललित झा, अमोल शिंदे, महेश कुमावत, सागर शर्मा और नीलम आजाद के खिलाफ करीब 1000 पन्नों का आरोपपत्र दायर किया था। इस मामले में उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने छह आरोपियों पर गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मुकदमा चलाने की अनुमति दी है। इन लोगों पर 13 दिसंबर 2023 को सदन की कार्यवाही के दौरान संसद पर कथित रूप से हमला करने का आरोप है। आरोप है कि मनोरंजन डी, सागर शर्मा, अमोल धनराज शिंदे, नीलम, ललित झा और महेश कुमावत नामक लोगों ने संसद में अवैध रूप से प्रवेश किया। साथ ही चालू सत्र के दौरान लोकसभा में धुएं के कैन फेंके। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने उपराज्यपाल से यूएपीए की धारा 16 और 18 के तहत उनके अभियोजन का अनुरोध किया था। एलजी ने रिकॉर्ड पर पर्याप्त सामग्री पाए जाने पर अभियोजन स्वीकृति प्रदान की।

इस मंजूरी से पहले समीक्षा समिति (डीओपी, तीस हजारी, दिल्ली) ने भी 30 मई को जांच एजेंसी द्वारा एकत्र किए गए संपूर्ण साक्ष्यों की जांच की। जांच में संसद हमले के मामले में आरोपियों की संलिप्तता पाई गई थी। इसे देखते हुए समीक्षा समिति ने पाया कि प्रथम दृष्टया आरोपियों के खिलाफ यूएपीए के तहत मामला बनता है। दिल्ली पुलिस ने लोकसभा में सुरक्षा अधिकारी द्वारा की गई शिकायत पर संसद मार्ग पुलिस स्टेशन में आईपीसी और यूए (पी) अधिनियम की तहत एफआईआर दर्ज की। बाद में मामले की जांच संसद मार्ग पुलिस स्टेशन से पीएस स्पेशल सेल, नई दिल्ली की काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट को स्थानांतरित कर दी गई थी। जांच के दौरान उपरोक्त छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और वर्तमान में वे सभी न्यायिक हिरासत में हैं।

प्रमोशन को लेकर गृह मंत्रालय कर रहा बद-दिमाग खेल

कैडर अफसरों को मिले डीआईजी के 30 पद
आईपीएस के आते ही छोड़ना पड़ेगा ओहदा

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)।

गृह मंत्रालय की जून की रिपोर्ट के मुताबिक केंद्र में आईपीएस प्रतिनियुक्ति के 235 पद खाली पड़े हैं। इनमें से अधिकांश पद आईजी, डीआईजी और एसपी रैंक में हैं। नतीजतन सीबीआई, आईबी, एनआईए और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में आईपीएस अधिकारियों के लिए स्वीकृत अनेक पद रिक्त पड़े हैं।

केंद्र सरकार में बतौर प्रतिनियुक्ति पर आने वाले आईपीएस अफसरों का तय कोटा भर नहीं पा रहा है। खासतौर पर, केंद्रीय जांच एजेंसियों/अर्धसैनिक बलों में आईपीएस अफसरों के अनेक पद रिक्त पड़े हैं। कामकाज प्रभावित न हो, इसके लिए गृह मंत्रालय ने डीओपीटी से आईपीएस प्रतिनियुक्ति के पदों को अस्थायी रूप से कैडर अफसरों की तरफ शिफ्ट करने की इजाजत मांगी थी। डीओपीटी की पर्स, पॉलिसी (आरआर) शाखा ने पिछले सप्ताह गृह मंत्रालय के उक्त प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अब सीआरपीएफ में रिक्त पड़े आईपीएस/डीआईजी के 30 पद, वैकेंसी ईयर 2025 के लिए कैडर अफसरों को प्रदान किए गए हैं। इसके जरिए कैडर के कुछ अफसरों को अस्थायी पदोन्नति मिल सकती है। डीओपीटी ने यह भी कह दिया है कि अगर तय अवधि के दौरान कोई आईपीएस ज्वाइन करता है, तो वह पद तभी से खाली समझा जाएगा। यानी कैडर के डीआईजी को वह पद तुरंत प्रभाव से आईपीएस के लिए छोड़ना पड़ेगा।

गृह मंत्रालय की जून की रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्र में आईपीएस प्रतिनियुक्ति के 235 पद खाली पड़े हैं। इनमें से अधिकांश पद आईजी, डीआईजी और एसपी रैंक में हैं। नतीजा, सीबीआई, आईबी, एनआईए और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में आईपीएस अधिकारियों के लिए स्वीकृत अनेक पद रिक्त पड़े हैं। खासतौर पर आईपीएस एसपी और डीआईजी, इस रैंक में अधिकांश आईपीएस अधिकारी, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से कतराते हैं। इसी के चलते इन पदों को कैडर अफसरों की ओर शिफ्ट कर दिया जाता है। खाली पदों की स्थिति से निपटने के लिए 2020 में यह व्यवस्था प्रारंभ की गई थी। इसके बाद विभिन्न केंद्रीय बलों में इस व्यवस्था को लागू किया गया है। वैकेंसी ईयर 2025 के लिए सीआरपीएफ में आईपीएस डीआईजी के 30 पदों को अब कैडर अफसरों से भरा जाएगा। इसमें यह शर्त रखी गई है कि आईपीएस के आते ही तुरंत वह पद वापस हो जाएगा। डीओपीटी ने गृह मंत्रालय से कहा है कि 2026 में ऐसा न हो। प्रतिनियुक्ति से जुड़े तय नियमों को रिवाइज करें। बतौर प्रतिनियुक्ति, सभी पद भरना सुनिश्चित किया जाए। डीओपीटी का कहना है कि आईपीएस के लिए कोई पद निर्धारित हैं तो वहां पर आईपीएस डीआईजी ही ज्वाइन करे।

लंबे समय से विशेषकर आईपीएस डीआईजी/एसपी, केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर आने का मन नहीं बना पा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक कमेटी ने सुझाव दिया था कि इन अधिकारियों के लिए पैनल प्रक्रिया को समाप्त कर दिया जाए। इसके पूरा होने में काफी समय लगता है। सरकार के इस कदम का मकसद, केंद्र में डीआईजी-रैंक के अधिकारियों की भारी कमी को दूर करना था। कैबिनेट की नियुक्ति समिति के पास यह प्रस्ताव कई बार भेजा गया था। दो साल पहले इसे कमेटी की मंजूरी मिल गई थी। केंद्र सरकार का मानना था कि डीआईजी-रैंक के अधिकारियों के लिए पैनल सिस्टम को खत्म करने से अब प्रतिनियुक्ति पर अधिक आईपीएस केंद्र में आ सकेंगे। मनोनयन प्रक्रिया पूरी होने में करीब एक साल लग जाता था। इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह भी कहा था कि जो भी आईपीएस एसपी या डीआईजी, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नहीं आएंगे, उन्हें बाकी सेवा के दौरान केंद्रीय नियुक्ति से प्रतिबंधित किया जा सकता है। इससे पहले केंद्र ने अखिल भारतीय सेवा नियमों में संशोधन भी किया था। उसमें कहा गया था कि केंद्र सरकार, आईएएस व आईपीएस अधिकारी को राज्य की अनुमति या बिना अनुमति के भी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर बुला सकती है। इतना कुछ होने पर भी केंद्र में आईपीएस प्रतिनियुक्ति के सभी पद नहीं भरे जा सके।

जानकारों का कहना है कि सरकार की चेतावनी के बावजूद केंद्र में आईपीएस प्रतिनियुक्ति का तय कोटा नहीं भर पा रहा है। इसके पीछे दो बड़ी वजह बताई जा रही हैं। पहला, विभिन्न राज्य और केंद्र शासित प्रदेश, आईपीएस अधिकारियों को केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर भेजने को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं हैं।

इनकी तरफ से आईपीएस अधिकारियों को केंद्र में भेजने के लिए पर्याप्त सिफारिशें नहीं की जाती हैं। दूसरा, बहुत से ऐसे अधिकारी भी हैं, जिनका नाम प्रतिनियुक्ति सूची में शामिल होता है, मगर वे ज्वाइन नहीं करते। नतीजा, केंद्र में आईपीएस का कोटा खाली रह जाता है। वर्तमान में आईपीएस प्रतिनियुक्ति के 235 पद खाली पड़े हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने पिछले दिनों सीपीओ/सीएपीएफ में खाली पड़े आईपीएस के पदों को भरने के लिए राज्यों को एक रिमाइंडर भेजा था। उसमें कहा गया था कि राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश, अपने तय कोटे के हिसाब से आईपीएस अफसरों को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भेजें। राज्यों द्वारा केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए आईपीएस अफसरों की सिफारिश न करने की वजह से केंद्र में आईजी, डीआईजी और एसपी रैंक में करीब 235 पद खाली पड़े हैं। जून की रिपोर्ट देखें तो केंद्र में एसपी स्तर पर 129 पद रिक्त हैं। डीआईजी रैंक के लिए 81 पद खाली हैं। आईजी रैंक में 25 पद रिक्त हैं। केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर आईपीएस एसपी के लिए 228 पद स्वीकृत हैं। डीआईजी के 256 और आईजी के 147 पद मंजूर किए गए हैं। एडीजी के 26 पद स्वीकृत हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिसंबर 2023 में भी एक ऐसा ही पत्र राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को भेजा था। उसमें राज्यों से कहा गया था कि वे केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए पर्याप्त संख्या में आईपीएस अधिकारियों को नामित करें। प्रत्येक कैडर में वरिष्ठ ड्यूटी पदों में से 40 फीसदी को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति रिजर्व (सीडीआर) पद के रूप में नामित किया गया है, लेकिन कुछ राज्य सीडीआर उपयोग की तुलना में पर्याप्त नामांकन प्रस्तुत नहीं कर रहे हैं। उस पत्र में अधिकारियों के लिए चेतावनी भी जारी की गई थी।

अगर कोई आईपीएस अधिकारी, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में चयनित होने के बाद ज्वाइनिंग से मना करता है, तो उसे पांच वर्ष के लिए प्रतिनियुक्ति से बाहर किया जा सकता है। इसमें कोई आईपीएस अपने निजी कारण से या राज्य द्वारा रिलीव नहीं किए जाने से ज्वाइन नहीं कर पाता है, तो भी उसे पांच वर्ष के लिए प्रतिनियुक्ति प्रक्रिया में शामिल होने का मौका नहीं मिलेगा।

जिन अधिकारियों ने अपने कैडर में कूलिंग ऑफ पीरियड पूरा नहीं किया है, उन्हें भी ऑफर लिस्ट में शामिल नहीं किया जाएगा। राज्य पुलिस से ज्यादातर आईपीएस बतौर डीआईजी या एसपी, केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर आने के लिए तैयार नहीं होते। इसकी एक बड़ी वजह रही है। वह है कि उन्हें यहां पर पोस्टिंग में च्वाइस नहीं मिलती। जब मन मुताबिक पोस्टिंग नहीं मिलती, तो वे क्यों आएंगे। युवा आईपीएस को जिले में पुलिस कप्तान बनने का क्रेज रहता है। ऐसे में वे प्रतिनियुक्ति से गुरेज करते हैं। आईबी और सीबीआई में भी इसी वजह से आईपीएस एसपी के ज्यादातर पद खाली पड़े रहते हैं। मौजूदा समय में स्टेट पुलिस में डीआईजी का ज्यादा रोल नहीं बचा है। अब तो कई राज्यों में आईएएस के पदों पर भी आईपीएस लगाए जाने लगे हैं। पहले तो सबसे खराब स्थिति सीएपीएफ में रही है। यहां तो डीआईजी के अधिकांश पद रिक्त ही पड़े रहते थे। मजबूरन, आईपीएस डीआईजी के खाली पदों को कैडर अफसरों से भरा जाता था। सीएपीएफ में डीआईजी की सख्त पोस्टिंग होती है, इसलिए वे प्रतिनियुक्ति पर नहीं आते थे। सरकार की सख्ती के चलते अब इन बलों में डीआईजी के पद पर आईपीएस आने लगे हैं।

आतंकवादियों से सुरक्षाबलों का आराम हराम

जम्मू संभाग के आठ जिलों में चल रहा तलाशी अभियान

जम्मू, 15 जुलाई (ब्यूरो)।

जम्मू संभाग में आतंकी खतरा सिर चढ़ कर बोल रहा है। यह खबरें मिलने के उपरांत कि उस पार से दर्जनों आतंकी इस ओर घुसने में कामयाब रहे हैं और वे कहर बरपाने के इरादे लिए हुए हैं, हजारों सैनिक उनकी तलाश में जुटे हुए हैं। एक अनुमान के अनुसार, प्रदेश के जम्मू संभाग के 8 जिलों में दो दर्जन से अधिक स्थानों पर आतंकियों को देखे जाने की खबरों के बाद उनकी तलाश में तलाशी अभियान छेड़े जा चुके थे।

अधिकारियों ने बताया कि कुछ संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने सोमवार को जम्मू, डोडा और रियासी जिलों में भी तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि एक ग्रामीण ने युद्ध की पोशाक में तीन व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना दी थी, जिसके बाद सोमवार तड़के जम्मू के अखनूर सेक्टर में लोअर घरोटा, थाथी और आसपास के

इलाकों में पुलिस और सीआरपीएफ कर्मियों द्वारा संयुक्त अभियान चलाया गया। हालांकि, उन्होंने बताया कि दो घंटे से अधिक समय तक चली तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। डोडा जिले के कोटी वन क्षेत्र में, पुलिस ने सेना की सहायता से आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के बाद सुबह करीब साढ़े नौ बजे घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान जारी है, लेकिन अभी तक आतंकवादियों से कोई संपर्क स्थापित नहीं हो पाया है।

उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों ने सोमवार सुबह रियासी जिले के रुंबल नाला कोठियां, पौनी, डेरा बब्बर, कुंडले और कांजली इलाकों में भी तलाशी अभियान चलाया। जम्मू क्षेत्र में हाल ही में आतंकवादी घटनाओं में वृद्धि देखी गई है, खासकर पुंछ, राजौरी, डोडा और रियासी जैसे सीमावर्ती जिलों में। भारतीय वायु सेना के काफिले, तीर्थयात्रियों की बस पर हमले और कठुआ में हाल ही में सैनिकों की हत्या ने उभरते खतरे को उजागर किया है। आतंकियों को देखे जाने की खबरों और तलाश करने के अभियानों का यहीं अंत नहीं हुआ है। खबर लिखे जाने तक राजौरी, पुंछ, डोडा, किश्तवाड़, जम्मू, रियासी, कठुआ और उधमपुर के आठ जिलों में दो दर्जन से अधिक स्थानों पर सुरक्षाकर्मी आतंकियों की तलाश में जुटे थे। एक अनुसार, के अनुसार, इन तलाशी अभियानों में हजारों सुरक्षाकर्मियों को झौंका गया था।

बरातियों से भरी कार 15 फुट ऊपर उछल कर पलटी, दो की मौत

अलीगढ़, 15 जुलाई (ब्यूरो)।

14 जुलाई की रात करीब आठ बजे यमुना एक्सप्रेस वे पर मथुरा के नौहझील क्षेत्र के माइल स्टोन 66 पर बरातियों से भरी एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में दो बरातियों की मौत हो गई, जबकि छह घायल हो गए। एक घायल की हालत गंभीर बताई गई है। टप्पल के मोहल्ला फजीतपुरा डाकखाने वाली गली निवासी प्रियांशु पुत्र धन सिंह, अपने बड़े भाई दीपक, आदिल पुत्र पप्पन, प्रशांत पुत्र अजीत, शिवम पुत्र रेखपाल, प्रहलाद पुत्र प्रेम सिंह व अन्य दोस्त निवासीगण जेवर (गौतमबुद्धनगर) के साथ अपने दोस्त मनीष की बारात में शामिल होने कार से नगला उदयभान थाना सादाबाद जिला हाथरस जा रहे थे। जनपद मथुरा के थाना नौहझील क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस वे पर उनकी कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें आठ लोग घायल हो गए। सभी को पुलिस ने सरकारी अस्पताल भेजा जहां प्रियांशु व जेवर निवासी एक युवक को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। छह घायलों को जेवर के एक अस्पताल ले जाया गया जहां से गंभीर रूप से घायल शिवम को नोएडा के एक अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

मुंबई विस्फोट : बॉम्बे हाईकोर्ट में 18 वर्ष बाद दोषियों की अपील पर सुनवाई

अदालत का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर जोर

मुंबई, 15 जुलाई (एजेंसियां)।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई में सिलसिलेवार ट्रेन विस्फोट मामले के 18 वर्ष बाद सोमवार को दोषियों की ओर से दायर अपील पर सुनवाई शुरू की। आपको बता दें कि इसके लिए अदालत में एक विशेष पीठ का गठन किया गया था। न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति श्याम चंडाक की यह विशेष पीठ दोषियों को दी गई मौत की सजा के खिलाफ दायर की गई याचिका की भी सुनवाई करेगी। आपको बता दें कि 11 जुलाई, 2006 को पश्चिम रेलवे की सात ट्रेनों में अलग-अलग स्थानों पर सात विस्फोट हुए। इसमें 180 से अधिक लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे।

इस मामले में सितंबर 2015 में ट्रायल कोर्ट ने 12 लोगों को दोषी ठहराया था। इनमें से पांच को मौत की सजा सुनाई थी और सात दोषियों को आजीवन कारावास की सजा दी थी। इसके बाद राज्य

सरकार ने हाईकोर्ट में मौत की सजा की पुष्टि के लिए अपील की थी। ट्रायल कोर्ट की तरफ से मौत की सजा दिए जाने पर हाईकोर्ट की पुष्टि आवश्यक है। अदालत में दोषियों ने दोषसिद्धि और अपनी सजा को चुनौती देने के लिए भी याचिकाएं दायर की हैं।

आपको बता दें कि वर्ष 2015 से लेकर अब तक 11 पीठों के समक्ष याचिकाएं आई हैं लेकिन, इन पर सुनवाई नहीं हुई थी। पिछले ही सप्ताह बॉम्बे उच्च न्यायालय ने इन याचिकाओं पर सुनवाई के लिए एक विशेष पीठ का गठन किया था। सोमवार को अदालत ने कहा कि इस मामले की सुनवाई प्रत्येक दिन सुबह के सत्र में होगी। अदालत ने यह निर्देश भी दिए कि दोषियों शारीरिक रूप से अदालत में पेश नहीं किया जाएगा और उनकी जेलों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई होगी। इससे पहले बचाव और अभियोजन पक्ष की तरफ से कहा गया है कि इस मामले की सुनवाई अगले छह महीनों तक चल सकती है।

अदालत में सरकारी वकील राजा ठाकरे ने अपनी दलीलों से मामले की शुरुआत की। उन्होंने विस्तार से अदालत को बताया कि धमाके के दिना क्या हुआ था। ठाकरे ने अदालत में कहा कि विस्फोट इतने भयानक थे कि ट्रेनों के परखच्चे उड़ गए थे। उन्होंने आगे कहा, 'जिस जगह पर विस्फोट हुआ था, वहां शरीरों के टुकड़े पड़े हुए थे और हर जगह खून बिखरा हुआ था। चारों तरफ लोगों के बैग और सामान बिखरे पड़े थे।' उधर, कुछ दोषियों की तरफ से अदालत में पेश हुईं वकील पायोशी रॉय ने कहा कि आरोपी मासूम हैं और उन्हें मामले में फंसाया गया है।

कार्बन फाइनेंस के जरिए किसानों की आय में वृद्धि होगी

लखनऊ, 15 जुलाई (एजेंसियां)।

योगी सरकार एक तरफ जहां 20 जुलाई को 36.50 करोड़ पौधरोपण कर रिकॉर्ड बनाने की तरफ अग्रसर है, वहीं दूसरी तरफ कार्बन फाइनेंस के जरिए पौधर-ोपण करने वाले कृषकों की आय में भी वृद्धि का भी मार्ग प्रशस्त कर रही है। भारत सरकार ने 2070 तक देश को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन में सक्षम बनाने की घोषणा की है। किसानों द्वारा पौधरोपण करने से कार्बन क्रेडिट के माध्यम से उनकी आय में अतिरिक्त वृद्धि की जाएगी। इसके तहत किसानों को अधिक से अधिक तेज गति से बढ़ने वाले पौधों (पॉपलर, मीलिया डूबिया, सेमल आदि) का रोपण करना होगा। प्रत्येक पांचवें वर्ष में छह अमेरिकी डॉलर के हिसाब से प्रति कार्बन क्रेडिट की खरीद होगी। उल्लेखनीय है कि इससे लगाए गए पेड़ों से किसानों को अतिरिक्त आय भी होगी। इसके लिए योगी सरकार की ओर से किसानों को इंसेंटिव के माध्यम से लाभान्वित किया जाएगा। सीएम ने कार्बन फाइनेंस का प्रचार-प्रसार अधिक से अधिक किसानों तक करने का भी आदेश दिया है।

कार्बन क्रेडिट से पहले चरण में उत्तर प्रदेश के छह मंडलों के किसान लाभान्वित होंगे। विगत दिनों हुई उच्च स्तरीय बैठक में सीएम ने किसानों को तत्काल इसका लाभ मुहैया कराने का आदेश दिया था। पहले चरण में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जनपद गोरखपुर, राजधानी लखनऊ, बरेली, मेरठ, मुरादाबाद व सहारनपुर को चयनित किया गया है। इस प्रक्रिया में टेरी व वीएनवी एडवाइजरी सर्विस का सहयोग प्राप्त किया जा रहा है।

2024-2026 के मध्य कृषकों को 202 करोड़ का इंसेंटिव मिलेगा। प्रथम चरण में चयनित गोरखपुर के 2406 किसानों को 34.66 करोड़, बरेली के 4500 किसानों को 24.84 करोड़, लखनऊ में 2512 किसानों को 21.26 करोड़, मेरठ में 3754 किसानों को 21.67 करोड़, मुरादाबाद में 4697 किसानों को 38.05 करोड़, सहारनपुर मंडल के 7271 किसानों को 61.52 करोड़ रुपये की सहायता मिलेगी यानी कुल 25140 किसानों को 202 करोड़ रुपये का लाभ मिलेगा। पहले चरण में गोरखपुर मंडल के चयनित 100 किसानों को कार्बन क्रेडिट से प्राप्त 50 लाख वितरित किया जाएगा।

प्रत्येक पांचवें वर्ष छह डॉलर प्रति कार्बन क्रेडिट होगा। अनुमानित कार्बन क्रेडिट 42,19,369 होगा। वहीं द्वितीय चरण में सात मंडल देवीपाटन, अयोध्या, झांसी, मिर्जापुर, कानपुर, वाराणसी व अलीगढ़ का चयन किया गया है। तीसरे चरण में पूरे प्रदेश को कार्बन फाइनेंसिंग से आच्छादित करना प्रस्तावित है। उल्लेखनीय है कि कार्बन फाइनेंसिंग अभिनव वित्तीय साधन है, जो कार्बन उत्सर्जन को मौद्रिक मूल्य प्रदान करता है। उत्सर्जन की भरपाई करने के इच्छुक व्यवसायों को कार्बन क्रेडिट के माध्यम से एक प्रकार का व्यापार योग्य परमिट उपलब्ध कराता है। कार्बन क्रेडिट अपने धारक को एक टन कार्बन डाइऑक्साइड या अन्य ग्रीन हाउस गैसों की समान मात्रा उत्सर्जित करने की अनुमति देता है। किसानों के परिप्रेक्ष्य में उनके द्वारा लगाए गए पेड़ों के जरिए कार्बन उत्सर्जन में आई कमी को यह लक्षित करेगा। किसानों को प्रति टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन रोकने के लिए कार्बन क्रेडिट दिया जा रहा है, जो उन्हें इंसेंटिव के तौर पर वित्तीय रूप से लाभ उपलब्ध कराएगा।

प्रेमी जोड़ों के धर्म परिवर्तन की तैयारी में मौलाना तौकीर

बरेली, 15 जुलाई (एजेंसियां)।

बरेली में आईएमसी (इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां सामूहिक धर्म परिवर्तन और निकाह कराने की तैयारी में हैं। 21 जुलाई को वे पांच जोड़ों का धर्म परिवर्तन कराकर सामूहिक निकाह कराएंगे। सोमवार को यह खबर सामने आते ही राजनीतिक गलियारों के साथ ही हिंदू समुदाय के लोगों में हलचल तेज हो गई है। आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर का दावा है कि उनके पास करीब 23 आवेदन आ चुके हैं। वह प्रथम चरण में पांच जोड़ों का निकाह करा रहे हैं। इसको लेकर प्रशासन से भी अनुमति मांगी है।

आईएमसी प्रमुख ने कहा कि हमने पाबंदी लगाई थी कि लालच और किसी के इश्क में आकर कोई लड़का या लड़की इस्लाम कुबूल करना चाहता है तो उनका मुस्लिम बनने की इजाजत नहीं दी जाएगी। लेकिन पिछले दिनों से काफी दबाव बन रहा था, जिसमें सामने आया कि ऐसे बहुत सारे लड़के लड़कियां हैं जो पढ़ाई और काम साथ-साथ कर रहे हैं। इस वजह से उनके संबंध भी बन गए हैं और कई जगह तो लिव-इन में भी रह रहे हैं।

उन्होंने कहा कि लिवइन की कानून इजाजत देता है, लेकिन मजहब इजाजत नहीं देता। हिंदू धर्म में भी इसको पसंद नहीं किया जाता है। कानून में तो समलैंगिकता का भी अधिकार है, लेकिन हिंदुस्तानी सभ्यता और संस्कार इसकी इजाजत नहीं देते हैं। मौलाना ने बताया कि आठ लड़के और 15 लड़कियों के आवेदन आए हैं। इन्होंने अपने रिश्ते पहले से तय किए हुए हैं। 21 जुलाई को सुबह 11 बजे खलील हायर सेकेंड्री स्कूल में पहले चरण में पांच जोड़ों के धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया कर सामूहिक निकाह कराया जाएगा।

आईएमसी की ओर से संगठन प्रभारी नदीम कुरैशी ने सिटी मजिस्ट्रेट को पत्र भेजा गया है। इसको 11 जुलाई को भेजा गया था। आईएमसी को प्रशासन की अनुमति का इंतजार है। मौलाना ने कहा कि प्रशासन को भी इसमें कोई एतराज होना नहीं चाहिए, वह लोग कोई गैर कानूनी काम नहीं कर रहे हैं। सिटी मजिस्ट्रेट राजीव शुक्ला ने बताया कि मौलाना तौकीर रजा की ओर से अनुमति संबंधी प्राप्त प्रार्थना पत्र एनओसी के लिए पुलिस को भेज दिया गया है। जो रिपोर्ट मिलेगी, उसी आधार पर आगे कार्रवाई होगी।

राजा भैया के पिता उदय प्रताप सिंह नजरबंद

मोहर्रम के चलते प्रशासन ने भंडारा रोका

प्रतापगढ़, 15 जुलाई (एजेंसियां)।

मोहर्रम के चलते प्रशासन ने भंडारा रोक दिया और कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के पिता उदय प्रताप सिंह उर्फ बड़े महाराज को उनके किले में नजरबंद कर दिया। प्रशासन ने यह कार्रवाई सोमवार को सुबह पांच बजे की। एसडीएम और सीओ बड़ी संख्या में फोर्स के साथ भदरी कोठी पहुंचे और उदय प्रताप सिंह को नजरबंद कर दिया। इस बार उदय प्रताप को तीन दिनों के लिए नजरबंद किया गया है। गेट पर बड़ी संख्या में फोर्स लगाई गई है। कुंडा के शेखपुर में मोहर्रम पर भंडारे के चलते यह निर्णय लिया गया है।

इस कार्रवाई के बाद उदय प्रताप सिंह ने कहा, इसका समाधान प्रशासन ने निकाल लिया है जो मुसलमानों का विरोध करे उसको अरेस्ट कर लो, जैसे कि हमें सुबह से किए हुए हैं। प्रशासन ने हिंदुओं का बहुत सालों से चलता आ रहा भंडारा शेखपुर में नई प्रथा बताकर बंद कर दिया, किंतु मझिलगांव में सड़क के आरपार मुसलमानों के नए सिरे से गेट लगाने पर रोक नहीं लगा रहे हैं। उसके नीचे से हिंदुओं को भी जाना पड़ता है।

गंगा एक्सप्रेस-वे परियोजना तेजी से ले रही आकार

पश्चिमी यूपी और पूर्वी यूपी के बीच घट जाएगी दूरी

दिसंबर तक बन जाएगा 594 किमी लंबा एक्सप्रेस-वे

लखनऊ, 15 जुलाई (एजेंसियां)।

2019 के कुंभ में अपने मंत्रिमंडल के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लिए गए संकल्प की सिद्धि का समय नजदीक आ रहा है। गंगा एक्सप्रेस-वे के रूप में सीएम योगी का यह ड्रीम प्रोजेक्ट किसी एक प्रदेश में बनने वाला अबतक का दूसरा सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे होगा, जिसके निर्माण का कार्य तेज गति से जारी है। यूपी में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की दिशा में गंगा एक्सप्रेस-वे मील का पत्थर साबित होने जा रहा है, जिसके मुख्य कैरिज वे का काम महाकुंभ 2025 को देखते हुए दिसंबर 2024 तक पूरा हो जाएगा। इसे महाकुंभ 2025 से पहले पूरा करने का संकल्प मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहुत पहले ही ले लिया था। मेरठ के बिजौली से प्रयागराज के जूडापुर दांदू तक 594 किमी लंबे इस एक्सप्रेस-वे से पश्चिमी यूपी और पूर्वी यूपी के बीच की दूरी और सफर की देरी दोनों घट जाएगी।

उत्तर प्रदेश के 12 जिलों से होकर गुजरने वाला यह एक्सप्रेस-वे 36,230 करोड़ रुपए की लागत से निर्माणाधीन है। लगभग 7453.15 हेक्टेयर भूमि पर बन रहा गंगा एक्सप्रेस-वे प्रदेश के 518 गांवों से होकर गुजरेगा।

शुरुआत में इसे 6 लेन का बनाया जा रहा है, जिसे आगे चलकर 8 लेन का किया जाना है। इसके राइट ऑफ वे की चौड़ाई 120 मीटर होगी, जो 120 किलोमीटर प्रति घंटा की डिजाइन स्पीड देगी। गंगा एक्सप्रेस-वे को चार ग्रुपों में बनाया जा रहा है। इनमें मेरठ-बदायूं (129.70 किमी) का कार्य मेसर्स आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर, जबकि बाकी के तीन ग्रुप बदायूं-हरदोई (151.70 किमी), हरदोई-उन्नाव (155.70 किमी) और उन्नाव-प्रयागराज (156.85 किमी) का निर्माण मेसर्स अदाणी इन्फ्रास्ट्रक्चर कर रही है।

गंगा एक्सप्रेस-वे के मुख्य कैरिज वे को पूरा करने का लक्ष्य 31 दिसंबर 2024 रखा गया है, जबकि अन्य कार्यों को पूरा करने के लिए नवंबर 2025 तक का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जून 2024 तक मुख्य कैरिज वे में मिट्टी का काम चारों ग्रुप में औसतन 82 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है, जोकि 3 लाख 85 हजार घन मीटर प्रतिदिन है।

गंगा एक्सप्रेस-वे का निर्माण कितना जटिल है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसपर मेरठ-बदायूं के बीच गंगा नदी पर 960 मीटर और बदायूं-हरदोई के बीच रामगंगा पर 720 मीटर लंबा पुल भी निर्माणाधीन है। यह एक्सप्रेस-वे 14 मेजर ब्रिज, 7 आरओबी और 32 फ्लाईओवर से होकर गुजरेगा। यही नहीं इसपर शाहजहांपुर के जलालाबाद के पास साढ़े तीन किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी भी होगी, जिसपर किसी भी आपात स्थिति में बड़े बोइंग विमान उतर सकते हैं। गंगा एक्सप्रेस-वे पर मेरठ और प्रयागराज में दो मुख्य जबकि अन्य स्थानों पर 15 रैम्प टोल प्लाजा होंगे। इसपर 9 जन सुविधा परिसरों की भी स्थापना होगा।

पीलीभीत के भरा पचपेड़ा का होगा औद्योगिक रूपांतरण

304.83 करोड़ रुपए की लागत से पूरी होगी परियोजना

लखनऊ/पीलीभीत, 15 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए कृत संकल्प योगी सरकार ने प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है।

प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने और स्ट्रैटेजिक लोकेशन को नए तरीके से औद्योगिक क्षेत्र के तौर पर विकसित करने की दिशा में योगी सरकार कई परियोजनाओं पर कार्य कर रही है। अब इसी कड़ी में पीलीभीत के भरा पचपेड़ा को भी औद्योगिक क्षेत्र के तौर वर विकसित करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि तराई का यह क्षेत्र उत्तराखंड से सटा हुआ है, ऐसे में यहां औद्योगिक निवेश तो आया ही है, कुछ औद्योगिक इकाइयां भी संचालित हो रही है। अब उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) द्वारा यहां औद्योगिक क्षेत्र के विकास से बड़े स्तर पर कायाकल्प होगा। सीएम योगी के विजन अनुसार इस क्षेत्र को ट्रांसफॉर्म करने के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई थी। अब इसी कार्ययोजना पर कार्य करते हुए यूपीसीडा 304.83 करोड़ रुपए की लागत से पीलीभीत के भरा पचपेड़ा को औद्योगिक हब के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है।

यूपीसीडा द्वारा भरा पचपेड़ा क्षेत्र को दो फेज में औद्योगिक क्षेत्र के तौर पर विकसित किया जाएगा। पहले फेज में प्रक्रिया के तहत 184.12 करोड़ रुपए तथा दूसरे फेज में 120.71 करोड़ रुपए व्यय करके विकास कार्यों को पूर्ण किया जाएगा। उल्लेखनीय है निर्माण व विकास कार्यों को पूरा करने के लिए यूपीसीडा द्वारा रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) माध्यम से आवेदन मांगे गए हैं। सभी निर्माण कार्यों को इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट व कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) माध्यम से पूरा किया जाएगा तथा एजेंसी निर्धारण के उपरांत 18 महीने के अंदर विकास कार्यों को पूरा करने की समयावधि तय की गई है। सभी निर्माण कार्यों के डिफेक्ट लाइबिलिटी पीरियड (डीएलपी) के रूप में 36 महीनों की समयसीमा निर्धारित की गई है जबकि 3 महीने का मेंटिनेंस पीरियड भी डीएलपी के दौरान ही निर्धारित होगा।

परियोजना के अंतर्गत भरा पचपेड़ा के विकास का जो खाका खींचा गया है, उसमें रोड्स व बिज का नेटवर्क भी शामिल है। परियोजना के अंतर्गत चिह्नित औद्योगिक क्षेत्र को 18 से 45 मीटर के सड़कों के जाल से जोड़ा जाएगा। अर्थ वर्क, रोड पेवमेंट, रोड लेकर, रोड मार्किंग, साइनेज, ट्रक ले बाय, रोड ड्रेनेज वर्क्स, फुटपाथ, मीडियन व जंक्शंस का विकास किया जाएगा। 160 मीटर लंबाई की 6 लेन युक्त बड़े ब्रिज का भी निर्माण होगा। एलिवेटेड सर्विस रिजर्वायर के साथ ही पोर्टेबल सप्लाई वाटर नेटवर्क का भी विकास किया जाएगा। बोरवेल व ओपन वेल भी यहां खोदे जाएंगे। डोमेस्टिक सीवेज कलेक्शन नेटवर्क, सॉलिड वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट, एफिशिएंट पावर सप्लाई तथा इंटरनेट एक्सेस के लिए ऑप्टिकल फाइबर और वाईफाई जैसी सुविधाओं से भी लैस किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यहां प्रत्येक प्लॉट को प्लग एंड प्ले फैसिलिटीज से युक्त किया जाएगा।

आगरा में 109 शिक्षकों ने दिया सामूहिक इस्तीफा

आगरा, 15 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के आगरा में परिषदीय विद्यालयों में ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में सातवें दिन भी विरोध प्रदर्शन रहा है। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) के नेतृत्व में 109 संकुल शिक्षकों ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यूटा के जिलाध्यक्ष केशव दीक्षित ने बताया कि शिक्षक लगातार विभागीय व्हाट्सअप ग्रुप से लेफ्ट हो रहे हैं।

जनपद के करीब दो हजार शिक्षकों ने अपने आपको विभागीय व्हाट्सअप ग्रुप से बाहर कर लिया है। इसी क्रम में प्रतिनियुक्ति के पदों से त्यागपत्र का भी सिलसिला लगातार जारी है। मंगलवार से सभी शिक्षक अपने प्रतिनिधियों का घेराव कर अपनी मांग रखेंगे। डिजिटल उपस्थिति के विरोध में आज सातवें दिन भी शिक्षकों का विरोध प्रदर्शन और बहिष्कार जारी रहा। सोमवार को ब्लॉक एत्मादपुर के 40, फतेहाबाद के 44 व बाह के 25 संकुल शिक्षकों ने अपना इस्तीफा खंड शिक्षा अधिकारी को सौंपा। प्रदर्शन में जिला महामंत्री राजीव वर्मा, अशोक जादौन, केके शर्मा, धर्मेंद्र चाहर, राजबहादुर, आनंद शर्मा, सुनील धनकर, नरायन हरि यादव, निधि वर्मा, नीलम रघुवंशी, निधि श्रीवास्तव, विवेक अग्रवाल, वीना वर्मा आदि प्रदर्शन में शामिल थे।

60 हजार करोड़ के घोटाले का आरोपी पकड़ा गया

शाइन सिटी इंफ्रा का फरार पार्टनर गिरफ्तार

लखनऊ, 15 जुलाई (एजेंसियां)।

किस्तों पर प्लॉट देने की स्कीम बता कर लोगों से करोड़ों की ठगी करने वाला शाइन सिटी इंफ्रा का फरार पार्टनर ज्ञान प्रकाश उपाध्याय अलीगंज पुलिस के हाथों पकड़ा गया। ज्ञान प्रकाश पर 50 हजार का इनाम घोषित था। वह कंपनी के राशिद नसीम के साथ पार्टनर था। राशिद नसीम भी हजारों करोड़ के घोटाले में शामिल है।

डीसीपी (उत्तरी) अभिजीत आर शंकर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ज्ञान प्रकाश उपाध्याय फैजाबाद के पूरा कलंदर का रहने वाला है। 60 हजार करोड़ से अधिक का घोटाला करने वाले राशिद नसीम के साथ उपाध्याय भी जुड़ा हुआ था। ज्ञान प्रकाश के खिलाफ गोमतीनगर थाने में ठगी के दो मामले दर्ज हैं। पूछताछ में उसने बताया कि 2013 में राशिद ने अपने भाई आसिफ के साथ शाइन सिटी इंफ्रा के नाम से फर्म रजिस्टर कराई थी। आरोपियों ने आसान किस्तों पर लोगों को प्लॉट देने की योजना बनाई थी। फर्म से हजारों निवेशक जुड़े थे। इसके बाद जमीन के साथ क्रिप्टो करेंसी और पोंजी स्कीम भी शुरू की गईं। निवेशकों को मुनाफे का प्रलोभन देकर कंपनी ने उनके रुपए हड़प लिए थे।

यूपी में नल से जल की मुहिम को केंद्र ने सराहा

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री ने लिया जायजा

लखनऊ/नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन की प्रगति की स्थिति पर केंद्र सरकार ने योगी सरकार की तारीफ की है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने सोमवार को नई दिल्ली में यूपी में जल जीवन मिशन की प्रगति का जायजा लिया।

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने उत्तर प्रदेश की तारीफ करते हुए कहा कि हर घर में नल से पानी पहुंचाने की मुहिम को यूपी ने शानदार तरीके से अंजाम दिया है।

अब बारी है लोगों को जागरूक करने की। ग्रामीणों को इस बात के लिए जागरूक किया जाना चाहिए कि पानी की एक-एक बूंद बेहद अनमोल है। इसका संरक्षण जरूरी है। उन्होंने यूपी को इसके लिए अलग से अभियान चलाने को कहा है।

योगी सरकार की तरफ से नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि कैसे तमाम चुनौतियों को पीछे छोड़ते हुए यूपी ने विंध्य और बुंदेलखंड के ज्यादातर परिवारों में पानी के कनेक्शन उपलब्ध करवाया गया है। उन्होंने पूर्वांचल, पश्चिम उत्तर प्रदेश और प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में भी योजना की प्रगति का ब्योरा केंद्र सरकार के सामने रखा। केंद्रीय मंत्री ने इस पर यूपी की प्रगति की सराहना की।

उन्होंने कहा कि किसी ने सोचा तक नहीं था कि बुंदेलखंड जैसे क्षेत्र की महिलाओं को पानी ढोने की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हम ऐसा करने में कामयाब रहे हैं।

यूपी सरकार ने अपने प्रेजेंटेशन में बताया कि हर घर नल से जल योजना में सोमवार तक 2,23,86,760 (84.19%) ग्रामीण परिवारों तक टैप कनेक्शन पहुंचा दिया गया है। 13,43,20,560 ग्रामीणों को इस योजना का सीधा लाभ मिला है। साल 2019 से पहले 5,16,221 ग्रामीण परिवारों को ही नल से जल मिल रहा था। बैठक में केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल, यूपी सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, केंद्रीय राज्यमंत्री वी.सोमन्ना, डॉ.राजभूषण चौधरी, केंद्रीय पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय की सचिव विनी महाजन, यूपी सरकार के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

संपादकीय

बारिश से हलकान जिंदगी

जिस्म झुलसाती गर्मी के बाद जिस मानसून के स्वागत में लोग पलक-पांवड़े बिछाए बैठे थे, उसके आने के बाद देश के विभिन्न भागों में बाढ़, भूस्खलन व जलभराव से सामान्य जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। विभिन्न राज्यों में कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। भारत ही नहीं, पड़ोसी देश नेपाल में भूस्खलन के बाद दो बसें उफनती नदी में गिर गई, जिससे साठ लोगों के लापता होने की आशंका है। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को आठ सौ गांव बाढ़ से प्रभावित बताए गए, जिसमें करीब चालीस लाख लोगों पर इसका असर पड़ा है। कई गांवों में घर से काम पर निकलने के लिये लोगों ने नावों का इस्तेमाल किया। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर तीन फीट से अधिक पानी खड़ा था। जिसके कारण हाईवे का एक हिस्सा बंद कर दिया गया है। वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जा रहा है। पीलीभीत के एक डैम का पानी छोड़े जाने से दर्जनों गांव जलमग्न हो गए। गांवों में चार से पांच फीट तक पानी भर जाने के कारण लोग सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने को मजबूर हो गए हैं। लोगों का कहना है कि ऐसी बाढ़ डेढ़ दशक बाद देखी गई है। कई स्थानों पर राप्ती नदी खतरे के निशान को पार कर बह रही है, जिससे कई गांवों पर बाढ़ का संकट मंडरा रहा है। लाखों हेक्टेयर में खड़ी फसल जलमग्न हो गई है। कई जगह कटाव के कारण जल भराव देखा गया है। नेपाल से लगते उत्तर प्रदेश के सात जिलों में भी बाढ़ जैसे हालात हैं। यहां एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमें राहत व बचाव में लगी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हवाई सर्वेक्षण से बाढ़ का जायजा लिया है। देश की वाणिज्य राजधानी मुंबई में भी मूसलाधार बारिश से सामान्य जनजीवन बुरी तरह बाधित रहा। जहां एक ओर सड़कें जलमग्न रही, रेल की पटरियों में पानी भर गया तो हवाई यात्रा भी बाधित हुई। कई एअरलाइन्स को एडवाइजरी जारी करनी पड़ी कि हवाई जहाजों को उड़ान भरने में देरी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर उत्तराखंड में बारिश कहर बनकर बरस रही है। पिछले पांच दिन से लगातार जारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से करीब दो सौ से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। सबसे चिंताजनक हालात चारधाम मार्ग पर हैं। करीब दो दर्जन स्थानों पर हुए भारी भूस्खलन से चारधाम यात्रा मार्ग पिछले तीन दिन से बंद है। जिसके चलते करीब चार हजार श्रद्धालु बीच में ही फंसे हुए हैं। बद्रीनाथ रूट पर भूस्खलन के कारण दोनों तरफ लंबा जाम लगा है। सड़कों के किनारे गाड़ियों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। कई गहरे निचले इलाकों में जलभराव के कारण यातायात ठप हो गया है। हालांकि बद्रीनाथ मार्ग पर प्रशासन सड़कों से मलबा हटाने में जुटा है लेकिन बारिश के कारण राहत कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है। यही वजह है कि अधिकांश श्रद्धालु जोशीमठ के आसपास फंसे हुए हैं। उधर भारतीय मौसम विभाग ने मुंबई के लिये यलो अलर्ट जारी किया है। यानी दिन भर बारिश होने की बात कही जा रही है। तो ठाणे व नवी मुंबई के लिये ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं निचले इलाकों में जलभराव से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो रहा है। दूसरी ओर मौसम विभाग ने देश के सत्रह राज्यों में भारी बारिश का अंदेशा जताया है। इन राज्यों में हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड व जम्मू-कश्मीर भी शामिल हैं। समुद्र तट से लगने वाले कुछ राज्यों में बिजली गिरने व तूफान की चेतावनी मौसम विभाग ने दी है। कुछ इलाकों में मछुआरों को समुद्र तटीय इलाकों में न जाने की सलाह दी गई है। वहीं बारिश के सकारात्मक पक्ष की बात यह कि करीब डेढ़ सौ जलाशयों की निगरानी करने वाले सेंटर वॉटर कमीशन ने घोषणा की है कि जलाशयों का जलस्तर पिछले दस महीनों में पहली बार बढ़ा है। लेकिन एक बात तो साफ है कि शासन-प्रशासन समय रहते न तो अतिवृष्टि के प्रभावों को कम करने के ठोस कदम उठाता है और न ही इस चुनौती से मुकाबले के लिये लोगों को जागरूक करता है।

भारत ही नहीं, पड़ोसी देश नेपाल में भूस्खलन के बाद दो बसें उफनती नदी में गिर गई, जिससे साठ लोगों के लापता होने की आशंका है। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को आठ सौ गांव बाढ़ से प्रभावित बताए गए, जिसमें करीब चालीस लाख लोगों पर इसका असर पड़ा है। कई गांवों में घर से काम पर निकलने के लिये लोगों ने नावों का इस्तेमाल किया। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर तीन फीट से अधिक पानी खड़ा था। जिसके कारण हाईवे का एक हिस्सा बंद कर दिया गया है। वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जा रहा है। पीलीभीत के एक डैम का पानी छोड़े जाने से दर्जनों गांव जलमग्न हो गए। गांवों में चार से पांच फीट तक पानी भर जाने के कारण लोग सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने को मजबूर हो गए हैं। लोगों का कहना है कि ऐसी बाढ़ डेढ़ दशक बाद देखी गई है। कई स्थानों पर राप्ती नदी खतरे के निशान को पार कर बह रही है, जिससे कई गांवों पर बाढ़ का संकट मंडरा रहा है। लाखों हेक्टेयर में खड़ी फसल जलमग्न हो गई है। कई जगह कटाव के कारण जल भराव देखा गया है। नेपाल से लगते उत्तर प्रदेश के सात जिलों में भी बाढ़ जैसे हालात हैं। यहां एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमें राहत व बचाव में लगी हैं।

बैकों में किसी प्रकार की आर्थिक परेशानी आने पर यह बैंक सफलतापूर्वक उस आर्थिक परेशानी का सामना कर सकते हैं

वित्तीय स्थिरता प्रतिवेदन के अनुसार भारत की वित्तीय प्रणाली बहुत मजबूत है

प्रहलाद सबनानी

भारतीय अर्थव्यवस्था और भारत की वित्तीय प्रणाली लगातार मजबूत बनी हुई है और बेहतर तुलन पत्र के आधार पर, भारत के बैंक एवं वित्तीय संस्थान लगातार ऋण विस्तार के माध्यम से देश की आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने में अपनी प्रभावी भूमिका का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष में भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 16 .8 प्रतिशत का रहा हैं।

जून 2024 के अंतिम सप्ताह में, 27 जून 2024 को, भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय स्थिरता प्रतिवेदन जारी किया है। यह प्रतिवेदन वर्ष में दो बार, 6 माह के अंतराल पर, जारी किया जाता है। इस प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था और भारत की वित्तीय प्रणाली लगातार मजबूत बनी हुई है और बेहतर तुलन पत्र के आधार पर, भारत के बैंक एवं वित्तीय संस्थान लगातार ऋण विस्तार के माध्यम से देश की आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने में अपनी प्रभावी भूमिका का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष में भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 16.8 प्रतिशत का रहा है तथा सकल अनर्जक आस्ति अनुपात पिछले कई वर्षों के सबसे निचले स्तर अर्थात 2.8 प्रतिशत पर एवं निवल अनर्जक आस्ति अनुपात केवल 0.6 प्रतिशत पर आ गया है जो अपने आप में एक रिकार्ड है। न केवल अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक मजबूत बने हुए हैं अपितु गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) भी स्वस्थ बनी हुई हैं, जिनका पूंजी पर्याप्तता अनुपात 26.6 प्रतिशत, सकल अनर्जक आस्ति अनुपात 4.0 प्रतिशत और आस्तियों पर प्रतिलाभ 3.3 प्रतिशत रहा है। पूंजी पर्याप्तता अनुपात का मजबूत स्थिति में रहने का आश्य यह है कि इन बैंकों के पास पर्याप्त मात्रा में पूंजी उपलब्ध है और इन बैंकों में किसी प्रकार की आर्थिक परेशानी आने पर यह बैंक सफलतापूर्वक उस आर्थिक परेशानी का सामना कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, अनर्जक आस्ति अनुपात का सबसे कम स्तर पर आने का आश्य यह है कि बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों की अदायगी समय पर हो रही है एवं इन ऋणों पर पर कोई दबाव दिखाई नहीं दे रहा है। उक्त प्रतिवेदन में भारतीय रिजर्व बैंक ने भारतीय अर्थव्यवस्था में पनप रहे कुछ जोखिमों की ओर भी इशारा किया है। हालांकि वैश्विक स्तर पर कई विकसित देशों द्वारा अभी भी सख्त मौद्रिक नीति का अनुपालन किया जा रहा है एवं इन देशों द्वारा ब्याज दरों को अभी भी उच्च स्तर पर बनाए रखा गया है क्योंकि मुद्रा स्फीति की दर इन देशों में स्वीकार्य स्तर तक नीचे नहीं आ पाई है। भारत के लिए जरूर इस प्रकार के जोखिम कमजोर पड़े हैं क्योंकि भारत में मुद्रा स्फीति की दर

को नीचे लाने में सफलता मिली है। परंतु, भारत में एक तो विशेष रूप से कोविड महामारी के बाद से नागरिकों पर ऋण का अतिरिक्त बोझ बड़ा है और दूसरे भारतीय नागरिकों की वित्तीय बचत की दर में कमी आई है। उक्त प्रतिवेदन में विशेष रूप से इन दो जोखिमों की ओर ध्यान दिलाया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022-23 में नागरिकों की बचत दर घटकर सकल घरेलू उत्पाद के 18.4 प्रतिशत तक नीचे आ गई है जो वर्ष 2013 से 2022 के बीच में औसतन 20 प्रतिशत की रही है। इसी प्रकार, एक अन्य मानक के अनुसार, वर्ष 2013 से 2022 के बीच भारतीय नागरिक अपनी कमाई का औसतन 39.8 प्रतिशत भाग बचत करते थे परंतु वित्तीय वर्ष 2022-23 में यह भाग घटकर 28.5 प्रतिशत तक नीचे आ गया है। बचत, दरअसल, दो प्रकार की होती है, एक वित्तीय बचत और दूसरे, सम्पत्ति निर्मित करने हेतु बचत। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, भारतीय नागरिकों की वित्तीय बचत जरूर कम हुई है परंतु सम्पत्ति निर्मित करने हेतु की गई बचत में वृद्धि दृष्टिगोचर है। जैसे, मकान बनाने हेतु एवं कार खरीदने हेतु की गई बचत को सम्पत्ति निर्मित करने हेतु की गई बचत की श्रेणी में रखा जाता है। भारत में हाल ही के वर्षों में सम्पत्ति निर्मित करने हेतु बचत का रुझान बहुत तेज गति से आगे बढ़ा है। आवास एवं कार आदि जैसी सम्पत्तियां खरीदने हेतु भारत में मध्यवर्गीय परिवार अपनी बचत के साथ ही बैकों से ऋण लेकर भी इन सम्पत्तियों का निर्माण कर रहे हैं। इससे अर्थव्यवस्था के चक्र में भी तेजी दिखाई देने लगी है क्योंकि मकान बनाने के लिए स्टील, सिमेंट, आदि पदार्थों की खपत भी बढ़ रही है एवं इन उत्पादों का उत्पादन भी विनिर्माण इकाईयों द्वारा अधिक मात्रा में किया जा रहा है, इससे देश में रोजगार के अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। कुल मिलाकर, इससे देश के अर्थ चक्र में तेजी दिखाई देने लगी है। साथ ही, वित्तीय बचत कम इसलिए भी हो रही है क्योंकि अब देश का पढ़ा लिखा नागरिक वित्तीय रूप से अधिक साक्षर हो गया है एवं अब यह स्थिति समझने लगा है कि बैंकों एवं पोस्ट ऑफिस में बचत करने पर मिल रहे ब्याज की तुलना में शेयर (पूंजी) बाजार में निवेश करने तथा सोने एवं चांदी जैसे पदार्थों में निवेश करने से अधिक आय का अर्जन सम्भव होता दिखाई दे रहा है। साथ ही, भूमि का टुकड़ा खरीदकर उस पर भवन का निर्माण कर तुलनात्मक रूप से अधिक आय का अर्जन किया जा सकता है। अतः बैकों एवं पोस्ट ऑफ़िस के स्थान पर अब देश के नागरिक देश के पूंजी बाजार में अपनी बचत का निवेश करने लगे हैं। दूसरे, मध्यवर्गीय परिवार अब अपने बच्चों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं पर अधिक ध्यान देने लगे हैं। इससे, इनकी कुल आय का अधिक प्रतिशत अब इन मदों पर खर्च होता दिखाई दे रहा है, इससे अंततः इन परिवारों की बचत में भी कमी दृष्टिगोचर हो रही है। इसी कारण के चलते नागरिकों की शुद्ध वित्तीय बचत में 11.3 प्रतिशत की भारी भरकम गिरावट दर्ज हुई है जो वर्ष 2022-23 में 28.5 प्रतिशत की रही है और पिछले 10 वर्षों के दौरान औसतन 39.8 प्रतिशत की रही थी। कोरोना महामारी के दौरान चूंकि पूरे देश में लॉकडाउन लगाया गया था अतः इस दौरान भारत में घरेलू बचत दर बढ़कर 51.7 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। परंतु कोरोना महामारी के बाद जैसे ही लॉकडाउन को हटाया गया, नागरिकों ने अपने खर्चों में वृद्धि करना शुरू कर दिया एवं आस्तियों में निवेश भी करना शुरू किर दिया था, इससे घरेलू बचत की दर में भारी भरकम गिरावट दर्ज हुई है। अब तो देश के नागरिक आस्तियों में निवेश करने के उद्देश्य से बैकों से ऋण प्राप्त करने में भी किसी प्रकार की कठिनाई का अनुभव नहीं कर रहे हैं। इस सम्बंध में भारतीय बैकों ने भी अपने नियमों को शिथिल किया है।

दृष्टि कोण

कातिलाना शौक की आगोश में युवावेग

किसी भी राष्ट्र का बेहतर मुस्तकबिल उस मुल्क की युवाशक्ति से तय होता है। तवानाई से मुराद युवा ताकत मुल्क के किसी भी हिस्से में इंकलाब लाने की सलाहियत रखती है। सशस्त्र सेनाओं से लेकर देश के हर क्षेत्र में युवाओं की जरूरत रहती है। लेकिन यदि मुल्क का सबसे बड़ा सरमाया युवावेग बुनियादी अखलाक तथा अच्छी तालीम व तरबियत से महरूम रहकर नाफरमान होकर जुर्म की दुनिया में मुकाम तलाशने पर आमादा हो जाए तो अभिभावकों के अरमान अश्क बनकर बह जाते हैं। चूंकि इनसान की परवरिश में पारंपरिक संस्कार बहुत मायने रखते हैं। यदि तालीम व तरबियत की बुनियाद मजबूत हो तो इनसान का जमीर खुद उसके किरदार को महफूज रखता है। आधुनिक दौर में कुछ जानलेवा शौक युवावर्ग को अपनी गिरफ्त में ले चुके हैं, मसलन तीव्रता से बजकर दिल की धडक़न को तेज करने वाला म्यूजिक, नशे की तलब व गन कल्चर की ख्वाहिश तथा सडक़ों पर मौत का मंजर पेश करने वाली वाहनों की तेज रफ्तार जैसे कातिलाना शौक युवाओं के अहबाब बन रहे हैं। देश रक्षा के महाज पर दास्तान-ए-सुजात के मजमून लिखने वाली भारतीय सेना युवाओं के लिए सबसे बड़ा प्रेरणास्रोत है। खेल मैदानों पर जोर आजमाईश करके हमारे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय खेल पटल पर तिरंगा लहराकर हिंदोस्तान को गौरवान्वित कर रहे हैं। डॉक्टर, इंजीनियर व वैज्ञानिक आलमी सतह पर भारत का मान-सम्मान बढ़ा रहे हैं। मगर विडंबना है कि ज्यादातर युवा सियासी रहनुमाओं व मायानगरी के अदाकारों को अपना आदर्श मानते हैं। सियासतदानों व सिल्वर स्क्रीन के अदाकारों के साथ फोटो खिंचवाना भी प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता है। यदि युवापीढ़ी में नशाखोरी, गैंगस्टर व गन कल्चर जैसे नदामत का सबब बन चुके शौक पनप रहे हैं, तो सियासत व बॉलीवुड के नुमाया किरदार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश के कई सियासी रहनुमां तथा मायानगरी के कई अदाकार 'आम्र्स एक्ट' व 'गैंगस्टर एक्ट' के तहत सलाखों के पीछे जा चुके हैं। आधुनिक म्यूजिक में अश्लील लफ्फाजी तथा फिल्मों में नशीली बज्म व गन कल्चर की झलक साफ दिखती है। लोकप्रियता की बुलंदी पर पहुंचने के लिए कई फनकार अपने नगमों में मादक पदार्थों व हथियारों का महिमामंडन बखूबी करते हैं। गन कल्चर, नशीली बज्म, हुक्का बार व गैंगस्टर संस्कृति की प्रमोशन करने वाले सिनेमा व संगीत जगत ने युवाओं के जहन में काफी हद तक अपना प्रभाव छोड़ दिया है। शादी समारोह व कई अन्य कार्यक्रमों में फायरिंग करके अपनी हैसियत व रुतबे की नुमाईश की जाती है। देश के कई राज्य हथियारों की कालाबाजारी के लिए मशहूर हो चुके हैं। चुनावों के दौरान कई राज्यों में लाइसेंसी हथियार जमा करने में सुरक्षा एजेंसियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। स्मरण रहे कोई भी इनसान पैदाइशी गैंगस्टर या तस्कर नहीं होता और न ही कोई माफिया या बाहुबली फलक से टपकता है। गैंगस्टर, डॉन, मफिया, बाहुबली, अलगाववादी व चरमपंथी बनने की दास्तान के पीछे कहीं न कहीं जम्हूरी निजाम की हिमायत व सरपरस्ती जरूर हासिल होती है। आम लोगों व सुरक्षा एजेंसियों के लिए गर्दिश पैदा करने वाले इन मसलों को रुखसत करने में वोट बैंक के चलते सियासत भी खामोश रहती है। जबकि सुशासन की कसौटी का मतलब कानून की हुक्मरानी होता है। देश में गैंगस्टर व हथियार संस्कृति के पनपने से कारोबारियों व कई अन्य लोगों से रंगदारी, अवैध वसूली व अपहरण की धमकी देकर फिरौती मांगना भी एक धंधा बन चुका है। जेलों में गैंगवार तथा गैंगस्टरों के भागने की खबरें अक्सर न्यूज चैनलों की सुर्खियां बनती हैं। विदेशी में बैठकर गैंगस्टर नेटवर्क का संचालन हो रहा है। भारत को अस्थिर करने वाले तत्त्वों को बैरूने मुल्कों की खुलेआम हिमायत हासिल है। अपनी तहजीब व खूबसूरती के लिए विश्वविख्यात कश्मीर घाटी को जहन्नुम में तब्दील करने का असबाब गन कल्चर की हिमायत ही बना था। सन् 1990 के दशक में आतंक के तर्जुमान पाकिस्तान तथा मजहब के रहनुमाओं ने युवाओं को जन्नत में बहत्तर हूरों का जहालत भरा ख्वाब दिखाकर बंदूक उठाने के लिए ही प्रेरित किया था। नतीजतन 'कश्यप ऋषि' की तपोस्थली कश्मीर 'कलाश्निकोव राइफलों' के खौफनाक शौर से आज तक थरथर्रा रहा है। मादक पदार्थ व डंग्स के अवैध बाजार पर कब्जा जमा चुकी पाक खूफिया एजेंसी 'आईएसआई' सरहदी राज्यों में गैंगस्टर नेटवर्क को हवा देकर आतंकवाद को जीवित रखना चाहती है। बाहरी मदद से भारतीय हदूद में हथियार व असलाह गिराने के मंसूबों को अंजाम दिया जाता है। हैरत की बात है कि देवभूमि जैसे मुकद्दस नाम की शिनाख्त वाले राज्य हिमाचल प्रदेश के धरातल पर गोलीकांड जैसी कातिलाना वारदातें सरेआम हो रही हैं।

कुछ अलग

निजी क्षेत्र के घोड़े क्यों नहीं

प्रगति की सुर्खियों को सरकार से बटोरते-बटोरते आज हर इंतजाम के लिए कर्ज में अमानत गिरवी है। हम छवि के मुहाने पर तब कर्जदार नजर आते हैं जब वित्त आयोग हमारे ऑडिट में नजरें गड़ाकर सवाल पूछता है, लेकिन विकास के सफर में हम भूल जाते हैं कि यहां निजी क्षेत्र के घोड़े सिर्फ हरितिमा मांग रहे हैं। कर्ज हमारे फलक पर एक लाख करोड़ की सीमा को लांघने के लिए बेताब है, लेकिन प्रगति के मोहल्ले में शोर है कि यूं हाथ पे हाथ धरे कब तक बैठेंगे। हिमाचल की सूरत में एशिया विकास बैंक की परिपाटी में घूम रहीं परियोजनाओं में पर्यटन बलि का बकरा बनने लगा है। सत्ता की खिड़कियां जहां खुल गईं, वहां प्रगति के मुहावरे में एडीबी की कमर कस कर देखा जाता है। इसका यह अर्थ नहीं कि इस फंडिंग से पर्यटन का सरकारी ओहदा कमाऊ हो गया या आइंदा हो जाएगा। पर्यटन बनाएगा, सजाएगा और पर्यटन निगम के हवाले से वही ढाक के तीन पात। आधे से ज्यादा संपत्तियां सिर्फ गंवा रही हैं, पर्यटन निगम के चूल्हे की कमाई, फिर भी हम इजाफे की उम्मीद में आगे बढ़ रहे हैं। बढऩा भी चाहिए, क्योंकि पर्यटन की अवधारणा में राज्य की क्षमता और महत्त्वाकांक्षा है, लेकिन अफसोस कि पूरे राज्य की तस्वीर में कभी मुकम्मल जहां नहीं देखा। अगर दिल किया या नूरपुर में सत्ता की शक्ति परवान चढ़ गई, तो पर्यटन के दो यूनिट बनकर बर्बाद हो जाते हैं। क्षमता दिखाने से पहले कई कैफे बिक जाते हैं या भागसूनाग का जलधारा कैफे मॉल बनकर किसी निजी निवेशक के पांव की धूल बन जाता है। अब फिर से एक मुहिम हाईवे पर पर्यटन परिसरों की जमात में आगे बढऩा चाहती है, जहां सार्वजनिक जमीन पर एडीबी का धन और सत्ता का मन एक साथ काम करेगा। नादौन और औहर में पर्यटन महत्त्वाकांक्षा के सपने पूरे हो रहे हैं तो हाईवे पर्यटन के इच्छाधारी लक्ष्यों की बानगी में पर्यटन निगम का फलता-फूलता संसार देखा जाएगा। जहां चाह हो वहां राह मिलती, लिहाजा हर पांच साल बाद और सत्ता परिवर्तन के साथ यही चाह क्यों बदल जाती है। अगर सरकारी संपत्तियों के निरर्थक अस्तित्व का ऑडिट करें, तो कमोबेश हर विधानसभा क्षेत्र में कई सवाल मिल जाएंगे जहां इस्तेमाल के बिना, आवश्यक मरम्मत के बिना और आधे-अधूरे निर्माण में लुटी पिटी इमारतें मिल जाएंगी। बिलासपुर-शिमला के बीच निजी क्षेत्र के ढाबे-रेस्तरां मिल जाएंगे, लेकिन भराड़ीघाट के समीप पर्यटन निगम के रेस्तरां के ताले मिल जाएंगे। ऐसे में क्या पर्यटन निगम से कभी पूछा गया कि अगले दस से बीस साल में वह करना क्या चाहता है या उसके हक का वास्तविक विस्तार होगा क्या। अगर पर्यटन निगम के लक्ष्यों में नई इमारतों के सांप ही डालने हैं तो वर्षों पहले हमीरपुर में उखली के समीप खुले पर्यटक सूचना केंद्र से पूछ कर देखें कि वह किसी एक पर्यटक से भी संवाद करने से पहले क्यों मर गया। हैरानी है कि भाखड़ा और पौंग बांध के किनारों पर सरकारी व्यय की कई पर्यटन इकाइयां निरर्थक हो गईं, लेकिन अभियान जारी है। यह दीगर है कि कभी-कभी निजी निवेश के लिए बयानबाजी होती रहती है या इन्वेस्टर मीट तक हो जाती है, लेकिन पर्यटन की संभावनाओं में पहाड़ के दरख्त सदा पतझड़ में रहते हैं। ऐसे में अगर हिमाचल के होटल, पर्यटन उद्योग और परिवहन के निजी क्षेत्र को आगे बढ़ाया जाए तो सारा प्रदेश पर्यटन राज्य बन जाएगा। उदाहरण हमारे सामने है। दस सालों के प्रयास ने बीड़-बिलिंग को करीब ढाई-तीन सौ निजी पर्यटन इकाइयों से भर दिया है। हम अगर चाहें तो आठ-दस प्रमुख टेंपल सिटी के विकास में निजी क्षेत्र के सहयोग से पर्यटन के नए नक्शे और आर्थिकी के संकल्प को पूरा कर सकते हैं, वरना एडीबी के फंड से आधी-अधूरी और बर्बाद भवनों की कुर्बानी गिन लेनी चाहिए।

देश दुनिया से

मुस्लिमों को कूपमंडूक बनाए रखना चाहते हैं दल

मुस्लिम महिला को पति से गुजारा भत्ता देने की मांग की याचिका थी। कोर्ट ने कहा सभी महिलाएं सीआरपीसी की धारा 125 की मदद ले सकती हैं। यह कानून सभी धर्म की महिलाओं पर लागू होता है। गुजारे भत्ते के लिए अपने पति के खिलाफ याचिका दायर कर सकती है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टिन गॉर्ज मसीह ने फैसला सुनाया। इस फैसले को गैर भाजपा दल गले नहीं उतार पा रहे हैं। इसी तरह तीन तलाक के फैसले को लेकर कांग्रेस सहित दूसरों दलों ने विरोध किया था। कांग्रेस ने सत्ता में आने पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए तीन तलाक के फैसले को पलट कर वापस तीन तलाक लागू करने का वादा किया था। इससे पहले शाह बानो पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने कानून में संशोधन करके बदल दिया था।

गैर भाजपा राजनीतिक दलों में विशेषकर कांग्रेस ने मुस्लिमों के वोट पाने के लिए उनके अधिकारों को लेकर कभी भी पहल नहीं की। यही वजह रही कि देश का मुस्लिम वर्ग विकास की मुख्य धारा में शामिल होने से पिछड़ गया। इतना ही नहीं, गैर भाजपा दलों ने जब कभी मुसलमानों की भलाई का मौका आया तब नजरें चुरा ली, बल्कि सत्ता में आने पर पुरानी स्थिति बहाल करने तक का वादा किया। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम महिलाओं को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाया है। मुस्लिम महिला को पति से गुजारा भत्ता देने की मांग की याचिका थी। कोर्ट ने कहा सभी महिलाएं सीआरपीसी की धारा 125 की मदद ले सकती हैं। यह कानून सभी धर्म की महिलाओं पर लागू होता है। गुजारे भत्ते के लिए अपने पति के खिलाफ याचिका दायर कर सकती है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टिन गॉर्ज मसीह ने फैसला सुनाया। इस फैसले को गैर भाजपा दल गले नहीं उतार पा रहे हैं। इसी तरह तीन तलाक के फैसले को लेकर कांग्रेस सहित दूसरों दलों ने विरोध किया था। कांग्रेस ने सत्ता में आने पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए तीन तलाक के फैसले को पलट कर वापस तीन तलाक लागू करने का वादा किया था। इससे पहले शाह बानो पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने कानून में संशोधन करके बदल दिया था। कांग्रेस ने यह सब किया वोट बैंक की खातिर, किन्तु वह भी बच नहीं सका। दूसरे दल मुसलमानों की भलाई की आड़ में अपना उल्लू सीधा करने में ज्यादा आगे निकल गए। गैर कांग्रेस दलों में प्रमुख रूप से पश्चिमी बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, उत्तर प्रदेश में समाजवादी और बहुजन समाजवादी पार्टी ने मुस्लिम वोटों की खातिर आतंकवाद के आरोपियों से समझौता तक करने में गुरेज नहीं किया। शाह बानो केस में राजीव गांधी की सरकार ने वोट बैंक की खातिर कोर्ट का फैसला बदल दिया था। शाह बानो ने 1978 में इसके खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने अदालत से गुजारिश की कि उनके पति को उन्हें गुजारा भत्ता देने के लिए निर्देश दिया जाए। साल 1985 में सुप्रीम कोर्ट ने शाह बानो के पक्ष में फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने मोहम्मद अब्दुल को अपनी तलाकशुदा बीवी को 20000 रुपए गुजारा भत्ता देने को कहा था। समद ने अपनी बीवी को तीन तलाक दिया था। इसके जवाब में तत्कालीन राजीव गांधी की सरकार ने मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम 1986 लागू कर दिया। इस अधिनियम ने तलाक के बाद केवल 90 दिनों तक मुस्लिम तलाकशुदा महिलाओं को अपने पूर्व पति से गुजारा भत्ता पाने के अधिकार को प्रतिबंधित कर दिया। इसी तरह मुस्लिमों की आधी आबादी के पक्ष में जब तीन तलाक को सुप्रीम कोर्ट द्वारा निरस्त किया गया तब भी गैर भाजपा दलों ने काफी हायतौबा मचाई थी। सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की संविधान पीठ ने 22 अगस्त 2017 को अपने फैसले में ट्रिपल तलाक को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। कोर्ट ने 1400 साल पुरानी प्रथा को असंवैधानिक करार दिया था और सरकार से कानून बनाने के लिए कहा था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद केंद्र सरकार ने कानून बनाते हुए एकसाथ तीन बार तलाक बोलकर या लिखकर निकाह खत्म करने को अपराध की श्रेणी में शामिल कर लिया। इस अपराध के लिए अधिकतम तीन साल कैद की सजा का प्रावधान भी है। तीन तलाक के मुद्दे पर गैर भाजपा दलों का असली चेहरा तब सामने आया जब संसद में इसके मामले में कानून पास करने से पहले वोटिंग हुई। गैर भाजपा दल ट्रिपल तलाक के खिलाफ थे, लेकिन राज्यसभा से वोटिंग के पहले भाग गए। इनमें बसपा के 4, सपा के सात, एनसीपी के 2, पीडीपी के 2, कांग्रेस के 5, टीएमसी, वामपंथी पार्टियों, आरजेडी, डीएमके और वाईएसआर कांग्रेस के एक-एक सांसद अनुपस्थित रहे। बिल को पास कराने के लिए एनडीए को 121 सदस्यों का समर्थन चाहिए था, लेकिन सांसदों की बड़ी संख्या में अनुपस्थिति की वजह से सदन में बीजेपी की स्थिति मजबूत हो गई और वह बिल पास कराने में सफल रही। विपक्ष के भागने की वजह यह रही कि भाजपा इसे मुद्द बना कर मुस्लिम महिलाओं से उनके खिलाफ धरना-प्रदर्शन नहीं करवा दे। बिल पर बहस के दौरान वाईएसआर कांग्रेस के विजय साई ने कहा कि बिल का मैं 6 कारणों से विरोध करता हूं। लेकिन वोटिंग के दौरान विजय साई सदन में अनुपस्थित थे। बसपा सांसद सतीश चंद्र मिश्रा का कहना था कि हमारी पार्टी इस बिल के खिलाफ है और इसे सेलेक्ट कमेटी के पास भेजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इसे नकार दिया है और आप फिर से इसे अस्तित्व में लाना चाहते हैं। इस बिल से महिलाएं सबसे ज्यादा प्रताड़ित होने वाली हैं, क्योंकि पुरुष के जेल जाने के बाद महिलाएं भी कहीं की नहीं रह जाएंगी। सरकार न बच्चों की देखरेख करेगी और न महिलाओं को गुजारा भत्ता देगी, ऐसे में उनका जीवन कैसे चलेगा।

आप का नजरिया

संविधान या शरिया

अब वक्त आ गया है कि देश में समान नागरिक संहिता लागू की जाए। सर्वोच्च अदालत ने एक बार फिर इसका आग्रह किया है। संविधान में इसका प्रावधान है। संसद और भारत सरकार यह भी स्पष्ट करें कि देश संविधान से चलेगा अथवा शरिया कानून भी संवैधानिक माना जाता रहेगा? मुसलमानों के पर्सनल लॉ पर प्रहार करने की हमारी नीयत और मानसिकता नहीं है। पर्सनल लॉ तो सिख, ईसाई, पारसी, जैन, बौद्ध आदि समुदायों के भी हैं। आदिवासी कबीलों से तुलना नहीं की जा सकती, क्योंकि मुस्लिम देश की दूसरी बहुसंख्यक आबादी हैं। स्पष्ट किया जाए कि जो मुद्दे सामुदायिक और राष्ट्रीय किस्म के हैं, धर्म, मजहब, जाति से ऊपर हैं, कमोबेश उनके संदर्भ में अब 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' (बीएनएसएस) की धाराएं लागू होनी चाहिए। वे हिंदू-मुस्लिम समेत सभी समुदायों पर, समान रूप से, प्रभावी होनी चाहिए। यही समान नागरिक संहिता का निष्कर्ष है। शरिया और कुरान की आड़ में छिपने वाला मुसलमान सबसे पहले 'भारतीय' है और यही उसकी पहचान है। यदि देश भर में समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी, तो संभव है कि मुस्लिम इतना भडक़ जाएं कि हिंसा का माहौल बन जाए! घरेलू हिंसा से उपजे हालात सांप्रदायिक दंगों में तबदील हो जाएं! तेलंगाना में सरेआम संवैधानिक प्रावधानों और बाल विवाह कानून समेत कई कानूनों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। किशोर बच्चियों का दैहिक शोषण किया जा रहा है। संसद 2019 में तीन तलाक के खिलाफ विधेयक पारित कर कानून बना चुकी है। फिर भी मुस्लिम मर्द 15-16वीं सदी के समाज में जीना चाहता है! भारत एक संवैधानिक गणतंत्र है अथवा केला गणतंत्र... ! क्या ऐसा संवैधानिक उल्लंघन जारी रहेगा? मुद्दा सर्वोच्च अदालत के हालिया फैसले से फिर उभरा है। दो न्यायाधीशों की पीठ का आदेश है कि मुस्लिम मर्द (पति) तलाकशुदा पत्नी को न्यायिक गुजारा-भत्ता देगा। अदालत के इस फैसले के तुरंत बाद मुस्लिम धर्मगुरु, मौलाना, नेता, विशेषज्ञ आदि चीखने लगे, बौखला उठे और तिलमिलाने लगे कि यह फैसला शरिया के खिलाफ है। शरिया और कुरान में मुस्लिम तलाकशुदा औरत को गुजारा-भत्ता का कोई जिक्र नहीं है। मामले को 1986 के 'शाहबानो प्रकरण' की ओर मोड़ा जाने लगा है। उस समय संसद ने सर्वोच्च अदालत का फैसला पलट दिया था और तत्कालीन सरकार ने मुस्लिम मौलानाओं के दबाव में, वोट की खातिर, घुटने टेकते हुए ऐसा कानून बनाया, जो आत्मा से मुस्लिम औरत के खिलाफ था। शाहबानो भी 40 साल के वैवाहिक जीवन और 5 बच्चों को जन्म देने के बाद सडक़ पर आई थी, लिहाजा उसे अदालत की शरण में जाना पड़ा। क्या मुसलमानों में विवाह की परिणति यही होती है कि जब मन आया, तब औरत को छोड़ दिया और गुजारा-भत्ता भी नहीं दिया। कहा जाता है कि अब 'इद्दत' के तीन महीनों के दौरान ही तलाकशुदा औरत को गुजारा-भत्ता दिया जाता है और बच्चों की परवरिश के लिए मात्र दो साल की उम्र तक आर्थिक मदद दी जाती है। उसके बाद की जिंदगी की जिम्मेदारी मुस्लिम औरत पर ही है।

ट्रंप पर कातिलाना हमले से अमेरिका में बढ़ी राजनीतिक सरगर्मी

चमत्कार है मेरा बच जाना : डोनाल्ड ट्रंप

भगवान ने देश के लिए कुछ करने का मुझे मौका दिया

वाशिंगटन, 15 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले की घटना की वैश्विक तौर पर घोर निंदा हो रही है। इससे पूरी दुनिया हैरान है। हमले के वक्त ट्रंप एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। हमले में ट्रंप बाल-बाल बच गए। अब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ने इस हमले के बाद पहला इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने कहा कि मुझे यहां नहीं रहना। मुझे तो मर जाना चाहिए था, लेकिन मुझे लगता है कि मुझे भगवान ने बचाया। भगवान ने देश के लिए कुछ करने का मुझे मौका दिया है।ट्रंप आज (सोमवार) से शुरू होने वाले रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन के लिए मिल्वौकी जाते समय न्यूयॉर्क पोस्ट को इंटरव्यू दे रहे थे। इसमें उन्होंने कहा जब मुझ पर हमला हुआ तब सबसे आश्चर्यजनक यह हुआ कि मैंने न केवल अपना सिर घुमाया, बल्कि बिल्कुल सही समय पर और सही अनुपात में घुमाया वरना जो गोली मेरे कान को छूकर गई, वह आसानी से मेरी जान भी ले सकती थी। इस दौरान ट्रंप ने अपने दाहिने कान को एक सफेद पट्टी से ढक रखा था। इस दौरान पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अस्पताल के डॉक्टर ने भी उनसे कहा कि उन्होंने ऐसा कभी नहीं देखा। हमले में उनका बचना एक चमत्कार की तरह है। उन्होंने कहा कि लोग कह रहे हैं कि भगवान की कृपा से मैं अभी भी यहां हूं, वरना तो मुझे यहां नहीं होना था।इस दौरान रिपब्लिकन नेता ने हमले के दौरान की उन तस्वीरों पर भी बात की जिसमें वे अपनी मुट्ठी उठाते हुए अपना जोश दिखाते हुए और लोगों से लड़ने की अपील करते दिख रहे हैं। उनमें उनके चेहरे पर खून लगा भी दिखाई देता है। तस्वीर पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि यह अब तक देखी गई सबसे प्रतिष्ठित तस्वीर है। वो एक सच्ची तस्वीर है, मैं नहीं मरा। आमतौर पर आपको एक सच्ची तस्वीर पाने के लिए मरना पड़ता है। ट्रंप ने बताया कि वह गोलीबारी के बाद बोलना जारी रखना चाहते थे लेकिन सीक्रेट सर्विस ने उन्हें अस्पताल जाने पर जोर दिया। इस दौरान ट्रंप ने राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा हमले के बाद उन्हें फोन करने की सराहना भी की। उन्होंने कहा यह अच्छा था।अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर शनिवार को जानलेवा हमला हुआ। उन पर कुछ ऊंचाई से एक हमलावर ने गोलीबारी की। हालांकि, ट्रंप को कान पर चोट आई और वो बाल-बाल बच गए। फिलहाल पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप खतरे से बाहर हैं। इस बीच मामले की जांच कर रहे अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने हमलावर की पहचान 20 वर्षीय युवक थॉमस मैथ्यू के रूप में की है। उसे गोलीबारी के तुरंत बाद ही एक स्नाइपर ने मार गिराया। दरअसल, हमलावर थॉमस मैथ्यू ने गोलीबारी के लिए सभास्थल से कुछ ही दूर एक उत्पादन प्लांट को चुना था। उसने खुद को बटलर ग्राउंड में ट्रंप के संबोधन वाले स्टेज से 130 कदम दूर पोजिशन किया था। मैथ्यू के गोलीबारी करने के तुरंत बाद ही सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर ने उसे गोली मार दी। बाद में जांच के दौरान हमले वाली जगह से एआर 15-स्टाइल राइफल भी बरामद की गई।

सुरक्षा अधिकारियों ने शनिवार को घटनास्थल से जो हथियार एआर 15-स्टाइल बरामद किया है वो एक अर्ध-स्वचालित राइफल है। एआर-स्टाइल अमेरिका के सबसे चर्चित और कुख्यात हथियारों में से एक है। राष्ट्रीय राइफल एसोसिएशन द्वारा एआर-15 राइफल को अमेरिका की राइफल कहा गया है। यह पूरी तरह से स्वचालित सैन्य लड़ाकू एम-16 राइफल से मिलती-जुलती है। इसे विकसित करने वाली कंपनी का नाम आर्मलाइट है। कहा जाता है कि एआर 15 स्टाइल की राइफलें अमेरिकी बाजारों में अक्सर आसानी से खरीदी जा सकती हैं। इसके साथ ही राइफल के साथ इस्तेमाल होने वाले दूसरे उपकरण भी सहज होते हैं जिसके कारण अप्रशिक्षित निशानेबाज भी घातक हमलावर हो सकते हैं।

जिस राइफल से हमला हुआ वह नौ राज्यों में बैन

वाशिंगटन, 15 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले की घटना ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। ट्रंप पर जब हमला हुआ तब वो एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। हमले में ट्रंप बाल-बाल बच गए। इस घटना को जिसने अंजाम दिया उसकी पहचान 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में हुई है। हमलावर को गोलीबारी के तुरंत बाद ही सुरक्षाबलों ने मार गिराया।

सुरक्षाबलों ने वारदात में इस्तेमाल हथियार एआर 15-स्टाइल को भी बरामद कर लिया है। यह एक राइफल है जिसकी गिनती अमेरिका के सबसे कुख्यात हथियारों में होती है। आइये जानते हैं कि ट्रंप के साथ क्या हुआ? रिपब्लिकन नेता पर हमले में इस्तेमाल हथियार कौन सा है? एआर-स्टाइल राइफल पहले कब-कब इस्तेमाल की गई? अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर शनिवार को जानलेवा हमला हुआ। उन पर कुछ ऊंचाई से एक हमलावर ने गोलीबारी की। हालांकि, ट्रंप को कान पर चोट आई और वो बाल-बाल बच गए। फिलहाल पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप खतरे से बाहर हैं। इस बीच मामले की जांच कर रहे अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने हमलावर की पहचान 20 वर्षीय युवक थॉमस मैथ्यू के रूप में की है। उसे गोलीबारी के तुरंत बाद ही एक स्नाइपर ने मार गिराया।दरअसल, हमलावर थॉमस मैथ्यू ने गोलीबारी के लिए सभास्थल से कुछ ही दूर एक उत्पादन प्लांट को चुना था। उसने खुद को बटलर ग्राउंड में ट्रंप के संबोधन वाले स्टेज से 130 कदम दूर पोजिशन किया था। मैथ्यू के गोलीबारी करने के तुरंत बाद ही सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर ने उसे गोली मार दी। बाद में जांच के दौरान हमले वाली जगह से एआर 15-स्टाइल राइफल भी बरामद की गई। सुरक्षा अधिकारियों ने शनिवार को घटनास्थल से जो हथियार एआर 15-स्टाइल बरामद किया है वो एक अर्ध-स्वचालित राइफल है। एआर-स्टाइल अमेरिका के सबसे चर्चित और कुख्यात हथियारों में से एक है। राष्ट्रीय राइफल एसोसिएशन द्वारा एआर-15 राइफल को अमेरिका की राइफल कहा गया है। यह पूरी तरह से स्वचालित सैन्य लड़ाकू एम-16 राइफल से मिलती-जुलती है। इसे विकसित करने वाली कंपनी का नाम आर्मलाइट है।कहा जाता है कि एआर 15 स्टाइल की राइफलें अमेरिकी बाजारों में अक्सर आसानी से खरीदी जा सकती हैं। इसके साथ ही राइफल के साथ इस्तेमाल होने वाले दूसरे उपकरण भी सहज होते हैं जिसके कारण अप्रशिक्षित निशानेबाज भी घातक हमलावर हो सकते हैं। एआर 15 स्टाइल की राइफलें हल्की, सटीक और कम रेंज वाली होती हैं। इस राइफल को भारी और हल्की गोलियां, जैसे .22-कैलिबर और .308-कैलिबर दागने के लिए बनाया जा सकता है। हालांकि, यह आमतौर पर 5.56 मिलीमीटर की गोली दागती है और इसकी रेंज 500 से 800 गज के बीच होती है।

2004 में आम लोगों के उपयोग के लिए कुछ अर्ध-स्वचालित हथियारों के निर्माण पर प्रतिबंध खत्म किया गया था। इस पाबंदी के खत्म होने के बाद एआर-15 अमेरिका के बंदूक बाजार में आई। कहा जाता है कि वीडियो गेम के आने से यह राइफल अमेरिका में चर्चित हो गई। इसे सेना की एम-16 राइफल का पहला नागरिक संस्करण कहा जाता है। एम16 राइफल 1960 के दशक में पहली बार बाजार में आई थी। इसमें एक पेटेंट गैस ऑपरेटिंग सिस्टम था जिससे तेजी से फायर करने और फिर से लोड करने में मदद मिलती थी। यह हथियार आसानी से 20 राउंड की मैगजीन को संभाल सकता था, इसे अलग करना आसान था। अमेरिका में एआर-15 स्टाइल की राइफलों और अन्य अर्ध स्वचालित हथियारों की बिक्री और रखने पर नौ राज्यों में प्रतिबंध है। ये राज्य हैं वाशिंगटन, कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क, कनेक्टिकट, न्यू जर्सी, मैसाचुसेट्स, मैरीलैंड, इलिनोइस और डेलावेयर।

एआर-15 का उपयोग अमेरिका में हाल ही में हुई कई सामूहिक गोलीबारी में किया गया है। इनमें अक्टूबर 2017 में लास वेगास हमला शामिल है, जिसमें 60 लोग मारे गए थे और नवंबर 2022 में कोलोराडो स्प्रिंग्स हमला जिसमें पांच लोग मारे गए थे। पेंसिलवेनिया राज्य के बटलर में एक रैली में ट्रंप पर जानलेवा हमले के बाद अमेरिकी में इस हथियार के इस्तेमाल पर सवाल उठना लाजमी है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, शूटर के शव के पास से बरामद की गई राइफल उसके पिता ने कानूनी तौर पर खरीदी थी। बंदूक निर्माता समूह लंबे समय से यह तर्क देते रहे हैं कि इस राइफल का आम लोगों के हाथों में कोई स्थान नहीं है। बंदूक विनियमन के लिए काम करने वाले लिंडसे निकोल्स कहते हैं कि यह युद्ध का एक हथियार है जो वास्तव में केवल युद्ध क्षेत्र में सैनिकों के लिए उपयुक्त है। गिफर्ड लॉ सेंटर के नीति निदेशक निकोल्स कहते हैं कि कई लोगों को जल्दी से मारने की इसकी क्षमता ही वह कारण है जिसके कारण हम इसे प्रतिबंधित करना चाहते हैं। लेकिन कई लोगों ने इस हथियार को हथियार रखने के अधिकार के रूप में अपना लिया है।

जानकारों का कहना है कि जिस पेंसिल्वेनिया राज्य में ट्रंप पर हमला हुआ है वहां बिक्री केंद्र पर बंदूक खरीदने वालों की पृष्ठभूमि की जांच आवश्यक है। यहां 2,500 से अधिक संघीय लाइसेंसधारी हथियार विक्रेता हैं। राज्य आम तौर पर बिना परमिट के खुलेआम हथियार ले जाने की अनुमति देता है।

न्यूज ब्रीफ.....

फिर मालदीव आ रहा चीनी जासूसी जहाज, हिंद महासागर में आया नजर, भारत के लिए टेंशन

माले। चीनी जासूसी जहाज जियांग यांग होंग 03 एक बार फिर मालदीव जा रहा है। माले स्थित अधाधु की रिपोर्ट के अनुसार, यह पोत शुक्रवार को हिंद महासागर में प्रवेश कर गया था और सोमवार को मालदीव की सीमा तक पहुंचने की उम्मीद है। चीन के इस जासूसी जहाज ने 2024 में मालदीव में दो बंदरगाहों पर यात्रा की है। इस साल की शुरूआत में, चीनी पोत 22 फरवरी को पहली बार माले में रुका था। मालदीव के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) की सीमा पर वापस जाने के बाद, पोत एक महीने बाद वापस लौटा और 25 अप्रैल को थिलाफुशी बंदरगाह पर रुका। मालदीव के विदेश मंत्रालय ने कहा कि पोत स्टॉक की भरपाई और अपने चालक दल के रोटेशन के लिए माले जा रहा था। हालांकि, इसने अपनी वापसी का कारण नहीं बताया। मालदीव की भारत से निकटता, लक्षद्वीप में मिनिकॉय द्वीप से बमुश्किल 70 समुद्री मील और मुख्य भूमि के पश्चिमी तट से 300 समुद्री मील की दूरी पर, और हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) से गुजरने वाले वाणिज्यिक समुद्री मार्गों के केंद्र में इसका स्थान इसे महत्वपूर्ण रणनीतिक महत्व देता है। जियांग यांग होंग 03 को चीनी बेड़े में सबसे आधुनिक अनुसंधान पोत के रूप में वर्णित किया गया है। फरवरी में, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि अनुसंधान पोत की गतिविधियां समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) का अनुपालन करती हैं। उन्होंने कहा कि प्रासंगिक जल में चीन की वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियाँ शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए हैं और इसका उद्देश्य मानवता की महासागर की वैज्ञानिक समझ में योगदान देना है, उन्होंने कहा कि पोत की गतिविधियाँ यूएनसीएलओएस की शर्तों का सख्ती से अनुपालन करती हैं। चीनी पोत को माले बंदरगाह पर डॉक करने की अनुमति हाल ही में चुने गए चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने दी थी।

भारत को पाव भर के परमाणु बम की धमकी देने वाले पाकिस्तान के पूर्व गृह मंत्री मांग रहे माफी

इस्लामाबाद, 15 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व गृह मंत्री और अवामी मुस्लिम लीग के नेता शेख रशीद ने पाकिस्तानी सेना से आम मांफी की मांग की है। ये वही शेख रशीद है जिन्होंने गृह मंत्री रहते हुए एक इंटरव्यू में भारत को परमाणु बम की गीदड़भभकी दी थी। पाकिस्तान के रावलपिंडी स्थित अदियाला जेल के बाहर मीडिया से बात करते हुए रशीद ने स्थिति की गंभीरता पर जोर दिया और कहा कि मंत्री के रूप में अपने पांच साल के कार्यकाल में उन्होंने नरमी बरती थी।

नौसेना फिलीपीन नौसेना के प्रवक्ता ने कहा है कि चीनी एयरक्राफ्ट कैरियर को अपनी ऑपरेशनल क्षमता को प्राप्त करने में दशकों का समय लग सकता है।

नौसिखिया है चीनी नौसेना, एयरक्राफ्ट कैरियर चलाना सीखने में लगेगा समय... फिलीपींस ने उड़ाया मजाक

मनीला, 15 जुलई (एजेंसियां)। दक्षिण चीन सागर तनाव के बीच फिलीपींस की नौसेना ने चीनी नौसेना का मजाक उड़ाया है। फिलीपीन नौसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सुझाव दिया है कि बीजिंग को अपने विमानवाहक पोत-आधारित युद्ध क्षमताओं को परिष्कृत करने में अभी भी ''दशकों का समय'' लगेगा। इस बयान को कई लोगों ने ताना बताया है, हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि यह चीन की नौसेना शक्ति का यथार्थवादी आकलन दशार्ता है। नौसेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल रॉय विंसेंट त्रिनिदाद से रविवार को संवाददाताओं ने चीन के तीन विमानवाहक पोतों में से एक शांडोंग पर उनकी टिप्पणी के लिए पूछा, जिसे पिछले सप्ताह फिलीपींस के तट के पास तैनात किया गया था।

त्रिनिदाद ने कहा, ''मैंने अपने देशवासियों से कहा कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) अभी भी अनुभवहीन है। हालांकि वे हमसे अधिक उन्नत हैं, लेकिन उन्हें अपने विमानवाहक पोतों के परिचालन स्तर तक पहुंचने में काफी समय लगेगा।'' बुधवार को शांडोंग को तीन एस्कॉर्ट्स के साथ बाशी चैनल के पूर्व में प्रशिक्षण अभ्यास करते हुए देखा गया, जो ताइवान और फिलीपींस को अलग करता है। 70,000 टन वजनी इस विमानवाहक पोत की पिछले महीने उत्तरी फिलीपीन द्वीप लूजोन के जलक्षेत्र में तथा अक्टूबर और नवंबर में फिलीपीन सागर के कुछ हिस्सों में निगरानी की गई थी।

त्रिनिदाद ने कहा, ''यदि हम युद्ध के बारे में उनकी सोच को जानते हैं तो हम चीन की चालों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। उनका सिद्धांत है कि यदि आप मजबूत हैं, तो दिखाएं कि आप कमजोर हैं; दूसरा, यदि आप कमजोर हैं, तो दिखाएं कि आप मजबूत हैं।'' उन्होंने कहा, ''वे शांडोंग और पूरे दक्षिण चीन सागर और पश्चिमी फिलीपीन सागर में जो कर रहे हैं, वे जोर-शोर से कह रहे हैं और दिखा रहे हैं कि वे मजबूत हैं, लेकिन उनके विमानवाहक पोतों के बारे में सच्चाई यह है कि उन्हें विमानवाहक पोतों का उपयोग करके नौसैनिक युद्ध में निपुण होने के लिए दशकों की आवश्यकता है।''

दक्षिण चीन सागर में चीन ने बढ़ाई मौजूदगी

हाल के महीनों में, बीजिंग ने पूरे दक्षिण चीन सागर में अपनी उपस्थिति मजबूत की है तथा विवादित जलक्षेत्र पर अपने क्षेत्रीय अधिकारों का दावा करने के लिए फिलीपीन नौसेना और तटरक्षक मिशनों को बाधित करने के लिए आक्रामक कदम उठाए हैं। चीन ने अपने मानचित्रों पर तथाकथित नाइन-डैश लाइन के माध्यम से ''ऐतिहासिक अधिकारों'' के आधार पर दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से को अपने क्षेत्र के रूप में लंबे समय से दावा किया है, जो फिलीपींस के 200-नॉटिकल मील के अनन्य आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के साथ ओवरलैप करता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन के तहत मान्यता प्राप्त है।

फिलीपींस को परेशान कर रहा चीन

2016 में, फिलीपींस ने हेग में एक मध्यस्थ निर्णय जीता, जिसने फैसला सुनाया कि चीन के ऐतिहासिक दावे अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के विपरीत हैं और ऐतिहासिक आधार की कमी है, एक निर्णय जिसे बीजिंग ने लगातार खारिज कर दिया है।

गोलियों की तड़तड़ाहट से फिर कांपा अमेरिका, अलबामा के बर्मिंघम में नाइट क्लब में फायरिंग

न्यूयॉर्क। अमेरिका के अलबामा राज्य के बर्मिंघम में एक नाइट क्लब में हुई गोलीबारी में कम से कम सात लोगों के मौत की खबर है। बर्मिंघम पुलिस के अनुसार, इस घटना में 9 लोग घायल भी हुए हैं। सभी घायलों का इलाज जारी है, जिसमें से कई की हालत गंभीर है। बर्मिंघम पुलिस डिपार्टमेंट के अनुसार, पुलिस अधिकारी ई लोगों को गोली लगने की सूचना पर रात 11:08 बजे 27वीं स्ट्रीट नॉर्थ के 3400 ब्लॉक में एक नाइट क्लब में पहुंचे। पहुंचने पर, अधिकारियों ने कई लोगों को गोली लगने से घायल हुए देखा।

इस घटना के थोड़ी देर बाद बर्मिंघम फायर एंड रेस्क्यू घटनास्थल पर पहुंचा और एक वयस्क पुरुष को मृत घोषित कर दिया, जो नाइट क्लब के पास एक फुटपाथ पर पड़ा था। बीएफआरएस ने दो महिलाओं को मृत घोषित कर दिया, जिन्हें उन्होंने अंदर पाया। कई घायलों को बीएफआरएस के कर्मियों या निजी वाहन से यूएबी अस्पताल पहुंचाया गया। इस दौरान यूएबी अस्पताल के डॉक्टरों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। यूएबी में कम से कम नौ अतिरिक्त गोली लगने वाले पीड़ित उपचार प्राप्त कर रहे हैं।

पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गोलियां क्यों चलाई गई। पुलिस अधिकारी ट्रूमैन फिट्जगेराल्ड का कहना है कि अधिकारियों का मानना है कि कम से कम एक संदिग्ध ने सड़क से नाइट क्लब में गोली चलाई। इस समय कोई भी हिरासत में नहीं है। संघीय एजेंसियां जांच में बीपीडी की सहायता कर रही हैं। कोई भी व्यक्ति जिसके पास जानकारी है, वह 205-254-1764 पर बीपीडी से संपर्क कर सकता है।

बीपीडी ने रविवार सुबह निम्नलिखित बयान जारी किया: ''बर्मिंघम पुलिस विभाग इस दुख और क्षति की घड़ी में हमारे समुदाय के साथ खड़ा है, क्योंकि हमने बर्मिंघम शहर में हिंसा के मूर्खतापूर्ण कृत्यों को देखा है। हम पीड़ितों, उनके परिवारों और प्रभावित सभी लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। ऐसी त्रासदी के बावजूद, हम पीड़ितों को न्याय दिलाने के अपने मिशन में दृढ़ हैं।

हम जिम्मेदार लोगों को पकड़ने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। बर्मिंघम पुलिस विभाग हमारे समुदाय की सुरक्षा और सुरक्षा की भावना को बहाल करने के लिए समर्पित है।

जेलेंस्की ने मोदी की पुतिन से मुलाकात पर दिया था तीखा बयान, भारत ने अब यूक्रेन के सामने उठाया मुद्दा

कीव, 15 जुलई (एजेंसियां)। भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा पर राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की की ओर से की गई तीखी टिप्पणियों को यूक्रेन के सामने उठाया है। नरेंद्र मोदी के रूस पहुंचने के बाद व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात पर गुस्सा जाहिर करते हुए यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इसे शांति प्रयासों के लिए विनाशकारी झटका बताया था। नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा था कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता को मॉस्को में दुनिया के सबसे कुख्यात खूनी अपराधी से गले मिलते देखना निराशाजनक है। जेलेंस्की की तीखी बयानबाजी को भारत ने कीव के सामने उठाते हुए अपना एतराज दर्ज कराया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा के बाद यूक्रेन ने कल्चर वर्किंग ग्रुप की एक निर्धारित बैठक को रद्द कर दिया है। यह निर्णय भारत और यूक्रेन के बीच चल रही व्यस्तताओं के बावजूद लिया गया है। इटली में हाल ही में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच बैठक भी हुई थी लेकिन अब दोनों देशों के रिश्ते तल्ख होते दिख रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22वें भारत वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए 8 से 9 जुलाई तक रूस की यात्रा पर थे। इससे पिछला शिखर सम्मेलन दिसंबर 2021 में हुआ था, जब रूसी राष्ट्रपति पुतिन दिल्ली आए थे। इस दौरान पीएम मोदी ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर बात करते हुए कहा कि किसी भी मसले को युद्ध के बजाय बातचीत से हल किया जाना चाहिए। पीएम मोदी की मॉस्को यात्रा पर अमेरिका की ओर से भी तीखी प्रतिक्रिया देखी गई। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि उसने रूस के साथ अपने संबंधों पर भारत के साथ कई चिंताएं उठाई हैं। भारत में अमेरिकी राजदूत ने संघर्ष में रणनीतिक स्वायत्तता के विचार को खारिज करते हुए अमेरिकी संबंधों को हल्के नहीं मानने को कहा। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गासेटी के इस बयान को लेकर काफी बहस हो रही है।

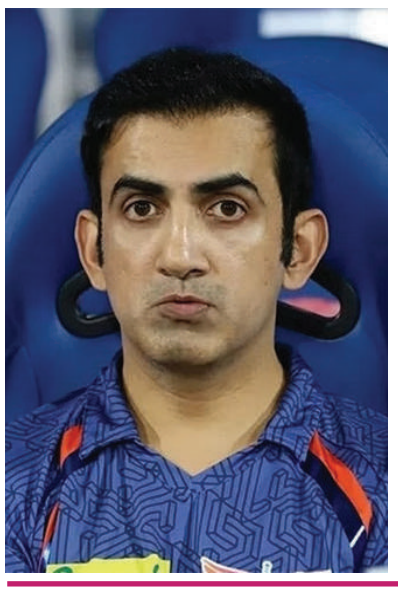

इस हफ्ते श्रीलंका दौरे के लिए होगा टीम इंडिया का एलान, जानें वनडे और टी20 सीरीज के लिए संभावित टीमें

नई दिल्ली, 15 जुलाई।

भारतीय क्रिकेट टीम इस महीने श्रीलंका दौरे पर जाएगी। श्रीलंका में टीम इंडिया को तीन मैचों की टी20 सीरीज और इतने ही मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से ही नए कोच गौतम गंभीर का कार्यकाल शुरू होगा। भारत के श्रीलंका दौरे की शुरूआत 27 जुलाई को पहले टी20 के साथ होगी। जानिए बीसीसीआई कब श्रीलंका दौरे के लिए टीम इंडिया का एलान करेगी?

इस हफ्ते होगा टीम का एलान?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टीम इंडिया के नए हेड कोच गौतम गंभीर इस हफ्ते चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और बाकी सेलेक्टर्स से मिलेंगे। फिर श्रीलंका दौरे के लिए टीम इंडिया का एलान किया जाएगा। रिपोर्ट की मानें तो इस हफ्ते श्रीलंका के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी जाएगी।

जिम्बाब्वे से अलग हो सकती है श्रीलंका के खिलाफ टीम

बीसीसीआई ने जिम्बाब्वे के लिए एकदम युवा टीम का चयन किया था। पांच मैचों की सीरीज में शुभमन गिल टीम इंडिया के कप्तान थे। वहीं रियान पराग, तुषारदेश पांडे और अभिषेक शर्मा जैसे कई युवा खिलाड़ी इस टीम का हिस्सा थे। जिम्बाब्वे में पांच मैचों की टी20 सीरीज भारतीय टीम ने 4-1 से जीती। फिर भी श्रीलंका दौरे पर टी20 सीरीज के लिए टीम एकदम अलग हो सकती है। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में हार्दिक पांड्या टीम के कप्तान हो सकते हैं। वहीं ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव, कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज जैसे स्टार खिलाड़ियों की वापसी भी हो सकती है।

श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारत की 15 सदस्यीय संभावित टीम- शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवाड़, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या (कप्तान), रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, मोहम्मद सिराज और खलील अहमद/मुकेश कुमार।

वनडे सीरीज में इन 15 खिलाड़ियों को मिल सकता है मौका

कप्तान रोहित शर्मा, शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल के रूप में 15 सदस्यीय टीम में तीन ओपनर हो सकते हैं। मिडिल ऑर्डर में केएल राहुल, श्रेयस अय्यर और रिंकू सिंह को मौका मिलने की उम्मीद है। विकेटकीपर के रूप में ऋषभ पंत और केएल राहुल को मौका मिलने की संभावना है। स्पिन विभाग में कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा हो सकते हैं। वहीं तेज गेंदबाजी विभाग में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आवेश खान और अर्शदीप सिंह हो सकते हैं। हालांकि, ऐसा भी हो सकता है कि वनडे सीरीज में विराट कोहली, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह को रेस्ट दिया जाए।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारत की 15 सदस्यीय संभावित टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आवेश खान और अर्शदीप सिंह।

अगर रोहित, विराट और बुमराह को मिला रेस्ट तो फिर 15 सदस्यीय संभावित टीम- शुभमन गिल, ऋतुराज गायकवाड़, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, खलील अहमद, आवेश खान और अर्शदीप सिंह।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान नहीं आने पर बीसीसीआई से बड़ी मांग करेगा पीसीबी

नई दिल्ली। पीसीबी के एक सूत्र ने यह जानकारी देते हुए कहा कि मेजबान बोर्ड चाहता है कि मामला जल्दी से सुलझाया जाए क्योंकि टूर्नामेंट अगले साल फरवरी मार्च में होना है। आईसीसी की सालाना कांफ्रेंस 19 जुलाई को कोलंबो में होगी जिसमें हाइब्रिड मॉडल पर चर्चा एजेंडे में नहीं है। भारतीय टीम के अगले साल होने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने की संभावना कम है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसे लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी इस स्थिति को लेकर तैयारी की है। दरअसल, पाकिस्तान

बोर्ड चाहता है कि बीसीसीआई इस बात का लिखित सबूत दे कि भारत सरकार ने इस टूर्नामेंट के लिए सुरक्षा कारणों से टीम को पड़ोसी देश की यात्रा करने से मना किया है। पीसीबी के एक सूत्र ने यह जानकारी देते हुए कहा कि मेजबान बोर्ड चाहता है कि मामला जल्दी से सुलझाया जाए क्योंकि टूर्नामेंट अगले साल फरवरी मार्च में होना है। आईसीसी की सालाना कांफ्रेंस 19 जुलाई को कोलंबो में होगी जिसमें हाइब्रिड मॉडल पर चर्चा एजेंडे में नहीं है। इसके तहत भारतीय टीम अपने मैच यूएई में खेल सकती है। टूर्नामेंट 19 फरवरी को कराची में शुरू होगा और फाइनल नौ मार्च को लाहौर में होगा। फाइनल में एक दिन रिजर्व का होगा। बीसीसीआई सूत्रों की माने तो टीम पाकिस्तान नहीं जाने वाली और ऐसी दशा में आईसीसी प्रबंधन अतिरिक्त बजट आवंटन कर सकता है। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा, अगर भारत सरकार ने अनुमति नहीं दी है तो उसे लिखित में देना होगा और बीसीसीआई को चाहिए कि आईसीसी को वह पत्र तत्काल दे। हम लगातार कह रहे हैं कि बीसीसीआई पांच-छह महीने पहले टूर्नामेंट के लिए टीम के पाकिस्तान जाने के बारे में आईसीसी को लिखित में सूचित करे। पीसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम का मसौदा आईसीसी को सौंप दिया है जिसमें भारत के सारे मैच, सेमीफाइनल और फाइनल लाहौर में होंगे। भारत और पाकिस्तान का मैच एक मार्च को होना है।

श्रीलंका क्रिकेट करेगा आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन की मेजबानी

नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट 19 से 22 जुलाई तक श्रीलंका में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के वार्षिक सम्मेलन की मेजबानी करेगा। इस मेगा क्रिकेट सम्मेलन में दुनिया भर के 108 आईसीसी सदस्य देशों के 220 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसमें अफ्रीका, अमेरिका, एशिया, पूर्वी एशिया प्रशांत और यूरोप जैसे क्षेत्र शामिल होंगे। दुनियाभर के क्रिकेट प्रशासकों

और हितधारकों का आईसीसी वार्षिक सम्मेलन खेल की रणनीतिक दिशा, प्रशासन और क्रिकेट के विकास पर चर्चा के लिए मंच प्रदान करता है। इस वर्ष के सम्मेलन का विषय 'ओलंपिक अवसर का लाभ उठाना' है, जिसमें 'विविधता और समावेशन', 'पर्यावरणीय स्थिरता और खेल' तथा 'एलए28 में क्रिकेट की विजयी वापसी' जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। श्रीलंका क्रिकेट के अध्यक्ष श्री शम्मी सिल्वा ने कहा, "यह श्रीलंका के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है और हम अपने खूबसूरत द्वीप पर दुनिया भर से आए प्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत करना चाहते हैं। हम इस सम्मेलन का उपयोग क्रिकेट के भविष्य में योगदान देने और अपने देश की सुंदरता और विरासत को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने के लिए करना चाहते हैं।" वार्षिक सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण बैठकें, कार्यशालाएं और नेटवर्किंग सत्र शामिल होंगे तथा खेल के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।

57वां बील इंटरनेशनल शतरंजः प्रज्ञानन्दा नें जीता 960 का खिताब

बील, स्विट्जरलैंड। बील शतरंज महोत्सव का 57वां संस्करण आरंभ हो चुका है और हर बार की तरह इस बार फिर 960 शतरंज, रैपिड शतरंज और फिर क्लासिकल शतरंज के

तीन टूर्नामेंट खेले जा रहे है, सबसे पहले सम्पन्न हुए 960 शतरंज में भारत के आर प्रज्ञानन्दा नें बेहतर टाईब्रेक के आधार पर पहला स्थान हासिल कर लिया है। प्रज्ञानन्दा और अर्मेनिया के हैक मार्टिरोसियन 960 शतरंज में कुल 7 राउंड में से 5 अंक हासिल किए। पर चूंकि प्रज्ञानन्दा नें तीसरे राउंड में हैक को हराया था वह टाईब्रेक के विजेता रहे और 960 का खिताब जीतने में सफल रहे। जर्मनी के नंबर एक खिलाड़ी विन्सेंट केमर 4।5/7 अंक हासिल कर तीसरे स्थान पर रहे। प्रज्ञानन्दा नें इस दौरान यूएसए के सैम शंकलंद, अर्मेनिया के हैक मार्टिरोसियन, जर्मनी के विन्सेंट केमर और यूएई के सलेम सालेह को पराजित किया। इस स्पर्धा की रैंकिंग को ग्रैंडमास्टर ट्रायथलॉन (GMT) के समापन के बाद आवश्यक होने पर टाई-ब्रेक के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा।

आखिरी हाफ में मेसी हुए चोटिल, आंखों से निकले आंसू लेकिन फिर हुआ चमत्कार

अर्जेंटीना ने रिकॉर्ड 16वीं बार जीता कोपा अमेरिका खिताब, लियोनेल मेसी हो गए थे चोटिल

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)।

अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम ने रिकॉर्ड 16वीं बार कोपा अमेरिका का खिताब जीता है। 15 जुलाई को खेले गए कोपा अमेरिका 2024 के फाइनल में अर्जेंटीना ने कोलंबिया को 1-0 से हराया। दूसरे हाफ में अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल मेसी चोटिल हो गए थे, लेकिन टीम को फिर भी जीत मिली। लियोनेल मेसी को जब पैर में चोट लगी और वे फील्ड से बाहर चले गए तो अपने आंसू नहीं रोक पाए। हालांकि, एक्स्ट्रा टाइम में 112वें मिनट में लौटारो मार्टिनेज ने गोल दागकर अपनी टीम को लगातार दूसरी बार कोपा अमेरिका का खिताब जिताया।

लियोनेल मेसी को मैच के 64वें मिनट में दौड़ते समय गिरने से चोट लग गई थी। चोट के बाद बेंच पर बैठे मेसी ने दोनों हथेलियों से चेहरा छिपा लिया था। गोल करने के बाद मार्टिनेज ने बेंच पर जाकर अपने कप्तान को गले लगाया। इससे पहले मैच को करीब डेढ़ घंटे बाद शुरू करना पड़ा था, क्योंकि हार्ड रॉक स्टेडियम में दर्शकों के उपद्रव के कारण मैच एक घंटा 20 मिनट विलंब से शुरू हुआ। अर्जेंटीना ने 2021 कोपा अमेरिका और 2022 विश्व कप के बाद तीसरा बड़ा खिताब जीतकर स्पेन की बराबरी कर ली, जिसने 2008 और 2012 यूरो चैंपियनशिप के अलावा 2010 विश्व कप जीता था।

कोफा अमेरिका के फाइनल में अर्जेंटीना ने आखिरकार अतिरिक्त समय में शानदार गोल करके कोलंबिया को 1-0 से हरा दिया। इस मैच में मेसी चोटिल भी हो गए थे लेकिन इसके बाद भी अर्जेंटीना की टीम खिताब जीतने में सफल रही अर्जेंटीना ने लगातार दूसरी बार कोपा अमेरिका का खिताब जीत लिया है। 2021 में भी टीम अर्जेंटीना ने खिताब पर कब्जा जमाया था। बता दें कि मैच के दौरान एक ऐसा मौका आया जब महान दिग्गज लियोनेल मेसी फूट फूट कर रोते हुए नजर आए। दरअसल, मैच के 66वें मिनट में मेसी रोते हुए मैदान से बाहर आए। इस तस्वीर को जिसने भी देखा वह इमोशनल हो गया।

हुआ ये कि कोलंबिया के खिलाफ मैच के दौरान दूसरे हाफ में मेसी को मैदान छोड़कर बाहर जाना पड़ा था। उस समय दोनों टीमों का स्कोर -0-0 की बराबरी पर था। मैच के दौरान मेसी के दाहिने पैर के एंकल में चोट लग गई, दर्द और फाइनल मैच का जुड़ाव इतना था कि मेसी जब मैदान से बाहर जा रहे थे तो उनके आंखों में आंसू थे। फैन्स भी मेसी को इस तरह से देखकर काफी भावुक हो गए हैं।

बता दें कि मेसी चोट के कारण मैदान से बाहर गए, जिसके कारण उनके सबस्टिट्यूट के तौर पर निकोलस गोंजालेज को मैदान पर उतरना पड़ा था। वहीं, दूसरी ओर जब मेसी मैदान से बाहर गए और बेंच पर बैठकर मैच को देखकर रहे थे तो उनका चेहरा पूरी तरह से उतरा हुआ था। उनके आंखें से आंसू लगातार बह रहे हैं। मेसी ने अपने पैर पर आइस पैक लगाया हुआ था।

बता दें मैच का निर्धारित समय खत्म हुआ तो दोनों टीमों का स्कोर 0-0 की बराबरी पर था। दोनों टीमों ने कोई गोल नहीं किया था। फुल टाइम के बाद अर्जेंटिना 0 और कोलंबिया 0 पर थी। जिसके कारण मैच को एक्स्ट्रा टाइम तक ले जाया गया। लेकिन इसके बाद जो हुआ उसने फैन्स को हैरान करके रख दिया।

अर्जेंटिना ने जीता कोपा अमेरिका का खिताब

अर्जेंटीना ने कोपा अमेरिका 2024 के फाइनल में कोलंबिया को 1-0 से हराया। लियोनेल मेस्सी को चोट के कारण मैदान से बाहर होना पड़ा, लेकिन सुपर-सब लुटारो मार्टिनेज ने अतिरिक्त समय में अपनी टीम को जीत दिलाई। संभावित पेनल्टी पर देर से श्अफजांच ने अर्जेंटीना के खिलाड़ियों को परेशान कर दिया, लेकिन रेफरी ने कहा कि फैसला लियोनेल मेस्सी की टीम के पक्ष में है। दरअसल, मैच के 112वें मिनट में अर्जेंटीना के लिए लुटारो मार्टिनेज ने गोल किया और अपनी बढ़त को बनाए रखा। आखिरकार मेसी की टीम ने अतिरिक्त समय में शानदार खेल दिखाकर 1-0 से मैच को जीत लिया। अर्जेंटीना ने 16वीं बार खिताब को अपने नाम करने में सफलता हासिल की।

जीत मिलते ही उछल पड़े मेसी

वहीं, जब कोपा अमेरिका का खिताब अर्जेंटिना की टीम ने जीता तो बेंच पर बैठे मेसी खिलखिलाकर हंस पड़े। मेसी अपने दर्द को भूलकर जीत का जश्न मनाने लगे। मेसी के साथ-साथ उनके फैन्स भी इस जीत का जश्न मनाते हुए नजर आए। मेसी की खुशी देखने लायक थी।

चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं नजर आएंगे डेविड वॉर्नर, चयनकर्त्ता के बयान ने मचाई खलबली

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पुरुष टीम के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा है कि अनुभवी बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए नहीं चुना जाएगा। डेविड वॉर्नर ने कुछ दिन पहले चैंपियंस ट्रॉफी खेलने की इच्छा जताई थी। लेकिन कोच बेली ने कहा है कि उन्हें इसके लिए नहीं चुना जाएगा। डेविड वॉर्नर ने कहा था कि वह 2024 के पुरुष टी20 विश्व कप के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना करियर समाप्त कर देंगे, जहां टीम सुपर आठ से बाहर हो गई थी। लेकिन उन्होंने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में आखिरी बार खेलने का दरवाजा खुला रखा।

लेकिन बेली ने अब पुष्टि की है कि वॉर्नर ऑस्ट्रेलिया के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से पूरी तरह से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि एक महत्वपूर्ण ऑल-फॉर्मेट खिलाड़ी होने की उनकी विरासत की सराहना की जानी चाहिए। बेली ने कहा, "हमारी समझ यह है कि डेविड रिटायर हो चुके हैं और तीनों फॉर्मेट में उनके शानदार करियर के लिए उनकी सराहना की जानी चाहिए। हमारी योजना यह है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान में नहीं होंगे। मुझे लगता है कि वह बस थोड़ा सा मजाक कर रहा है। उसका करियर शानदार रहा है। हम

अब कुछ अन्य खिलाड़ियों को अलग अलग फॉर्मेट्स में ट्राई करेंगे। यह बेहद रोमांचक होने वाला है।"

बेली ने पिछले महीने टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करने के तरीके के लिए मिचेल मार्श की प्रशंसा की। भले ही सुपर-8 में अफगानिस्तान और भारत से हार के बाद टीम बाहर हो गई थी। बेली ने कहा, "मुझे टी20 विश्व कप में उनकी कप्तानी का तरीका बहुत पसंद आया। वह इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट थे कि वह टीम का नेतृत्व कैसे करना चाहते हैं। वह भी उतने ही निराश थे जितना कि कोई और, क्योंकि हम उस अंतिम लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाए जिसकी हर कोई उम्मीद कर रहा था लेकिन अगर आप टी20 में कप्तान के रूप में उनकी शुरूआती सफलता दर को देखें तो उन्होंने वाकई शानदार काम किया है।"

नई दिल्ली में तेलंगाना सरकार के विशेष प्रतिनिधि और तेलंगाना सरकार के सलाहकार (खेल मामले) ए.पी. जीतेंद्र रेड्डी और हाल ही में तेलंगाना राज्य खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष नियुक्त किए गए के. शिव सेना रेड्डी ने हैदराबाद पोलो एंड राइडिंग क्लब (एचपीआरसी) के परिसर में सिल्वर स्पर इंटरनेशनल एरिना में बहु-सुविधायुक्त जिमनैजियम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर इनहैबिट की संस्थापक सुश्री नीता कुमार, एचपीआरसी अध्यक्ष चैतन्य आर. कुमार, एचपीआरसी सचिव (प्रशासन) शेख रियाज अहमद, कुंवर साई विजेंद्र सिंह और स्नेप्स इंडिया के संपादक मो. शमसुद्दीन भी मौजूद रहे।

कौन हैं चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज रेड्डी? जिनका ओलंपिक में पदक जीतना है लगभग तय!

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक्स की शुरूआत 26 जुलाई से हो रही है और ये 11 अगस्त तक चलेंगे। इस बार भारत के 120 से भी अधिक एथलीट इन खेलों में भाग लेने वाले हैं और यह ओलंपिक खेलों के इतिहास में सबसे बड़ा भारतीय दल रहने वाला है। नीरज चोपड़ा से लेकर पीवी सिंधु और भारतीय हॉकी टीम से भी पदक जीतने की उम्मीद होगी। मगर पिछले एक साल में भारत के 2 बैडमिंटन खिलाड़ी पूरी दुनिया में अपने देश का परचम लहराते आए हैं। इनका नाम चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज रेड्डी है।

2023 में इंडोनेशिया ओपन जीतकर रचा इतिहास

चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज रेड्डी ने 2023 में इंडोनेशिया ओपन जीतकर सनसनी फैलाई थी। इंडोनेशिया ओपन, बैडमिंटन जगत में सबसे बड़े और फेमस टूर्नामेंट में से एक है। चिराग और सात्विक की टीम, इतिहास में इस टूर्नामेंट को जीतने वाली पहली भारतीय जोड़ी

बनी थी। याद दिला दें कि दोनों युवा खिलाड़ियों की यह जोड़ी अक्टूबर 2023 में मेंस डबल्स श्रेणी में दुनिया की नंबर एक टीम बनी थी।

चिराग और सात्विक ने इसी साल साइना नेहवाल का विश्व में नंबर-1 बने रहने का रिकॉर्ड भी तोड़ा था। साइना साल 2015 में विमेंस सिंगल्स श्रेणी में 9 हफ्तों तक विश्व की नंबर एक बैडमिंटन खिलाड़ी बनी रही थीं। दूसरी ओर चिराग और सात्विक पिछले साल अक्टूबर में विश्व की नंबर-1 जोड़ी बने और जून 2024 तक अपनी पोजीशन को बरकरार रखा था।

2024 में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं

चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज रेड्डी की जोड़ी अभी मेंस डबल्स रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है। उनके 2024 के प्रदर्शन पर नजर डालें तो चिराग और सात्विक, मलेशियाई ओपन, इंडियन ओपन के फाइनल में पहुंच कर हार गए थे। मगर फ्रेंच ओपन में उन्होंने प्रतिद्वंदी टीमों पर पूरी तरह दबदबा बनाकर खिताब जीता था। इस साल तीन फाइनल खेल चुकी यह जोड़ी पेरिस ओलंपिक 2024 से पूर्व बहुत शानदार लय में है और उनका पदक लगभग पक्का लग रहा है।

टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन बनने के बाद पहली बार वडोदरा पहुंचे हार्दिक पांड्या, स्वागत में सड़कें हो गई जाम

नई दिल्ली। भारत की टी20 टीम के उपकप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या टी20 वर्ल्ड कप 2024 चैंपियन बनने के बाद पहली बार अपने गृहनगर वडोदरा पहुंचे। हार्दिक पांड्या का वडोदरा में जोरदार स्वागत हुआ। जिस तरह से मुंबई का मरीन ड्राइव फैंस से भरा हुआ था। उसी तरह अकेले हार्दिक पांड्या के लिए पूरी सड़क फैंस से भरी हुई थी। हार्दिक पांड्या ने ओपन बस में बैठकर फैंस का अभिवादन किया और उनके चाहने वाले उनको बधाई देते हुए नजर आए। भारतीय टीम 4 जुलाई को दिल्ली पहुंच गई थी। इसके बाद उसी शाम को मुंबई में टीम इंडिया की ओपन बस परेड हुई। इससे पहले दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के साथ सभी खिलाड़ियों ने ब्रेकफास्ट किया था। वहीं, रात को बीसीसीआई ने वानखेड़े स्टेडियम में कार्यक्रम आयोजित किया था। इसके बाद बाकी खिलाड़ी अपने-अपने घर चले गए, लेकिन हार्दिक पांड्या मुंबई में ही रुक गए, क्योंकि उनके कुछ कार्यक्रम पहले से मुंबई में शेड्यूल थे। इसके अलावा उनको मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की शादी भी अटेंड करनी थी, क्योंकि वे मुंबई इंडियंस के कप्तान हैं। इसी वजह से वे अब तक मुंबई में थे, लेकिन हाल ही में वडोदरा पहुंचे तो उनका भव्य स्वागत हुआ। हार्दिक पांड्या ने खुद अपनी एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर की है, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा है, "माय हर्ट यानी मेरा दिल।" वडोदरा की जनता का वे हाथ जोड़कर अभिनंदन कर रहे हैं।

स्विट्जरलैंड के स्टार जेरदान ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास, जानें कैसा रहा करियर

नई दिल्ली। स्विट्जरलैंड के स्टार खिलाड़ी जेरदान शकीरी ने सोमवार को यूरो 2024 की समाप्ति के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी। अपने 14 साल के लंबे सफर को खत्म करने की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी।

32 वर्षीय खिलाड़ी को हाल ही में जर्मनी में संपन्न हुए यूरो 2024 के लिए स्विस टीम में चुना गया था। रोसोक्रोसियाटी ने टूर्नामेंट में औसत प्रदर्शन किया और टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल राउंड में अपनी यात्रा समाप्त की।

यूरो 2024 में जेरदान का प्रदर्शन

क्लब फुटबॉल में उन्होंने बेसल, बायर्न म्यूनिख, इंटर मिलान, स्टोक सिटी, लिवरपूल और ल्योन के लिए खेला है। वर्तमान में वह शिकागो फायर एफसी के साथ मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में खेल रहे हैं। स्विटजरलैंड ने यूरो 2024 के राउंड ऑफ 16 में इटली को 2-0 से हराया। हालांकि, वे पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से दुखद हार के बाद क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड से हार गए। यूरो 2024 में शकीरी ने स्कॉटलैंड के खिलाफ सिर्फ एक गोल किया, जिससे उन्हें प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की करने में मदद मिली।

सोशल मीडिया के जरिए की संन्यास की घोषणा

शकीरी ने अपने संन्यास की घोषणा सोशल मीडिया के जरिए की। उन्होंने कहा कि 14 साल की यात्रा के बाद राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहने का उनका समय आ गया है। शकीरी ने लिखा, श्सात टूर्नामेंट, कई गोल, स्विस राष्ट्रीय टीम के साथ 14 साल और अविस्मरणीय क्षण। राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहने का समय आ गया है। शानदार यादें बनी हुई हैं और मैं आप सभी से कहता हूं। धन्यवाद।श

जेरदान का करियर

मिडफील्डर ने 2010 में स्विट्जरलैंड के लिए अपना पहला मैच खेला था। जेरदान ने अपने करियर में 125 मैच खेले और 32 गोल किए। उन्होंने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के 2010, 2014, 2018 और 2022 संस्करणों में स्विस पक्ष के साथ चार फीफा विश्व कप भी खेले हैं।

बिलिनेयर क्लब में शामिल हुए जोमैटो के दीपिंदर गोयल

जोमैटो का शेयर आज ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। कंपनी के फाउंडर और सीईओ दीपिंदर गोयल भी बिलिनेयर क्लब में शामिल हो गए।

- **जोमैटो का शेयर आज ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया**
- **फाउंडर दीपिंदर गोयल बिलिनेयर क्लब में शामिल हुए**
- **एक साल में कंपनी के शेयर में 300% से ज्यादा तेजी**

नई दिल्ली,15 जुलाई (एजेंसियां)।

फूडटेक कंपनी जोमैटो का शेयर आज बाजार खुलते ही नए रेकॉर्ड पर पहुंच गया। बीएसई पर यह 4% से ज्यादा की उछाल के साथ 232 रुपये के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। पिछले एक साल में कंपनी के शेयर में 300% से ज्यादा तेजी आई है। पिछले साल जुलाई में इसकी कीमत 73 रुपये थी। कीमत में तेजी से कंपनी का मार्केट कैप भी दो लाख करोड़ रुपये के ऊपर पहुंच गया।

इससे कंपनी के फाउंडर और सीईओ दीपिंदर गोयल की नेटवर्थ में भी काफी उछाल देखने को मिली। इसके साथ ही वह बिलिनयर्स की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। उनके पास कंपनी के 36.95 करोड़ शेयर यानी करीब 4.24 फीसदी हिस्सेदारी है। फोर्ब्स के मुताबिक गोयल की नेटवर्थ में 2.51% की उछाल आई और यह 1.4 अरब डॉलर यानी करीब 1,17,00 करोड़ रुपये पहुंच गई है।

जोमैटो ने दिल्ली और बेंगलुरु में अपने प्लेटफॉर्म की फीस प्रति ऑर्डर बढ़ाकर छह रुपये कर दी है। यही कारण है कि आज कंपनी के शेयरों में भारी तेजी आई और मार्केट खुलते ही यह चार फीसदी से अधिक तेजी के साथ ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। पिछले एक हफ्ते में कंपनी के शेयरों में 12 फीसदी तेजी आई है जबकि इस दौरान बेंचमार्क इंडेक्स केवल एक फीसदी चढ़ा है। पिछले महीने चार जून को यह 146.85 रुपये पर था और तबसे इसमें 58 फीसदी तेजी आई है। इस साल अब तक यह 88% चढ़ा है जबकि इस दौरान बीएसई सेंसेक्स में करीब 12% तेजी आई है।

कंपनी का आईपीओ

जोमैटो दिसंबर 2022 में लिस्ट हुई और ऐसा करने वाली देश की पहली यूनिकॉर्न कंपनी थी। मिडिल क्लास फैमिली से आने वाले दीपिंदर गोयल ने साल 2006 में आईआईटी करने के बाद 'बेन एंड कंपनी' में नौकरी की। उन्होंने FoodieBay.com की स्थापना की जिसका नाम बदलकर Zomato.com कर दिया गया। 2011 में कंपनी को Info Edge से फंडिंग मिली और 2018 में यह यूनिकॉर्न बन गई। 2022 में इसका आईपीओ 38.25 गुना से अधिक सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी का शेयर अपने इश्यू प्राइस से 53% प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ था। पहले ही दिन यह देश की टॉप 100 कंपनियों में शामिल हो गई थी।

न्यूज ब्रीफ.....

हाई रिटर्न वाले फंड कर सकते हैं निराश, निवेशकों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत

नई दिल्ली। इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेशकों का रूचि बनी हुई है। यह इससे पता चलता है कि म्यूचुअल फंड्स की स्कीम में लगातार पैसा आ रहा है। इकॉनमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ICICIdirect.com के एक अध्ययन से पता चलता है कि निवेशक पिछले रिटर्न पर बहुत ज्यादा भरोसा कर रहे हैं। वे उन सभी कैटिगरी (लार्ज कैप, मिड और स्मॉल कैप) में उन स्कीम्स में ज्यादा पैसा लगा रहे हैं जो पिछले तीन साल में बेहतर परफॉरमेंस कर चुकी हैं। अध्ययन से पता चलता है कि इससे निवेशकों को औसत से कम रिटर्न मिलता है। उदाहरण के लिए, लार्ज कैप कैटिगरी में जहां दिसंबर 2023 से मई 2024 तक 5,000 करोड़ रुपये का निवेश आया। इस कैटिगरी में पिछले तीन वर्षों में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड्स को कुल इनफ्लो का 74% मिला। जबकि 21 में से 19 फंड्स को मामूली ही निवेश मिला। इसी तरह मिडकैप कैटिगरी के 29 फंड्स में से महज पांच फंड्स को कुल इनफ्लो का 75% मिला है। स्मॉल कैप कैटिगरी के फंड्स में पिछले छह महीनों में सिर्फ तीन फंड्स को ही कुल इनफ्लो का 61% मिला है। 27 स्मॉलकैप फंड्स में से 20 को कुल इनफ्लो का 2% से कम मिला है। वहीं, इस कैटिगरी के आठ फंड्स से निवेशकों ने पैसा निकाल लिया।

अनंत-राधिका की शादी से चमका ब्रांड रिलायंस, कैसे भारत को ₹75,000 करोड़ का चूना लगने से बचा लिया!

नई दिल्ली। मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की शादी लगभग छह महीने तक चली। शादी और शादी से पहले हुए कार्यक्रमों में बॉलीवुड सहित देश-दुनिया के उद्योग जगत की दिग्गज हस्तियां शामिल हुईं। राधिका मर्चेंट के साथ अनंत की शादी ने अंबानी परिवार और उनके ब्रांड रिलायंस की तरफ पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। यह दुनिया की सबसे महंगी शादियों में से एक है। बहुत से भारतीय करोड़पति और अरबपति विदेश में शादी करते हैं। लेकिन, अंबानी ने भारत में ही सारे कार्यक्रम रखकर स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती दी। ऐसे में इस शादी ने भारत को कम से कम 75,000 करोड़ रुपये का चूना लगने से बचाया है जो कसिी और देश में खर्च हो सकते थे। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सितारों से सजे समारोहों ने परिवार के कॉर्पोरेट ब्रांड 'रिलायंस' को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग पहचान दी है।

दिल्ली के एक बिजनेस लीडर ने बताया कि जस्टिन बीबर या रिहाना जैसी दुनिया की सबसे बड़ी हस्तियों की मौजूदगी, उनके परफॉर्मेंस और इस दौरान हुई मुलाकातें सोशल मीडिया पर छाई रहीं। लाखों लोगों ने इन्हें देखा। यह अपने आप में ब्रांड और परिवार के लिए बहुत अच्छा एक्सपोजर है।

आम लोग भी हुए रलियांस ब्रांड से रूबरू

ब्रांड रिलायंस या अंबानी परिवार से दुनिया का कारोबारी समुदाय पहले से वाकिफ था। लेकिन, इस बार आम लोगों को भी इस ब्रांड को जानने का मौका मिला। अंबानी दशकों से भारत का सबसे अमीर परिवार है। 12 जुलाई को हुई शादी से पहले के महीनों तक चले रीति-रिवाजों से स्थानीय कारीगरों और व्यवसायों को भी फायदा हुआ है।

महंगाई — खाद्य वस्तुओं खासकर सब्जियों और विनिर्मित उत्पादों के दाम में काफी तेजी आई है। आम आदमी को महंगाई से राहत मिलती नजर नहीं आ रही है।

महंगाई ने तोड़ा 16 महीने का रेकॉर्ड, सब्जियों की कीमत ने बढ़ाई आम आदमी की मुश्किल

नई दिल्ली,15 जुलाई (एजेंसियां)।

थोक महंगाई के जून महीने के आंकड़े आ गए हैं। खाद्य वस्तुओं खासकर सब्जियों और विनिर्मित उत्पादों के दाम बढ़ने से थोक महंगाई जून में बढ़कर 16 महीने के उच्चस्तर 3.36% पर पहुंच गई। यह लगातार चौथा महीना है जब थोक महंगाई बढ़ी है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई मई में 2.61 प्रतिशत के स्तर पर थी। जून, 2023 में यह शून्य से 4.18 प्रतिशत नीचे रही थी। थोक महंगाई दर फरवरी, 2023 में 3.85 प्रतिशत थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को बयान में कहा कि जून, 2024 में महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों, कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस, खनिज तेल तथा अन्य विनिर्मित वस्तुओं आदि की कीमतों में वृद्धि है।

आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की महंगाई जून में 10.87% बढ़ी, जबकि मई में यह 9.82% थी। सब्जियों की महंगाई दर जून में 38.76% रही, जो मई में 32.42% थी। प्याज की महंगाई दर 93.35% जबकि आलू की महंगाई दर 66.37% रही। दालों की महंगाई दर जून में 21.64% रही। आलोच्य महीने में फलों की महंगाई 10.14%, अनाज 9.27% और दूध की महंगाई दर 3.37% रही। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि जून, 2024 में थोक महंगाई में वृद्धि व्यापक थी। ईंधन और बिजली को छोड़कर सभी प्रमुख क्षेत्रों में दाम बढ़े हैं।

उन्होंने कहा कि अनुकूल तुलनात्मक आधार के साथ-साथ वैश्विक जिंस कीमतों में कुछ नरमी के कारण जुलाई, 2024 में थोक महंगाई 2% तक कम होने की उम्मीद है। नायर ने तेल की कीमतों के संबंध में कहा कि भारत के लिए कच्चे तेल की औसत कीमत जुलाई, 2024 में अब तक काफी अस्थिर रही है। मांग-आपूर्ति में अंतर के कारण, मासिक आधार पर वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें चालू महीने में थोक महंगाई पर दबाव बढ़ा सकती हैं। ईंधन और बिजली की महंगाई दर 1.03% रही। यह मई के 1.35% से मामूली कम है।

हालांकि, माह के दौरान कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की मूल्य वृद्धि दहाई अंक में 12.55% रही। विनिर्मित उत्पादों में मुद्रास्फीति जून में 1.43% थी, जो मई के 0.78% से अधिक है। जून में थोक महंगाई दर में वृद्धि खुदरा महंगाई के आंकड़ों के अनुरूप थी। पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार जून में खुदरा महंगाई बढ़कर चार महीने के उच्चतम स्तर 5.1% पर पहुंच गई है।

सनस्टार लिमिटेड का आ रहा है आईपीओ

मुंबई। लिक्विड ग्लूकोज, ड्रायड ग्लूकोज सॉलिड और अन्य पदार्थ बनाने वाली अहमदाबाद की कंपनी सनस्टार लिमिटेड का आईपीओ इस सप्ताह 19 जुलाई को ओपन हो रहा है। इसमें निवेशक 23 जुलाई 2024 तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने दो रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर का प्राइस बैंड 90 से 95 रुपये तय किया है। बिडिंग के बाद 26 जुलाई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयरों को लिस्ट कराने की योजना है। इस इश्यू के जरिए कंपनी ₹510.15 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी ₹397.10 करोड़ के 41,800,000 फ्रेश शेयर इश्यू जारी कर रही है। इसके साथ ही कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी ओएफएस के जरिए ₹113.05 करोड़ के 11,900,000 शेयर बेच रहे हैं। सनस्टार लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड ₹90 से ₹95 तय किया है। इसमें एक लॉट 150 शेयरों का तय किया गया है। इस हिसाब से रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 150 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड ₹95 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए ₹14,250 इन्वेस्ट करने होंगे। इससे ऊपर भी इसी गुणक में अप्लाय करना होगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सुप्रीम कोर्ट का ...

तंजीम इत्तेहाद उलमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मौलाना मुफ्ती असद कासमी ने कहा कि मुसलमान शरीयत पर चलता है और कुरान-ए-करीम की शिक्षा का पालन करते हैं और मोहम्मद साहब के बताए रास्ते पर चलते हैं।

उन्होंने कहा कि तलाकशुदा महिलाओं को गुजारा भत्ता देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर जो रुख ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का है। हम भी उनके रुख के साथ हैं। बोर्ड के हर फैसले पर हम उसके साथ कदम से कदम मिलाकर खड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट का फैसला सीधे तौर पर शरीयत में हस्तक्षेप है। उन्होंने कहा कि मुसलमान शरीयत में किसी भी तरह के हस्तक्षेप को कबूल नहीं कर सकता। इसीलिए मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने यह निर्णय लिया है कि इसे कोर्ट में चैलेंज करेंगे और अपनी बात को कोर्ट के समक्ष रखेंगे। उन्होंने कहा कि यह तरीका दुरुस्त नहीं है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का जो भी फैसला होगा तमाम उलमा उसके साथ मजबूत से खड़े रहेंगे।

हिंदू देवी ...

इस मामले में हिंदू पक्ष के याचिकाकर्ता आशीष गोयल ने बताया, हिंदू पक्ष की याचिका पर हाईकोर्ट ने एएसआई को सर्वे करने का आदेश दिया था। 98 दिनों तक सर्वे चला। इस सर्वे में 1700 से अधिक अवशेष मिले हैं। इनमें 39 से अधिक मूर्तियां और प्रतिमाएं हैं। इनमें गदा, पद्म, कमल और स्तम्भ के टुकड़े हैं। अब इस विषय में 22 जुलाई, 2024 को कोर्ट में सुनवाई है। हम इस मामले में कोर्ट से रिपोर्ट सार्वजनिक करने की अपील करेंगे।

मालूम हो कि इस संबंध में हिंदू पक्ष ने याचिका दाखिल की है कि भोजशाला उनकी मां वाग्देवी का मंदिर है। वहीं मुस्लिम पक्ष इसे अपना मजहबी स्थल बताकर सर्वे के खिलाफ बोल रहा है। इस मामले में 11 मार्च को इंदौर हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद सर्वे की अनुमति दी थी। 22 मार्च से सर्वे शुरू हुआ। 1 अप्रैल को मुस्लिम पक्ष इसे रोकने सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। 29 अप्रैल को एएसआई के आवेदन पर सर्वे की समयसीमा और बढ़ाई गई। अब इस मामले में एएसआई ने अपनी रिपोर्ट हाईकोर्ट को सौंप दी है।

उल्लेखनीय है कि भोजशाला विवाद बहुत पुराना विवाद है। हिंदू पक्ष का मत है कि ये माता सरस्वती का मंदिर है जिसकी स्थापना राजा भोज ने सन् 1000-1055 के मध्य कराई थी। सदियों पहले मुस्लिम आक्रांताओं ने इसकी पवित्रता भंग करते हुए यहां मौलाना कमालुद्दीन (जिस पर तमाम हिंदुओं को छल-कपट से मुस्लिम बनाने के आरोप हैं) की मजार बना दी थी जिसके बाद यहां मुस्लिमों का आना जाना शुरू हो गया और अब इसे नमाज के लिए प्रयोग में लाया जाता है। हिंदू पक्ष का कहना है कि यह हिंदू मंदिर है क्योंकि आज भी इसके खंभों पर देवी-देवताओं के चित्र और संस्कृत में श्लोक लिखे साफ दिखते हैं। इसके अलावा दीवारों पर ऐसी नक्काशी है जिसमें भगवान विष्णु के कूर्म अवतार के बारे में दो श्लोक हैं।

हाईकोर्ट में एएसआई द्वारा रिपोर्ट पेश किए जाने के बाद अब 22 जुलाई को हाईकोर्ट में अगली सुनवाई होगी। हिंदू फ्रंट ऑफ जस्टिस की याचिका पर हाईकोर्ट ने 11 मार्च को एएसआई को आदेश दिया था कि वह छह हफ्ते में भोजशाला परिसर की साइंटिफिक स्टडी कर अपनी रिपोर्ट सौंपे। हालांकि, रिपोर्ट सौंपने के लिए एएसआई ने और वक्त मांगा। तीन बार समय बढ़ाया गया। चार जुलाई को हाईकोर्ट ने एएसआई को निर्देश दिए थे कि 15 जुलाई तक अपनी पूरी रिपोर्ट सौंप दें।

हिंदू फ्रंट ऑफ जस्टिस के वकील एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने कहा कि इस मामले में एए-सआई रिपोर्ट महत्वपूर्ण है। एएसआई रिपोर्ट ने हमारे केस को मजबूत किया है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच के सामने हमने कहा था कि यह परिसर एक हिंदू मंदिर का है। इसका इस्तेमाल मस्जिद की तरह हो रहा है। 2003 में एएसआई ने जो आदेश पारित किया था, वह पूरी तरह गलत है। देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन है। हमने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। हाईकोर्ट ने एएसआई को साइंटिफिक स्टडी के निर्देश दिए थे। दो हजार पेज की रिपोर्ट में हमारा पक्ष मजबूत हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की कार्यवाही पर स्टे दे रखा है। इस वजह से हम सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं।

वकील हरिशंकर जैन कहते हैं कि आज बहुत खुशी का मौका है। हिंदू जनता सदियों से धार में पूजा करने के लिए तरस रही थी, जिसके लिए आंदोलन चलाए गए थे और पहली याचिका जो हिंदुओं की तरफ से मैंने दाखिल की थी, उसमें महत्वपूर्ण सफलता मिली है। ये बात रिपोर्ट में साबित हो गई, प्रमाणित हो गई है, कोई इसे काट नहीं सकता कि वहां पहले हिंदू मंदिर था। और वेद शास्त्र, संस्कृत, धार्मिक शिक्षा के पठन-पाठन का कार्य वहां होता था। और उस जगह पर केवल हिंदू पूजा ही हो सकती है। 7 अप्रैल 2003 को जो एएसआई ने आदेश दिया था, नमाज पढ़ने का, वो असंवैधानिक है। दूसरी बात, 94 से ज्यादा टूटी मूर्तियां प्राप्त हुई हैं। वहां सारे खंभों पर वेद-शास्त्रों के चिन्ह मिले हैं, श्लोक लिखे मिलें हैं। पुरानी कलाकृतियां मिली हैं। और बहुसंख्या में इतनी सामग्री है,कि कोई भी देखकर कह देगा कि यह भव्य पाठशाला और मंदिर था। केवल हिंदू था। पढ़ाई के लिए था, यही नहीं इस रिपोर्ट ने आंख खोल दिया है कि मुस्लिम आक्रांताओं ने जितनी ज्यादतियां की थीं, उन सबका पर्दाफाश एक एक कर हो रहा है। ज्ञानवापी में हुआ, यहां हुआ। मुझे उम्मीद है मैं और मेरी पूरी लीगल टीम उन सारी जगहों को, जहां मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई गई है, उनको पुन: वापस लेने में सक्षम होंगे। मुझे खुशी है कि मैंने पिटीशन में जो कुछ भी कहा था, लिखा था, काफी सोच के बाद लिखा था। 32 फोटो लगाई हैं। सारी बातें सच साबित हो गई हैं। एक-एक फोटो वेरीफाई हो गईं। इस बात के पक्के सबूत हैं कि वहां केवल मंदिर था। मंदिर के अलावा कोई नमाज या मुस्लिम धार्मिक कृत्य नहीं हो सकता। जो कानून में प्रावधान है कि धार्मिक स्वरूप तय हो, वो स्वरूप तय करने में सहायता मिलेगी। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा यह आदेश होना चाहिए ये जगह हिंदुओं को वापस मिले और नमाज बंद हो।

एएसआई ने 22 मार्च को इस विवादित परिसर का सर्वे शुरू किया था। करीब तीन महीने यह सर्वे चला। दरअसल, पूरा विवाद एजेंसी के सात अप्रैल 2003 के आदेश को लेकर है। हिंदुओं और मुस्लिमों में विवाद बढ़ने पर एएसआई ने आदेश जारी कर परिसर में प्रवेश को सीमित किया था। आदेश के बाद 21 साल से हिंदू सिर्फ मंगलवार को भोजशाला में पूजा-अर्चना कर सकते हैं।

मुस्लिम सिर्फ शुक्रवार को नमाज अदा कर सकते हैं। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस ने इस व्यवस्था को चुनौती दी है।

भोजशाला के मसले पर एक पक्ष पहले ही सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एएसआई को निर्देश दिया था कि साइंटिफिक स्टडी करने के दौरान भोजशाला के भौतिक ढांचे को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। साथ ही हाईकोर्ट को यह सख्त निर्देश दिए थे कि वह फिलहाल इस पर कोई निर्णय नहीं ले सकेगा। इसी वजह से हिंदू पक्ष अब एएसआई की रिपोर्ट के आधार पर सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कह रहा है।एएसआई की रिपोर्ट की प्रतियां दोनों ही पक्षों को सौंपी जाएगी। कोर्ट ने दोनों ही पक्षों को सख्त निर्देश दिए हैं कि रिपोर्ट को सार्वजनिक न करें। एएसआई ने कार्बन डेटिंग, जीपीएस सहित अन्य तकनीक इस सर्वे में अपनाई है। भोजशाला के बड़े हिस्से में खुदाई भी की गई है। दावा किया गया है कि खुदाई के दौरान पुरानी मूर्तियों के अवशेष, धार्मिक चिन्ह मिले हैं। अफसरों ने सर्वे की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी भी कराई है। सर्वे रिपोर्ट में खुदाई में मिले अवशेषों के फोटो भी प्रस्तुत किए गए।धार भोजशाला का इतिहास वर्षों पुराना है। अंग्रेजों के शासनकाल में एएसआई ने धार भोजशाला का सर्वे किया था। तब की रिपोर्ट में मंदिर के अलावा परिसर के एक हिस्से में मस्जिद का उल्लेख भी किया गया था। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने नए सिरे से स्टडी के निर्देश दिए थे। यह सर्वे रिपोर्ट हाईकोर्ट में चल रही याचिका के लिए काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

गुणगान और...

खाते में खटाखट 8000 रुपए भेजने के मिथ्या प्रचार के कारण भाजपा को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। उस बात की चर्चा नहीं हुई, जिस बात से भाजपा को लोकसभा चुनाव में नुकसान हुआ। इस बात पर बैठक में कोई चर्चा नहीं हुई कि उन नेत-ाओं पर क्या कार्रवाई की गई जिन्होंने 400 पार होने पर संविधान बदलने का बयान दिया था। मंथन इस बात पर करने की जरूरत भी नहीं समझी गई कि पार्टी के कई प्रमुख नेताओं के इलाकों में भाजपा कोई वोट क्यों नहीं मिली।

इस सवाल पर भी कोई बात करने की जरूरत नहीं समझी गई कि अति पिछड़ी जातियों में भाजपा के कोर मतदाता समझी जानी वाली जातियां क्यों छिटक गई। सवालों पर मनन-मंथन करने से ज्यादा बैठक में नेतृत्व का फोकस सफाई देने और राहुल-अखिलेश की सफलता से हिंदू समाज पर मंडराने वाले खतरे के बारे में बताने पर रहा।

ज्यादा जोर इस बात पर रहा कि कार्यसमिति के सदस्य लखनऊ से लौटकर जाएं तो हार पर माथा न पीटें बल्कि देश में लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार बनने की उपलब्धि का प्रचार करें। कार्यकर्ताओं में उत्साह भरें और लोगों को यह समझाएं कि भाजपा सरकार बनने के कारण हिंदू समाज पर से कितना बड़ा खतरा टल गया है। भाजपा का खोया जनाधार वापस पाने के लिए क्या-क्या होना चाहिए। भितरघातियों से भाजपा नेतृत्व किस तरह निपटने जा रहे हैं। कार्यसमिति की बैठक में जरूरी मुद्दों पर चर्चा के बजाए सबसे अधिक जरूरी सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के सियासी रणनीति को झुठलाने की रही।

सपने में दिखती हैं महादेव से जुड़ी ये चीजें, तो समझ जाएं खुलने वाला है बंद किस्मत का ताला

सावन के महीने में भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही मनोवांछित फल की प्राप्ति हेतु सावन सोमवार का व्रत रख जाता है। धार्मिक मत है कि सावन सोमवार पर सच्चे मन से भगवान शिव की पूजा करने से व्रती को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। नवविवाहित स्त्रियां सुख सौभाग्य और संतान प्राप्ति हेतु सावन सोमवार का व्रत रखती हैं।

सावन का महीना भगवान शिव को अति प्रिय है। इस महीने में भगवान शिव माता पार्वती के साथ भूलोक पर आते हैं। इस अवसर पर उत्सव जैसा माहौल रहता है। 'बोल बम' और 'हर हर महादेव' के जयकारे से वातावरण भक्तिमय हो जाता है। सावन के महीने में साधक श्रद्धा भाव से भगवान शिव की पूजा करते हैं।

साथ ही सावन सोमवार पर जलाभिषेक करते हैं। धार्मिक मत है कि सावन महीने में भगवान शिव की भक्ति और सेवा करने से साधक के सकल मनोरथ सिद्ध हो जाते हैं। साथ ही मृत्यु लोक में सभी प्रकार के सांसारिक सुखों की प्राप्ति होती है। सावन महीने में कई साधकों को सपने में शिवलिंग दिखते हैं, तो कई भक्तों को सपने में नाग देवता दिखते हैं। अगर आप भी सपने में भगवान शिव से जुड़ी इन चीजों को देखते हैं, तो समझ जाएं कि जल्द आपकी किस्मत चमकने वाली है।

सावन के सपने

अगर आप सावन के दौरान सपने में भगवान शिव की पूजा कर रहे हैं या महादेव का दर्शन कर रहे हैं, तो यह एक दुर्लभ सपना है। इस सपने का मतलब है कि आप पर महादेव की कृपा बरसने वाली है। उनकी कृपा से आपके जीवन में मंगल का आगमन होगा। साथ ही कोई बड़ी खुशखबरी मिलने वाली है।

स्वप्न शास्त्र की मानें तो सावन के दौरान सपने में बीन बजाना देखना शुभ सपना होता है। इस सपने में अगर आप सांप के आगे बीन बजा रहे हैं, तो यह बेहद शुभ होता है। इस सपने का मतलब है कि आपकी किस्मत जल्द बदलने वाली है।

सावन के महीने में भगवान शिव की भक्ति करना और प्रसाद बांटने का सपना देखना बेहद शुभ होता है। इस सपने का मतलब है कि जल्द ही आपको मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी। साथ ही सभी प्रकार के दुख और संकट दूर हो जाएंगे।

अगर आप सपने में नीलकंठ देखते हैं, तो इसका अर्थ यह है कि जल्द ही आप धनवान बनने वाले हैं। आपको अकल्पनीय धन की प्राप्ति होगी। इससे आपके दुख और दर्द दूर हो जाएंगे। इस सपने की चर्चा किसी अन्य से बिल्कुल न करें।

अगर आप सपने में भगवान शिव को जटा वाला नारियल अर्पित करते हैं, तो यह शुभ संकेत है। इस सपने का मतलब है कि आपको निकट भविष्य में धन लाभ होगा। भगवान शिव की कृपा से सभी बिगड़े काम बन जाएंगे।

सावन के दौरान सपने में नाग देवता देखना अति शुभ माना जाता है। इस सपने का मतलब है कि जल्द ही आप धनवान बनने वाले हैं। विशेषकर काला नाग देखना अत्यधिक शुभ है। वहीं, नागराज की पूजा करना भी शुभ होता है।

सावन में मांसाहार का करेंगे सेवन तो भुगतने पड़ेंगे गंभीर परिणाम

सावन का पवित्र महीना 22 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। इस माह भगवान शिव का विशेष पूजन किया जाएगा और मंदिरों में विशेष अनुष्ठान होंगे। सोमवार को व्रत रखे जाएंगे और रुद्राभिषेक भी किया जाएगा।

सावन माह के दौरान भक्त कई नियमों का पालन करते हैं। साथ ही इस दौरान मांस का सेवन भी नहीं किया जाता है। वैसे तो इस माह मांग का सेवन धार्मिक कारणों के चलते नहीं किया जाता, लेकिन इसका वैज्ञानिक कारण भी मौजूद है।

कम हो जाता है मेटाबॉलिज

बारिश के मौसम में न सिर्फ हमारी इम्यूनिटी कम हो जाती है, बल्कि मेटाबॉलिज यानी पाचन शक्ति भी कमजोर होती है। सूर्य की रोशनी भी पर्याप्त मात्रा में भी नहीं मिल पाती। ऐसे में बॉडी भारी भोजन को नहीं पचा पाती और यह आंत में सड़ने लगता है, जिससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

स्वास्थ्य को होता है नुकसान

बारिश का मौसम कई जीवों के लिए प्रजनन का समय होता है। ज्यादातर जीवन इस मौसम में बच्चों को जन्म देते हैं। किसी भी प्रेग्नेंट जानवर को खाने से शरीर को भारी नुकसान पहुंचता है। वैज्ञानिकों का भी कहना है कि जानवरों में इस दौरान कई हार्मोनल चेंज भी होते हैं, जिससे स्वास्थ्य पर असर पड़ता है।

हो सकता है इंफेक्शन

बारिश में कई तरह के संक्रमण फैलने का खतरा रहता है। इसकी चपेट में जानवर भी आ जाते हैं। ऐसे संक्रमित जानवरों का मांग खाने से शरीर के भी संक्रमित होने का खतरा रहता है।

आयुर्वेद में ये कारण

आयुर्वेद के अनुसार बारिश में इम्यूनिटी कमजोर होने के कारण ऑयली, नॉनवेज या मसालेदार खाना नहीं खाना चाहिए। इससे हमारी पाचन क्रिया पर बुरा असर पड़ता है। आयुर्वेद में सावन में हल्का भोजन खाने की सलाह दी जाती है।

सावन माह में 28 जुलाई को मनाई जाएगी कालाष्टमी

कालाष्टमी को सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक माना जाता है। यह पावन दिन भगवान काल भैरव की पूजा के लिए समर्पित है। ऐसा माना जाता है कि कालाष्टमी हर माह कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है। ऐसा कहा जाता है कि जो लोग इस शुभ समय में पूजा-पाठ करते हैं, उन्हें दुख-दरिद्रता से छुटकारा मिलता है।

इसके साथ ही सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस बार कालाष्टमी 28 जुलाई, 2024 दिन रविवार को मनाई जाएगी, तो आइए इस दिन से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातों को जानते हैं -

मासिक कालाष्टमी शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, 27 जुलाई, 2024 को अष्टमी तिथि रात 9 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसकी समाप्ति 28 जुलाई, 2024 को रात 7 बजकर 27 पर होगी। सनातन धर्म में उदयातिथि मान्य है। इसलिए पंचांग को देखते हुए इस माह यह पर्व 28 जुलाई को मनाया जाएगा।

मासिक कालाष्टमी की पूजा विधि

व्रती सुबह उठकर स्नान करें। इसके बाद साफ कपड़े धारण करें। अपने पूजा कक्ष को अच्छी तरह से साफ करें। एक

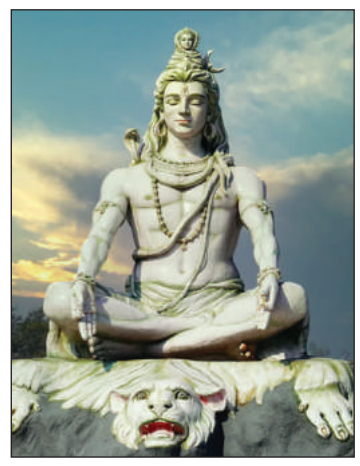

वेदी पर भैरव बाबा की प्रतिमा स्थापित करें। फिर पंचामृत से उनका अभिषेक करें। उन्हें इत्र लगाएं और फूलों की माला अर्पित करें।

चंदन का तिलक लगाएं। फल, मिठाई, घर पर बने प्रसाद का भोग लगाएं। भगवान के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं और काल भैरव अष्टक का पाठ भाव के साथ करें। आरती से पूजा को समाप्त करें। आखिरी में पूजा में हुई गलतियों के लिए क्षमायाचना करें। व्रती अगले दिन प्रसाद से अपना व्रत खोलें। जरूरतमंदों को भोजन खिलाएं और उनकी मदद करें।

इस दिन मार्गी होंगे न्याय के देवता शनिदेव

इस राशि के जातकों को साढ़ेसाती के प्रभाव से मिलेगी मुक्ति

शनिदेव को न्याय का देवता कहा गया है, वे लोगों को उनके कर्म के अनुसार फल देते हैं। प्रत्येक शनिवार को शनिदेव पर तेल चढ़ाने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। साथ ही सभी संकटों से छुटकारा मिलता है।

शनि देव के वर्की और मार्गी होने का जातकों को कुंडली पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है। शनि देव 29 जून को वर्की हुए थे, जिसके बाद से ही अब तक वे कुंभ राशि में विराजमान हैं। यहां आपको बताते हैं शनि देव दोबारा कब मार्गी होंगे और कब राशि परिवर्तन करेंगे।

कब होंगे मार्गी

शनि देव 29 मार्च 2025 तक कुंभ राशि में विराजित रहेंगे। शनिदेव फिलहाल इसी राशि में वर्की चाल चल रहे हैं। वहीं, 15 नवंबर 2024 से शनि देव मार्गी हो जाएंगे। गौरतलब है कि 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी और 13 नवंबर को तुलसी विवाह है। इसके करीब 2 दिन बाद यानी 15 नवंबर को शाम 8 जबकर 07 मिनट पर शनि देव मार्गी हो जाएंगे।

कम होगा साढ़ेसाती का असर

वर्तमान में मकर राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का अंतिम चरण चल रहा है। जबकि, मीन राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का प्रथम और कुंभ राशि के जातकों पर द्वितीय चरण चल रहा है। शनि के राशि परिवर्तन के बाद मकर राशि के जातकों को साढ़ेसाती के असर से मुक्ति मिल जाएगी। वहीं, मेष राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का प्रथम चरण शुरू हो जाएगा।

रावण ने क्यों की थी शिव तांडव स्तोत्र की रचना?

सनातन धर्म में पूजा-पाठ करने का अधिक महत्व है। इस दौरान साधक प्रभु को अलग-अलग तरह के भोग लगाते हैं और सुंदर वस्त्र पहनाते हैं। इसके अलावा मंत्र और स्तुति का पाठ करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इन कार्यों को करने से पूजा सफल होती है और इंसान के जीवन में खुशियों का आगमन होता है। सभी देवी-देवताओं में भगवान शिव को सबसे उच्च स्थान प्राप्त है।

ऐसे हुई शिव तांडव स्तोत्र की रचना

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार लंकापति रावण ने भगवान शिव को कैलाश पर्वत सहित उठा कर लाने का निर्णय किया। इसके बाद जब वह कैलाश पर्वत की ओर बढ़ा, तो नंदी ने उन्हें रोक दिया और कैलाश पर्वत की सीमा को पार करने के लिए मना कर दिया और कहा कि भगवान महादेव तपस्या कर रहे हैं और ऐसे में उनकी तपस्या में बाधा डालने का आप प्रयास न करें। नंदी के द्वारा

मना करने पर रावण क्रोधित होकर सीमा पार कर दी और कैलाश पर्वत को उठाया तो भगवान शिव ने अपने पैर के अंगूठे से पर्वत को दबा दिया और रावण उस पर्वत के नीचे दब गया।

इसके पश्चात रावण ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए जो स्तुति की थी, उसे शिव तांडव स्तोत्र कहा जाता है।

मान्यता है कि जिस स्थान पर रावण दबा था। उसे राक्षस ताल कहा जाता है।

शिव तांडव स्तोत्र पाठ का महत्व

शिव तांडव स्तोत्र का पाठ करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और जातक की सभी मनोकामनाएं जल्द पूरी होती हैं। इसके साथ ही शिव तांडव स्तोत्र का पाठ करने से कुंडली में शनि ग्रह का दुष्प्रभाव कम होता है। पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए शिव तांडव स्तोत्र का पाठ करना बेहद कल्याणकारी माना गया है।

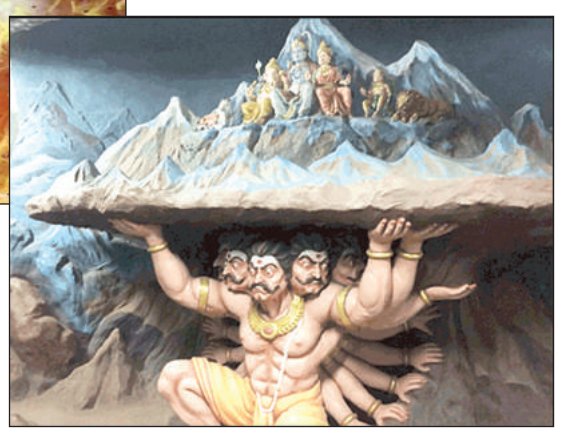

वास्तु शास्त्र के इन उपाय से जीवन को बनाएं खुशहाल, सुख-शांति की होगी प्राप्ति

सनातन धर्म में वास्तु शास्त्र का बेहद खास महत्व है। इसमें इंसान के जीवन से संबंधित कई तरह के उपाय का वर्णन किया गया है। ऐसा माना जाता है कि वास्तु शास्त्र के इन टोटके के जरिए इंसान अपना जीवन सुखमय बना सकता है। साथ ही सभी सुखों को प्राप्त कर सकता है।

अपनाएं ये वास्तु टिप्स

वास्तु शास्त्र में घर की उत्तर-पूर्व दिशा को महत्वपूर्ण माना जाता है। इस वजह से इस दिशा में कूड़ा और पुरानी चीजें भूलकर भी न रखें। अगर आपने ऐसा किया हुआ है, तो इसमें आज ही बदलाव करें।इससे परिवार के सस्दयों में सुख-शांति बनी रहेगी।

अगर आप घर में खुशियों का आगमन चाहते हैं, तो इसके लिए घर में लाफिंग बुद्धा को लाएं, क्योंकि लाफिंग बुद्धा को

सुख-समृद्धि का प्रतीक माना गया है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में लाफिंग बुद्धा को रखने से सुख-शांति प्राप्त होगी और परिवार के सदस्य को आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

अगर आपने बेडरूम में डूबता जहाज, महाभारत युद्ध या हिंसक पशु-पक्षी की तस्वीर लगा कर रखी है, तो इससे दांपत्य जीवन में तनाव उत्पन्न हो सकता है। इसलिए इन्हें आज ही हटा दें।

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को पवित्र माना गया है। यह पौधा अधिकतर हिंदुओं के घर में पाया जाता है। इस पौधे की रोजाना पूजा की जाती है। साथ ही देशी घी का दीपक जलाया जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में मेन गेट पर पौधे की जड़ को लाल कपड़े में बांधकर लटका दें। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश नहीं करेगी और परिवार के सदस्यों को धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होगी। इसके अलावा घर में उत्पन्न वास्तु दोष खत्म होगा।

घर में दौड़ते हुए सात घोड़ों की तस्वीर लगाना बेहद उत्तम माना जाता है। इस तरह की तस्वीर लगाने से रुके हुए काम तेजी से पूरे होते हैं और घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है और शांति प्राप्त होती है।

अक्षय कुमार की इन फिल्मों ने ओपनिंग वीकेंड पर की थी बंपर कमाई

टॉप-10 में जगह नहीं बना पाई 'सरफिरा'

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की की फिल्म 'सरफिरा' 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर पहला वीकेंड पूर कर लिया है और कमाई के आंकड़े सामने आ गए हैं। फिल्म 'सरफिरा' ने ओपनिंग वीकेंड पर सिर्फ 12.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है जो काफी कम है। इस तरह से फिल्म 'सरफिरा' अक्षय कुमार की टॉप 10 मूवीज की लिस्ट में जगह नहीं बना पाई ह ै । आइए जानते हैं कि अक्षय कुमार की टॉप 10 ओपनिंग वीकेंड मूवीज की लिस्ट में कौन सी फिल्में बनी हुई हैं।

मिशन मंगल –अक्षय कुमार की फिल्म 'मिशन मंगल' साल 2019 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने ओपनिंग वीकेंड पर 97.56 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

2.0– अक्षय कुमार की फिल्म '2.0' ने साल 2018 में सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। अक्षय कुमार की इस फिल्म ने ओपनिंग वीकेंड पर 97.25 करोड़ रुपये कमाए थे।

केसरी– अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी' साल 2019 में रिलीज हुई थी। फिल्म 'केसरी' ने ओपनिंग वीकेंड पर 78.07 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।

सूर्यवंशी – अक्षय कुमार की फिल्म की 'सूर्यवंशी' साल 2021 में सिनेमाघरों में आई थी। इस फिल्म ने पहले वीकेंड पर 77.08 करोड़ रुपये कमाए थे।

गोल्ड– अक्षय कुमार की फिल्म 'गोल्ड' साल 2018 में आई थी। अक्षय कुमार की फिल्म 'गोल्ड' ने पहले वीकेंड पर 70.05 रुपये की कमाई की थी।

गुड न्यूज– अक्षय कुमार की फिल्म 'गुड न्यूज' साल 2019 में रिलीज हुई थी। फिल्म 'गुड न्यूज' ने बॉक्स ऑफिस पर पहले वीकेंड पर 65.99 करोड़ रुपये कमाए थे।

राम सेतु – अक्षय कुमार की फिल्म' राम सेतु' साल 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने पहले वीकेंड पर 55.48 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।

सिंह इस ब्लिंग– अक्षय कुमार की फिल्म 'सिंह इज ब्लिंग' साल 2015 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने ओपनिंग वीकेंड पर 54.44 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।

हाउसफुल 3– अक्षय कुमार की फिल्म 'हाउसफुल 3' साल 2016 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने ओपनिंग वीकेंड पर 53.31 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।

ब्रदर्स – अक्षय कुमार की फिल्म की 'ब्रदर्स' साल 2015 में रिलीज हुई थी। अक्षय कुमार की इस फिल्म ने पहले वीकेंड पर 52.08 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

सरफिरा – अक्षय कुमार की फिल्म 'सरफिरा' 12 जुलाई को रिलीज हुई थी और ओपनिंग वीकेंड पर 12.50 करोड़ रुपये कमाए हैं। इस फिल्म ने अक्षय कुमार की टॉप 10 ओपनिंग वीकेंड मूवीज में जगह नहीं बना पाई।

बिग बॉस ओटीटी 3 कंटेस्टेंट शिवानी कुमारी ने छत पर लगाए ठुमके

अनिल कपूर के रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 3 में पांचवा हफ्ता शुरु हो चुका है। आए दिन बिग बॉस के घर में लड़ाई-झगड़े देखने को मिलते हैं। इस हफ्ते वीकेंड के वार में अनिल कपूर ने कुछ कंटेस्टेंट्स की वाट लगाई है। शो से अब तक 5 लोग घर से बेघर हो चुके हैं, जिनमें नीरज गोयत, पायल मलिक, मुनीषा, पौलोमी और चंद्रिका दीक्षित का नाम शामिल हैं। आपको बता दें, पिछले कुछ हफ्तों से शिवानी को लोग तरह तरह की टैग दे रहे हैं। किसी का कहना है कि शिवानी बहुत बदतमीज हैं, तो कुछ का मानना है कि शिवानी अटेंशन सीकर हैं। लेकिन अब शिवानी कुमारी पहले हफ्ते के हिसाब से बहुत अच्छा खेल रही हैं। लोग उनके गेम को अब खूब पसंद कर रहे हैं। वहीं इसी बीच शिवानी का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में शिवानी कुमारी छत पर ठुमके लगाती दिख रही हैं।

दरसल शिवानी कुमारी ने इसी साल मई के महीने में अपनी ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में शिवानी कुमारी छत पर हरियाणवी गाने 'चुन्नी' पर ठुमके लगाते दिख रही हैं। वीडियो में शिवानी ने सूट और पैरों में जूते पहने हुए हैं। वीडियो में शिवानी कुमारी के डांस मूव्स और एक्सप्रेशंस देखते ही बन रही है। शिवानी कुमारी के इस पुराने वीडियो पर लोग जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक शख्स ने लिखा है, 'दीदी कोई नहीं है टक्कर में', वहीं दूसरे शख्स ने कमेंट किया है, 'क्या मस्त डांस है'। बता दें कि शिवानी कुमारी के इस वीडियो पर अब तक ढाई लाख से भी ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं।

किसी ने भी नहीं सोचा था कि मैं 36 डेज में ग्रे किरदार निभाऊंगी: नेहा शर्मा

इल्लीगल, शाइनिंग विद द शर्मा जैसी वेब सीरीज के बाद एक्ट्रेस नेहा शर्मा इन दिनों 36 डेज को लेकर सुर्खियों में हैं। सीरीज में वह फराह का किरदार निभा रही हैं।शो में अपनी कास्टिंग पर नेहा ने बात की। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि किसी ने भी सोचा था कि मैं एक ग्रे किरदार निभा सकती हूं, इसलिए जब मेकर्स ने 36 डेज के लिए मुझसे बात की, तो मैं एक्टसाइटेड हो उठी। मैंने ओरिजनल बीबीसी शो 35 डेज का थोड़ा सा हिस्सा देखा था, और यह बिल्कुल दिमाग घुमाने वाला था।उन्होंने कहा, जब उन्होंने मुझे इस फिल्म के लिए चुना, तो मैं इसका हिस्सा बनने के लिए बेताब थी।

इस प्रोजेक्ट में शामिल होने का मैं बेसब्री से इंतजार कर रही थी। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि इस शो को लेकर दर्शक कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। उम्मीद करती हूं कि वे इसका आनंद लेंगे।शो में पूरब कोहली, श्रुति सेठ, चंदन रॉय सान्याल, अमृता खानविलकर, शारिब हाशमी, सुशांत दिवगिकर, शेरनाज पटेल, फैजल राशिद, चाहत विग और केनेथ देसाई अहम रोल में हैं।

विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित, 36 डेज यूके शो 35 डेज का आधिकारिक भारतीय रूपांतरण है।36 डेज का निर्माण बीबीसी स्टूडियोज इंडिया के सहयोग से अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है।सीरीज सोनी लिव पर स्ट्रीम हो रही है।बता दें कि, नेहा क्रूक, यमला पगला दीवाना 2, यंगिस्तान, तुम बिन 2, तान्हाजी और जोगीरा सारा रा रा जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं।

गुड बैड अग्ली का नया पोस्टर जारी

साउथ सुपरस्टार अजित इन दिनों अपनी फिल्म गुड बैड अग्ली को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं। अभिनेता पहले ही फिल्म की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। हाल ही में फिल्म से अजित का पहला लुक सामने आया था, जिसमें वे माफिया डॉन के किरदार में नजर आए थे। वहीं, अब फिल्म का नया पोस्टर जारी हो चुका है, जिसमें अजित का नया अवतार देखने को मिला।गुड बैड अग्ली से अजित कुमार का दूसरा लुक पोस्टर अब सामने आ गया है। कैदी की पोशाक में अजित पृष्ठभूमि में धधकती बंदूकों के बीच खड़े हैं। फिल्म का पहला लुक मई में जारी किया गया था। 2023 में थुनिवु के बाद अजित कुमार अगली बार गुड बैड अग्ली में नजर आएंगे। साउथ स्टार अपने प्रचारक सुरेश चंद्रा द्वारा साझा किए गए दूसरे लुक पोस्टर में शानदार दिख रहे हैं। पोस्टर पर गॉड ब्लेस यू मामा लिखा हुआ था।इसे साझा करते हुए उन्होंने लिखा, गुड बैड अग्ली का दूसरा लुक। भगवान आपका भला करे मामा। गुड बैड अग्ली सिनेमाघरों में पोंगल 2025। गुड बैड अग्ली के नए पोस्टर में अजित जेल के कैदी के रूप में नजर आ रहे हैं, उनके कपड़ों पर कैदी नंबर 63 का टैग है। वहीं फर्स्ट लुक पोस्टर में अजित कुमार रंगीन शर्ट पहने हुए नजर आ रहे थे। उनके हाथ पर टैटू बना हुआ था और उनके सामने बंदूकें रखी हुई थीं।रिपोर्ट्स के अनुसार, अजित फिल्म में तीन अलग-अलग लुक में होंगे। अजित के तीन किरदार फिल्म के नाम गुड बैड अग्ली को दिखाएंगे। ऐसा कहा जा रहा है कि अजित एक नकारात्मक किरदार भी निभा सकते हैं। वहीं उनके एक किरदार काले बाल वाले युवा का होगा। कुछ हिस्सों में वे पोनीटेल के साथ नजर आएंगे। हालांकि, आधिकारिक जानकारियों का इंतजार बाकी है।वहीं, बात करें गुड बैड अग्ली की तो यह एक को एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। फिल्म का निर्देशन अधिक रविचंद्रन करेंगे। फिल्म का संगीत राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीतकार देवी श्री प्रसाद द्वारा तैयार किया जाएगा। सिनेमैटोग्राफी अबिनंदन रामानुजम करेंगे और संपादन विजय वेलुकुट्टी द्वारा किया जाएगा। फिल्म का निर्माण नवीन ने मैत्री मूवी के बैनर तले किया है। फिल्म पोंगल 2025 के दौरान रिलीज होने वाली है।

शमा सिकंदर ने व्हाइट ऑफ शोल्डर ड्रेस में शेयर की बोल्ड फोटो

एक्ट्रेस शमा सिकंदर अक्सर अपने लुक और ग्लैमरस अदाओं के चलते चर्चा में रहती हैं। वह अपनी एक्टिंग से ज्यादा अदाओं और बोल्डनेस को लेकर सुर्खियों बटोरती है। इसी राह में उन्होंने एक फोटो ऐसा शेयर किया है जिसपर फैंस की नजरें थमना तो बनती है। साथ ही फैंस का रिएक्शन भी जमकर सामने आ रहा है। चलिए शमा सिकंदर की लेटेस्ट फोटो दिखाते हैं।एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर एक नया लुक शेयर किया है। शमा सिकंदर ने अपने इंस्टाग्राम पर ग्लैमरस अंदाज दिखाते हुए अपनी एक फोटो शेयर की है। इस फोटो में एक्ट्रेस व्हाइट ऑफ शोल्डर ड्रेस में नजर आ रही हैं। ये लुक उनपर काफी जच रहा है।शमा सिकंदर के हेयरस्टाइल की बात करें तो उन्होंने बालों को पीछे की तरफ बांधा हुआ है। मेकअप की बात करें तो उन्होंने अपने लुक के लिए ग्लोसी मेकअप को चुना है। इस पूरे लुक को उन्होंने जिस तरह कैरी किया है वह कमाल है। उनका कॉन्फिडेंस चार नहीं चालीस चांद लगा रहा है।एक्ट्रेस की यह फोटो अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है। फैंस उनके इस फोटो पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। 41 साल की उम्र में एक्ट्रेस ने खुद को काफी फिट रखा है।

अदाओं के मामले में तो वह किसी भी एक्ट्रेस को टक्कर दे सकती हैं।शमा ने टीवी से लेकर, बॉलीवुड और म्यूजिक वीडियो में भी काम किया है। उन्हें सोनी टीवी के शो ये मेरी लाइफ है से लोकप्रियता हासिल मिली। वह बाल वीर और मैया: स्लेव ऑफ हर डिजायर्स सहित कई शो में काम कर चुकी हैं।वह कई फिल्मों का हिस्सा भी रह चुकी हैं, जिसमें प्रेम अगन, मन, ये मोहब्बत है, अंश द डेडली पार्ट, बस्ती, धूम धड़ाका, कॉन्ट्रैक्ट और बायपास रोड शामिल हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने बच्चे का प्रदर्शन आपको बहुत ख़ुशी देगा। अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है जिसके आने से आपको घर के उन समानों पर भी खर्चा करना पड़ सकता है जिनको आपने अगले महीने पर टाला हुआ था। आज आपका मन ख़ुश होगा और आप अपने दोस्तों व परिवार के सदस्यों पर पैसे ख़र्च करने का आनंद लेंगे। प्रेम हमेशा आत्मीय होता है और यही बात आप आज अनुभव करेंगे। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से ख़ास तोहफ़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और प्रगति निश्चित है। आप ख़ुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे– जो आपको आर्थिक फ़ायदा पहुँचाएंगे। ऐसे कामों में सहभागिता करने के लिए अच्छा समय है, जिसमें युवा लोग जुड़े हों। इस राशि के जातक आज ख़ाली वक्त में रचनात्मक काम करने का प्लान तो बनाएंगे लेकिन उनका यह प्लान पूरा नहीं हो पाएगा। अगर थोड़ी–सी कोशिश की जाए तो जीवनसाथी के साथ आज का दिन आपकी ज़िन्दगी के सबसे रोमानी दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। पैसा अचानक आपके पास आएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आज जीवन के कई अहम मुद्दों पर आप घरवालों के साथ बैठकर बात कर सकते हैं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है। आपको कोई सरप्राइज़ मिल सकता है

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आज आपका धन कई चीज़ों पर खर्च हो सकता है, आपको आज अच्छा बजट प्लान करने की आवश्यकता है इससे आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। आज आपको डेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा। आपके मन में आज अपने किसी ख़ास को लेकर निराशा रहेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। आपको बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है। वाहन चलाते हैं तो आज थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी सेहत का ख़याल रखें। आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली–भांति अध्ययन कर लें। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा। आज के दिन का अच्छा प्रयोग आप उज्ज्वल भविष्य की योजना बनाने के लिए कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ऊर्जा और उत्साह का अतिरेक आपको घेर लेगा और आप सामने आने वाले सभी मौक़ों का भरपूर फ़ायदा उठाएंगे। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। जीवनसाथी के साथ ख़रीदारी मज़ेदार रहेगी। इससे आप दोनों के बीच की समझ में भी इज़ाफ़ा होगा। जो भी बोलें, सोच–समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। इस राशि के जातक आज ख़ाली वक्त में रचनात्मक काम करने का प्लान तो बनाएंगे लेकिन उनका यह प्लान पूरा नहीं हो पाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाज़ुक रहेंगे। आपके जीवनसाथी की सुस्ती आपके कई कामों पर पानी फेर सकती है। आपको महसूस हो सकता है कि आप अपना दिन बर्बाद कर रहे हैं। इसलिए अपने दिन की योजना बेहतर तरीके से बनाएँ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक़्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम–से–कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप आज ऊर्जा से भरपूर होंगे और कुछ असाधारण करेंगे। व्यापार में मुनाफ़ा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर ख़ुशी ला सकता है। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। यात्रा के चलते रुमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। यह शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक है। आपको प्रेम की गहराई का अनुभव करेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खाते–पीते वक़्त सावधान रहें। लापरवाही बीमारी की वजह बन सकती है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है। आपके दिन की शुरुआत शानदार रहेगी और इसलिए आज पूरे दिन आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तली–भुनी खाने की चीज़ों से किनारा करें। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 16 जुलाई 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 08:35 तक
नक्षत्र : विशाखा रात्रि 02:14 तक
योग : साध्य प्रातः 07:18 तक
करण : तैतिल प्रातः 08:03 तक
चन्द्रराशि : तुला रात्रि 07:52 तक
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : आशा दशमी , मन्वादि तिथि , कर्क संक्रांति प्रातः 11:18 से , संक्रांति पुण्यकाल सूर्योदय से मध्यान्ह तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सरकार के एक फैसले ने जिले के साढ़े तीन हजार बच्चों का एडमिशन अटकाया

झुंझुनू,15 जुलाई (एजेंसियां)।

सरकारी स्कूलों में पहली कक्षा में प्रवेश की उम्र छह साल निर्धारित किए जाने के कारण प्रदेश के हजारों बच्चे स्कूलों में प्रवेश से वंचित रह गए हैं। अकेले झुंझुनू में उम्र की बाध्यता के कारण पहली कक्षा में प्रवेश लेने वाले साढ़े तीन हजार बच्चे दायरे से बाहर हो गए हैं, अब इन्हें बाल वाटिका, आंगनवाड़ी केंद्र या फिर गैर राजकीय विद्यालयों में एलकेजी, यूकेजी व नर्सरी में प्रवेश लेना पड़ेगा।

राजकीय व गैर राजकीय विद्यालयों में कक्षा एक में सीधे प्रवेश के लिए बच्चे की उम्र एक अक्टूबर को छह साल होना जरूरी है। हालांकि जो बच्चे राजकीय, गैर राजकीय विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों व बाल बाटिकाओं में पहले से अध्ययनरत हैं, उन पर आयु गणना एक अक्टूबर 2024 की निर्धारित तिथि लागू नहीं होगी।

मंड्रेला के वार्ड नंबर नौ निवासी

अभिभावकों की चिंता बढ़ी

आजम अली अपनी बेटी अलीना का कस्बे के राजकीय लाठ उच्च माध्यमिक विद्यालय में कक्षा एक में प्रवेश दिलाने के लिए गए, लेकिन बच्ची की उम्र छह साल से कम होने की वजह से प्रवेश देने से इंकार कर दिया गया। आजम बताते हैं कि अब उन्हें मजबूरीवश किसी निजी स्कूल में प्रवेश दिलाना होगा।

पदमपुरा गांव के कृष्णकुमार अपने पुत्र कृष कुमार को गांव के सरकारी स्कूल में कक्षा एक में सीधे प्रवेश दिलाना चाहते थे लेकिन कृष की उम्र छह साल से कम होने की वजह सीधे प्रवेश के लिए विद्यालय प्रबंधन ने मना कर दिया। अब उसे निजी विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र या बाल वाटिका में प्रवेश दिलाना पड़ेगा। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के चलते जो अभिभावक अपने बच्चों का प्रवेश गैर राजकीय विद्यालयों में नहीं दिला सकते हैं, उन्हें अब अपने बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र या महात्मा गांधी राजकीय विद्यालयों में संचालित बाल वाटिकाओं में प्रवेश दिलाना पड़ेगा। झुंझुनू जिले में 119 के करीब महात्मा गांधी विद्यालय संचालित हैं और इनमें 50 में ही बाल वाटिकाएं संचालित हैं। इसके अलावा जिले में 1595 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं।

सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयों में छह साल से कम उम्र के बच्चों को कक्षा एक में अब सीधे प्रवेश नहीं मिल सकेगा। बच्चे की उम्र 1 अक्टूबर 2024 को अगर छह साल की हो रही तो ही उसे प्रवेश दिया जाएगा। पहले से पढ़ने वाले बच्चों के लिए उम्र की यह बाध्यता नहीं रहेगी। प्रवेशोत्सव के दौरान छह साल से कम उम्र के साढ़े तीन हजार बच्चों के अभिभावक कक्षा एक में प्रवेश दिलाना चाह रहे थे, अब उन्हें कक्षा एक में प्रवेश नहीं मिल पाएगा। उन्हें बाल वाटिका या आंगनबाड़ी में प्रवेश दिलाना होगा।

बच्चों को स्कूल ले जा रही बस गड्ढे में गिरी

सिरोही,15 जुलाई (एजेंसियां)।

सरूपगंज थानांतर्गत भिलावा मोड़ पर सोमवार सवेरे बच्चों को ले जा रही दिल्ली पब्लिक स्कूल की बस गड्ढे में गिर गई। इसमें बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के साथ ही चालक घायल हो गया। सूचना मिलने के बाद सरूपगंज पुलिस थाने के हेडकांस्टेबल लक्ष्मणराम अपने सहयोगियों के साथ मौके पर पहुंचे। घायल चालक को को सरूपगंज अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के अनुसार दिल्ली पब्लिक स्कूल की ये बस रोजाना की तरह बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी। भिलावा मोड़ के समीप आगे चल रहे ट्रेलर चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया। इसे देखते हुए बस चालक ने बचने का प्रयास किया। इस दौरान बस पीछे से टकराते हुए रोड के समीप गड्ढे में उतर गई। दुर्घटना में बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त होने से चालक घायल हो गया। इसके बाद उसे सरूपगंज अस्पताल ले जाकर इलाज करवाया गया। दुर्घटना के समय बस में 30 बच्चे सवार थे। गनीमत यह रही कि किसी बच्चे को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

महायज्ञ के समापन पर देवनारायण धाम में पहुंचे सचिन

सवाई माधोपुर,15 जुलाई (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता सचिन पायलट आज सवाई माधोपुर जिले के घाटा नैनवाड़ी गांव स्थित देवनारायण धाम पहुंचे, यहां उन्होंने महायज्ञ समापन के धार्मिक कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान सचिन पायलट के साथ टोंक–सवाई माधोपुर के सांसद हरीश मीणा, बामनवास विधायक इंदिरा मीणा, अनिता जाटव, वेदप्रकाश सोलंकी, दानिश अबरार, अशोक बैरवा, घनश्याम महर सहित अन्य कांग्रेस नेता भी मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने घाटा नैनवाड़ी में देवनारायण मंदिर कमेटी एवं गुर्जर समाज द्वारा बनवाई गई स्वर्गीय राजेश पायलट की प्रतिमा का अनावरण भी किया।

कार्यक्रम में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि

राजेश पायलट की प्रतिमा का अनावरण किया

आज का युग बदलाव का युग है, हमें समाज के हर तबके को साथ लेकर चलना होगा और शिक्षित होना होगा। हर चीज को सोचने–समझने की ताकत शिक्षा से ही मिलती है। उन्होंने कहा कि हमें समाज के हर वर्ग, हर तबके के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि समय, हवा–पानी को कोई नहीं रोक सकता, जब वक्त आता है तो सब काम अपने आप होते चले जाते हैं।

पायलट ने कहा कि राजनीति में जो नेता लोगो को जोड़ने का काम करता है उसे सदियों तक याद रखा जाता है। भले ही आज प्रदेश में हमारी सरकार नहीं है पर मंच पर बैठे सभी कांग्रेस नेता आम जनता की आवाज को पूरी ताकत के साथ उठाएंगे।

प्रेमिका के बयान बदलने पर प्रेमी ने जहर खाया

चित्तौड़गढ़,15 जुलाई (एजेंसियां)।

जिला मुख्यालय के सदर थाना इलाके में रहने वाले एक युवक ने विषाक्त का सेवन कर लिया। उसे गंभीर अवस्था में उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है। युवक ने समुदाय विशेष की एक युवती के साथ घर से गायब होने के बाद पुलिस पर युवती के बयान बदलवाने और युवती के परिजनों पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस इस मामले में नियमानुसार कार्रवाई करने की बात कर रही है।

जानकारी के अनुसार चित्तौड़गढ़ शहर में रेलवे कॉलोनी निवासी दीपक पुत्र बबलू मीणा गत 11 जुलाई को एक समुदाय विशेष की युवती के साथ गायब हो गया था। इसे बगरू थाना पुलिस ने पकड़ा और चित्तौड़गढ़ सदर थाने में पेश किया। इसके बाद पुलिस ने बयान दर्ज किए थे। बयानों के आधार पर युवती को उसके परिजनों के साथ भेज दिया था। थाने से लौटने के बाद युवक ने बीती रात विषाक्त सेवन कर लिया, इससे उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

नागौर,15 जुलाई (एजेंसियां)।

नागौर के कोतवाली थाना इलाके मानासर रेलवे फाटक के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में युवक का सिर धड़ से अलग हो गया। हादसा काचीगुड़ा से लालगढ़ जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन से हुआ। घटना के बाद गार्ड ने मौके से ट्रेन में शव को रखवाकर नागौर रेलवे स्टेशन पर पहुंचाया। कोतवाली पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। उप निरीक्षक अमरचंद गौरा मौके पर पहुंचे।

युवक की पहचान सुरपालिया थाना इलाके के कांगसिया निवासी दीपेंद्र सिंह पुत्र महिपाल सिंह (35) के रूप में हुई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन नागौर के रेलवे स्टेशन पर पहुंचे।

शेयर मार्केट में मुनाफे का झांसा देकर करते थे ठगी

अजमेर,15 जुलाई (एजेंसियां)।

पुलिस ने सोमवार को शेयर मार्केट में बड़े मुनाफे का झांसा देकर ठगी करने वाले दो आरोपियों से 19 लाख 46 हजार 800 रुपए नकद, 14 मोबाइल, 8 सिम, 4 एटीएम डेबिट कार्ड और अन्य व्यक्तियों की पासबुक बरामद की है। साथ ही पुलिस ने मामले में 8 लाख 75 हजार 500 रुपए बैंक अकाउंट में फ्रीज करवाए हैं।

साइबर थाना पुलिस ने मामले में 28 अन्य आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा भी दर्ज किया है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ में जुटी है। मामले का खुलासा करते हुए अजमेर एसपी देवेंद्र कुमार बिश्नोई ने बताया कि पीड़ित को सोशल मीडिया पर कांटेक्ट करके शेयर मार्केट में बड़ा मुनाफा देने का झांसा देकर

19 लाख नकदी के साथ पुलिस हिरासत में साइबर ठग

मोतीलाल ओसवाल पीएमएस का फर्जी ऐप डाउनलोड करवाया और बाद में एप के जरिए टुकड़ों में करीब 1 करोड़ 24 लाख रुपए की ठगी की।

पीड़ित की रिपोर्ट पर साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कर सब इंस्पेक्टर मनीष चारण के नेतृत्व में टीम का गठन कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। एसपी देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने बताया कि टीम ने संबंधित बैंकों के नोडल अधिकारी और अन्य कर्मचारियों के सहयोग लेकर आरोपियों को चिन्हित किया और कुचेरा जिला नागौर निवासी हरीश शर्मा (20) पुत्र संजय शर्मा व डेगाना जिला नागौर निवासी रघुनाथ पुत्र रामदेव चौधरी को गिरफ्तार किया।

एसपी बिश्नोई ने बताया कि आरोपी हरीश शर्मा के कब्जे से 16 लाख 56 हजार 800 रुपए नकद, दो मोबाइल और रघुनाथ के कब्जे से 12 मोबाइल, 4 पीएनबी बैंक की अन्य व्यक्तियों की पासबुक, 4 एटीएम डेबिट कार्ड, 8 मोबाइल सिम व 2 लाख 90 हजार नकद जब्त किए गए। पुलिस ने मामले में 28 अन्य आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। दोनों गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश करके रिमांड पर लेकर पूछताछ जारी है।

एसपी देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने बताया कि दोनों आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि साइबर ठगी करने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोगों को अच्छे मुनाफे का झांसा देते थे। बाद में निवेश के नाम पर फर्जी तरीके से बैंक खातों में रकम डलवाकर क्रिप्टो करंसी/णडञ्ढ में बदलने बाद उसे भारतीय मुद्रा में बदलकर फर्जी तरीके से प्राप्त अन्य बैंक खातों में डलवाकर नकद निकाल लेते हैं। गिरफ्तार दोनों आरोपियों से मामले में पूछताछ जारी है, पुलिस को इन आरोपियों से अन्य वारदातें खुलने की उम्मीद है।

बिग बॉस फेम शहनाज गिल को बड़ी राहत

हाईकोर्ट ने अवैध करार दिया कांट्रैक्ट, म्यूजिक कंपनी ने दायर किया था केस

चंडीगढ़,15 जुलाई (एजेंसियां)।

बिग बॉस 13 फेम शहनाज गिल को पंजाब–हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। गायिका व अभिनेत्री शहनाज गिल को राहत देते हुए हाईकोर्ट ने उनके और एक म्यूजिक कंपनी के बीच हुए अनुबंध को अवैध करार देते हुए खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट कर दिया कि अनुबंध की स्वतंत्रता पक्षों के बीच समानता पर आधारित होनी चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा कि समझौता संघर्ष के दिनों में जल्दबाजी में किया गया था, किसी एक कंपनी के लिए गायक को गाने के लिए बाध्य नहीं कर सकते।

हाईकोर्ट ने शहनाज के खिलाफ दायर याचिका को खारिज करते हुए कहा कि प्रतिवादियों की लंबी चुप्पी से प्रथम दृष्टया यह साबित होता है कि उन्होंने समझौते को रद्द मान लिया था। ऐसे में यह समझौता रद्द किए जाने योग्य मानते हुए हाईकोर्ट ने गिल के खिलाफ कंपनी की याचिका को खारिज कर दिया। सज्जन कुमार दुहन व अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए

मोहाली की अदालत की ओर से जारी 29 अगस्त, 2023 के आदेश को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता सिमरन म्यूजिक इंडस्ट्री का मालिक है और उसने शहनाज के साथ समझौता किया था कि वह केवल उसकी कंपनी के लिए गीत गाएंगी। वर्ष 2019 में शहनाज को बिग बॉस 13 में प्रतिभागी के तौर पर शामिल किया गया था और 27 सितंबर, 2019 को बिग बॉस हाउस में प्रवेश किया था।

बिग बॉस में शामिल होने से ठीक दो दिन पहले याची ने गिल से अनुरोध किया था कि वह गिल से भविष्य के काम को लेकर कांट्रैक्ट करना चाहते हैं। गिल के अनुसार बार–बार अनुरोध करने पर उन्होंने जल्दबाजी में उस कांट्रैक्ट पर साइन किए और बिग बॉस हाउस के लिए रवाना हो गईं। बिग बॉस के घर से बाहर आने के बाद उनके पास काम के कई प्रस्ताव आए, लेकिन सिमरन म्यूजिक कंपनी प्रस्ताव देने वालों को ई मेल करने लगी कि शहनाज गिल का उनके साथ अनुबंध है और उनकी इजाजत के बिना शहनाज किसी अन्य कंपनी के साथ काम नहीं कर सकती। गिल ने कंपनी को 25 दिसंबर, 2020 को एक कानूनी नोटिस भेजा। इसमें बताया गया कि समझौता गलत बयानी का परिणाम था और इसे लागू नहीं किया जा सकता। गिल ने कहा कि उसने इस समझौते को रद्द कर दिया है और वह किसी भी तरह से उससे बंधी नहीं हैं। इसके बाद कंपनी ने कोई जवाब नहीं दिया और गिल को लगा कि विवाद सुलझ गया है। दो वर्षों तक बिना किसी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप के गानों के विज्ञापन, म्यूजिक वीडियो, रिएलिटी शो, फिल्में आदि में काम किया। कंपनी ने अब अचानक म्यूजिक वीडियो घणी स्याणी के स्वामित्व पर सवाल उठा दिया जिसे देसी म्यूजिक फैक्टरी ने बनाया था और दिसंबर 2022 में रिलीज किया गया था।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

बास, हिसार,15 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा के हिसार के बास थाना क्षेत्र के गांव सोरखी में सोमवार को एक युवक का शव गांव के पशु अस्पताल में बरगद के पेड़ से लटका हुआ मिला। सुबह ग्रामीणों ने करीब 7 बजे शव को बरगद के पेड़ से लटका हुआ देखा तो इसकी सूचना सोरखी पुलिस चौकी को घटना की सूचना दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एफएसएल की टीम को मौके पर बुलाया। एफएसएल की टीम ने मौके से जरूरी साक्ष जुटाए। बास थाना पुलिस द्वारा मृतक की मां की शिकायत पर इत्तेफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। गांव सोरखी निवासी मृतक की मां संतोष ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह मेहनत मजदूरी का काम करती है। मेरे पति सुभाष चंद्र का करीब तीन साल पहले एक्सीडेंट हो गया था जिसका दिमागी संतुलन ठीक नहीं है और घर पर ही रहता है। मेरा बेटा 27 वर्षीय मंजीत शादीशुदा था। उसकी पत्नी सीमा के साथ तलाक हो चुका था और सीमा की मृत्यु भी हो चुकी है। सोमवार को सुबह करीब 5 बजे मेरा बेटा मंजीत घर से गया था और सुबह 7 बजे हमें सूचना मिली की मंजीत का शव पशु अस्पताल में बड़ के पेड़ पर लटका हुआ है। जिस सूचना पर वह व परिवार के सदस्य पशु अस्पताल में पहुंचे और देखा कि मंजीत का शव चुन्नी से लटका हुआ है।इस बात का कोई ज्ञान नहीं है कि मंजीत को किसी ने मारकर लटकाया है या अपने आप आत्महत्या की है। दो दिन पहले मंजीत की सोरखी निवासी पिंकी व उसके परिवार के सदस्यो के साथ कहासुनी हो गयी थी जिनका आपसी फैसला हो चुका था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाए।

पटना में दो बच्चों की हत्या के बाद भारी हंगामा जमकर पीटा, आंखें फोड़ने के बाद मार डाला

पटना (एजेंसियां)।

राजधानी पटना में सुबह-सुबह हंगामा मच गया, जब सड़क किनारे एक गड्ढे में दो बच्चों के शव होने की जानकारी सामने आयी। गुस्सा और भड़क गया, जब पीटकर हत्या करने के साथ आंखें फोड़े जाने की सूचना लोगों के बीच फैली। यह घटना बेउर इलाके में हुई है। सोमवार सुबह डबल मर्डर के बाद बेउर-अनीसाबाद के बीच जमकर हंगामा हो रहा है। सड़क जाम कर लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि दोनों बच्चों की नृशंस हत्या की गई है। दोनों की लाशें देखकर स्पष्ट लग रहा है कि अपराधियों ने उन्हें बेरहमी से पीटा। फिर दोनों की आंखें फोड़ दी। इससे भी मन नहीं भरा तो दोनों के छाती में चाकू से वार किया। लोग हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

लोगों का कहना है मॉर्निक वॉक करने निकले थे। इसी दौरान सड़क किनारे पानी भरे गड्ढे में दोनों बच्चों की लाशें दिखीं। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। लोगों का दावा है कि रविवार शाम से दोनों बच्चे लापता थे। इनमें से दो की लाशें मिली है। अपराधियों ने दोनों की निर्मम हत्या कर दी गई। घटना से गुस्साए लोगों ने पटना बाइपास सड़क को जाम कर किया और प्रदर्शन करने लगे। वारदात के बाद गर्दनीबाग और बेउर थाने की

पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई है।

घटना के बारे में पुष्टि करते हुए बेउर थाना प्रभारी सह प्रशिक्षु डीएसपी ने बताया कि गर्दनीबाग थाना क्षेत्र का रहने वाले दो बच्चों की लाश मिली है। इनकी पहचान विवेक कुमार (12) और प्रत्युष कुमार (11) के रूप में हुई है। दोनों गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के सरिस्ताबाद निवासी हैं। दोनों रविवार की शाम से ही लापता थे। सोमवार की सुबह एक अर्ध निर्मित मकान में दोनों की डेड बॉडी मिली है। लोगों को समझाया-बुझाया जा रहा है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

मृत विवेक कुमार के पिता विनोद कुमार ने बताया कि वह गाड़ी चलाने का काम किया करते हैं। उन्होंने बताया कि उनका बेटा विवेक चौथी कक्षा में पढ़ता था।

रविवार देर शाम दोनों घर से खेलने निकाले थे। उसके बाद अचानक लापता हो गया। काफी प्रयास के बाद जब दोनों का सुराग नहीं मिला तो उन्होंने इसकी सूचना गर्दनीबाग थाने को दी। रात्रि 10:00 बजे के आसपास जब गर्दनीबाग थाना को सूचना दिया गया तो थाना के एक सिपाही ने बताया कि अभी कोई पदाधिकारी नहीं है। कल सुबह आकर इसकी जानकारी दीजिए। इसके बाद परिवार के सभी लोग रात भर दोनों बच्चे को खोजते रहे।

विनोद कुमार ने बताया कि सुबह में यह सूचना मिली कि दो बच्चे का शव 70 फीट के नजदीक एक पानी भरे गड्ढे में फेंका हुआ है। विनोद कुमार ने आरोप लगाया कि 70 फीट के नजदीक ग्रीन सिटी केंपस के पास वहां एक कमरे में बंद कर हाथ पैर बांधकर दोनों बच्चे को जमकर पीटा गया है। बच्चे की आंख फोड़ दी गई है, जीभ में चाकू मारा गया है। सीने पर चाकू से वार किया गया है और फिर हत्या करने के बाद दोनों के शव को पास के एक पानी भरे गड्ढे में फेंक दिया गया है। उन्होंने इसे पुलिस की बड़ी ला-परवाही बताते हुए कहा कि जो भी पुलिस पदाधिकारी इस मामले में दोषी हैं। इसके अलावा जो अपराधी है, जिन्होंने हत्या की है उनको कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। घटना से गुस्सा आए लोगों ने पटना-बाइपास सड़क को जाम कर जमकर प्रदर्शन किया।

पटना पुलिस का चौंकाने वाला दावा

दो बच्चों की हत्या नहीं हुई, चार-चार लाख भी मिलेंगे

पटना (एजेंसियां)।

पटना के बेऊर थाना क्षेत्र में दो बच्चों का शव मिलने के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों ने पुलिस प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि मैं गर्दनीबाग़ थाना में आवेदन लेकर पहुंचा लेकिन वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों ने आवेदन नहीं लिया। उनका यह भी आरोप है कि पुलिस ने समय रहते बच्चों की खोजबीन नहीं की। अब शव मिलने के बाद जब पुलिसकर्मी के खिलाफ नारेबाजी और हंगामा होने लगा, तब अब पटना पुलिस ने चौंकाने वाला दावा किया है। पता एसएसपी का कहना है कि बच्चों की हत्या नहीं हुई है बल्कि उनकी डूबने से मौत हुई है। साथ ही मामले को शांत करने के लिए यह भी कहा कि डूबने से मौत होने पर बिहार सरकार की तरफ से जो चार लाख की राशि दी जाती है, वह परिजनों को मिलेगा।

स्वर्ण व्यवसायी चंदन की इलाज के दौरान मौत

72 घंटे पहले अपराधियों ने मारी थी गोली, लोगों ने जाम की सड़क

सीवान (एजेंसियां)।

सीवान में घायल स्वर्ण व्यवसायी चंदन कुशवाहा की इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अपराधियों ने 72 घंटे पहले स्वर्ण व्यवसायी पर गोलीबारी की थी। उसके बाद से चंदन कुशवाहा का इलाज गोरखपुर के बीआरडी अस्पताल में चल रहा था, जहां उनकी मौत हो गई।

मौत की खबर जैसे ही व्यसायियों को लगी तो वे आक्रोशित हो गए। उसके बाद जैसे ही शव सीवान पहुंचा तो सभी व्यवसायी मांझी-बरौली मुख्य सड़क पर मृतक चंदन कुशवाहा के शव को रखकर जमकर विरोध प्रदर्शन करने लगे।

इस दौरान व्यवसायियों ने मांग की कि जल्द से जल्द अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाए। फिर स्पीड ट्रायल चला कर उन्हें सजा दी जाए।

यही नहीं व्यवसायियों द्वारा एक मांग पत्र भी पुलिस को सौंपा गया है। उसमें लिखा गया है कि घटना जिस थाना क्षेत्र में घटी है उस थाना के थाना प्रभारी की अपराधियों और शराब तस्करों से साठ-गांठ होने की वजह से इस इलाके में आए दिन गोलीबारी और हत्या जैसी घटनाएं हो रही हैं। उन लोगों ने इस पर अविलंब रोक लगाने की मांग की है।

दरअसल, सीवान जिले के गोरिया कोठी थाना क्षेत्र के सानी बसंतपुर के निवासी चंदन कुशवाहा की दुकान तरवारा थानाक्षेत्र के बाजार में है। चंदन अपनी दुकान से रात करीब 10:00 बजे के आसपास घर लौट रहे थे। तभी घर से 100 मीटर दूर पीछा कर रहे अपाचे बाइक सवार अपराधियों ने उनपर ताबड़तोड़ गोलीबारी कर दी। उसके बाद से उनके पास से ज्वे-लरी भरा बैग लेकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, उसमें पांच लाख के गहने और तीन लाख रुपये नकदी थी। साथ ही अपराधी उनके गले की चैन और उनके हाथ की अंगूठी निकालकर फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली थी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

72 घंटे पहले हुई गोलीबारी में घायल चंदन कुशवाहा की इलाज के दौरान मौत के बाद भड़के व्यवसायियों ने जब सड़क जाम कर दिया तो मौके पर पहुंची पुलिस उन लोगों को समझाने का प्रयास कर रही है। वहीं, थाना प्रभारी ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है। अपराधियों की पहचान भी हो चुकी है। गिरफ्तारी के लिए छापामारी चल रही है।

नवादा में कुछ युवकों ने मुहर्रम जुलूस में लहराया फिलिस्तीन का झंडा, तीन लोग गिरफ्तार

नवादा (एजेंसियां)।

नवादा जिले के धमौल थाना के धमौल बाजार में रविवार की शाम दूसरे देश फिलिस्तीन का झंडा लहराए जाने का मामला सामने आया है। इस सूचना पर पुलिस ने तीन लोगों को दूसरे देश के झंडे के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

पकरीबरावां के एसडीपीओ महेश चौधरी ने बताया कि रविवार की शाम सात बजे बिना लाइसेंस के धमौल बाजार में एक छोटा जुलूस निकाला गया था। उसमें दूसरे देश का झंडा लहराया गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को गिरफ्तार

कर लिया है। उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस स्थिति पर नजर रख रही है।

गौरतलब है कि मुहर्रम जुलूस के दौरान कुछ युवाओं के द्वारा इस तरह की हरकत की गई है। जिले में 17 और 18 जुलाई को मुहर्रम मनाया जाएगा। पुलिस मुहर्रम को लेकर काफी सतर्क है।

महिला ने किया सुसाइड : बर्थ डे पार्टी में जाने के लिए नोंकझोंक हुई थी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर नगर थाना क्षेत्र के गरीब स्थान रोड के माली गली में महिला ने अपने ससुराल में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। मृत महिला की पहचान नगर थाना क्षेत्र के माली गली निवासी पुष्प राज उपाध्याय उर्फ शेरू की 28 वर्षीय पत्नी विभा मुस्कान के रूप में किया गया है। इस मामले की जानकारी के बाद मौके पर स्थानीय लोगो की भीड़ उमड़ पड़ी। महिला अपने

पीछे दो बेटों को छोड़कर चली गई।

बताया जा रहा है कि विभा मुस्कान का पति अपने बहनोई के जन्मदिन की पार्टी में अपने बड़े बेटे को लेकर शनिवार को लालगंज गया था। जाने से पहले पति से कहा सुनी हुई थी। मृत महिला की सास के अनुसार, पति-पत्नी के बीच में कभी कभी लड़ाई झगड़ा हुआ करता था। बर्थडे पार्टी में जाने के दिन भी पति पत्नी के बीच में नोकझोंक हुई थी। आज उनकी बहू ने सभी को खाना भी खिलाया था और किसी को इस बात का अंदाजा नहीं लगा कि विभा ऐसा कदम उठाएगी।

पूरे मामले में नगर थाना के अपर थाना प्रभारी राजकुमार ने बताया कि एक महिला की सुसाइड की सूचना पर मौके पर पहुंचे है। पंखे के हुक से फंदा लगाकर आत्महत्या किया गया है। पति से पारिवारिक विवाद की बात कही जा रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया जाने के लिए मेडिकल कॉलेज में भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है।

फिर गरमाया कावेरी जल विवाद, सीएम ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

किसानों से धोखा बर्दाश्त नहीं करेंगे

चेन्नई (एजेंसियां)।

कावेरी जल विवाद फिर से गरमा गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कावेरी जल विवाद को लेकर कर्नाटक सरकार के रुख की आलोचना की।

उन्होंने अंतर-राज्यीय नदी विवाद को लेकर आगामी 16 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। स्टालिन ने कहा कि 15 जुलाई 2024 तक कर्नाटक के चार मुख्य बांधों में कुल भंडारण 75.586 टीएमसी फीट है, जबकि तमिलनाडु के मेट्टूर जलाशय में जल का स्तर मात्र

13.808 टीएमसी फीट है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार इस बार पर्याप्त बारिश की गुंजाइश है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि 'कर्नाटक द्वारा कावेरी जल नियमन समिति के निर्देशों के अनुसार पानी छोड़ने से इनकार करना, तमिलनाडु के किसानों के साथ धोखा है और राज्य कभी भी इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।' रविवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा था कि राज्य सरकार तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी से हर रोज आठ हजार क्यूसेक पानी छोड़ने के लिए तैयार है। बता दें कि कावेरी जल नियमन समिति ने कर्नाटक सरकार को इस महीने के अंत तक तमिलनाडु के लिए हर रोज एक टीएमसी फीट पानी छोड़ने का निर्देश दिया था। तमिलनाडु सीएम ने कहा कि उन्होंने राज्य विधानसभा में सभी पार्टियों के विधायक दल के नेताओं की बैठक बुलाई है। उस बैठक में आगे के कदम पर चर्चा की जाएगी। बैठक 16 जुलाई को सुबह 11 बजे राज्य सचिवालय में होगी।

कावेरी नदी के जल को लेकर विवाद करीब 140 साल से भी ज्यादा पुराना है। साल 1881 में कर्नाटक ने नदी पर बांध बनाने का फैसला किया, लेकिन तमिलनाडु ने इसका विरोध किया। कई साल ये विवाद चलने के बाद ब्रिटिश सरकार ने इसमें हस्तक्षेप किया और दोनों राज्यों के बीच एक समझौता कराया। इसके समझौते के तहत नदी के जल का 556 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी तमिलनाडु को और 177 हजार मिलियन क्यूबिक पानी कर्नाटक को मिलना तय हुआ।

कावेरी नदी कर्नाटक के कोडागू जिले से निकलती है और तमिलनाडु से होती हुई बंगाल की खाड़ी में गिरती है। नदी का कुछ हिस्सा केरल और पुडुचेरी में भी है। साल 1972 में एक कमेटी गठित की गई। इस कमेटी ने 1976 में चारों राज्यों के बीच नदी के जल को लेकर एक समझौता कराया, लेकिन अभी भी नदी के जल को लेकर विवाद है। दरअसल कर्नाटक ब्रिटिश काल में हुए समझौते को तर्कसंगत नहीं मानता और तमिलनाडु उस समझौते को सही मानता है।

ट्रेन से बिहार सरकार का अफसर अगवा, खुशरूपुर से जबरन उतारा

पटना (एजेंसियां)।

पटना में बेखौफ अपराधियों ने एक अधिकारी का अपहरण कर लिया है। यह घटना खुसरूपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोसी ट्रेन से हुई है। घटना की पुष्टि करते हुए खुसरूपुर थाना जीआरपी प्रभारी ने बताया कि बीपीएससी की परीक्षा पास करने के बाद ग्रामीण विकास विभाग में सहयोग देने जा रहे अधिकारी दीपक कुमार का अपराधियों ने अपहरण कर लिया है।

उन्होंने बताया कि घटना के बाद दीपक कुमार का मोबाइल स्विच ऑफ है और उनके परिजनों के मोबाइल पर अपहरण कर लेने

की सूचना अपराधियों के द्वारा दी गई है। इसके बाद पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है।

दीपक कुमार मूल रूप से बेगूसराय के रहने वाले हैं और हाथीदह से कोसी एक्सप्रेस ट्रेन पड़कर गया जा रहे थे। बताया जा रहा है कि हाथीदह स्टेशन पहुंचने के बाद 4 से 5 लोगों के द्वारा जबरन उन्हें ट्रेन से उतार लिया गया और उन्हें स्कॉर्पियो में बैठाकर उनका अपहरण कर लिया गया। घटना के बाद से उनका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया है। घटना की सूचना परिवार के लोगों ने खुसरूपुर जीआरपी को दी है।

मुखिया कर रहा था प्रतिबंधित गांजा की तस्करी, अब एसएसबी और पुलिस ने रंगे हाथ पकड़ा

मोतिहारी (एजेंसियां)।

मोतिहारी के आदापुर प्रखंड के बखरी पंचायत के मुखिया के घर पर पुलिस और एसएसबी की संयुक्त छापामारी में भारी मात्रा में मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ है। उक्त मुखिया के नाम की पहचान अख्तर शाह के रूप में की गई है। पुलिस टीम आरोपी मुखिया को गिरफ्तार कर आवश्यक पूछताछ कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, बखरी पंचायत के मुखिया को गांजा तस्करी में एक क्विंटल 31 किलो गांजा के साथ पकड़ा गया है।

बखरी पंचायत आदापुर के छौरादानो की समीपवर्ती पंचायत है। एसएसबी द्वारा स्थानीय आदापुर पुलिस के साथ संयुक्त रूप से आधी रात को विशेष छापामारी अभियान चलाया गया।

बताया जा रहा है कि लगभग पौने दो बजे एसएसबी पॉइंट 377/2 से लगभग दो किलोमीटर भारतीय क्षेत्र के

झिटकहिया में छापामारी की गई। यहां के स्थानीय निवासी मेराजुल हक के बेटे अख्तर शाह (40) के घर पर छापामारी के दौरान 11 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया। इसके बाद अख्तर शाह के घर के चारों तरफ तलाशी ली गई।

लगभग एक घंटे की तलाशी के दौरान उसके घर के पीछे वाली गली में एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी को खड़ा देखा गया। संदेह होने पर उसकी तलाशी ली गई और उक्त गाड़ी में रखी लगभग 120 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया।

सत्यापन के दौरान यह गाड़ी भी अख्तर शाह की निकली है। इस छापामारी में कुल एक क्विंटल 31 किलोग्राम गांजा पकड़ा गया है।

छापामारी के दौरान यह भी खुलासा हुआ है कि अख्तर शाह का गांजा तस्करी में पुराना इतिहास है। वह इस इलाके में गांजा तस्करी का मुख्य किंगपिन है। वर्तमान में वह बखरी पंचायत का मुखिया भी है। पकड़े गए तस्कर और गांजा को आदापुर पुलिस स्टेशन को आगे की कार्रवाई के लिए सौंपा गया है।

मुखिया के इस आपराधिक वारदात में पकड़े जाने पर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। लोग कह रहे हैं कि जब मुखिया ऐसे गलत काम में लिप्त है तो इसने इस गरिमा वाले पद को कलंकित किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com